पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार, 3 साल बाद प्रतिबंध में आंशिक ढील

-12

जमीन के बदले नौकरी के मामले में लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित

-12

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर

-13

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा- अच्छी शुरुआत बड़े स्कोर में बदलना होगा

-14

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया 02:42 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 20 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 351, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रोटोकॉल तोड़कर किया स्वागत, कई बड़े मुद्दों पर हुई बातचीत

मोदी के बुलावे पर दो घंटे के लिए नई दिल्ली पहुंचे यूएई के राष्ट्रपति

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान एक दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार शाम यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़कर हवाई अड्डे पर खुद उनका स्वागत किया। लगभग दो घंटे की आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे शेख नाहयान की इस बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मोदी से वार्ता हुई, जिसके बाद नाहयान स्वदेश लौट गए। राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद नाहयान की यह तीसरी और पिछले एक दशक में पांचवीं यात्रा थी।

लकड़ी का झूला, पशमीना शॉल भेंट किया

मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर नाहयान और उनके परिवार का स्वागत किया और उन्हें पारंपरिक भारतीय उपहार लकड़ी का नक्काशीदार झूला तथा पश्मीना शाल भेंट किया। गुजरात के नक्काशीदार लकड़ी के झूले पर बारीक पुष्प और पारंपरिक डिजाइन उकेरी गई है। पशमीना शाल कश्मीर की है जो अत्यंत महीन ऊन से हाथ से बनाई जाती है, इससे यह बेहद मुलायम, हल्की और गर्म होती है।

चांदी का सुनहरा इतिहास... तीन लाख पार

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना भी 1,900 रुपये बढ़कर 1.48 लाख पर पहुंचा

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को चांदी 10,000 रुपये की जोरदार उछाल के साथ सुनहरा इतिहास रच दिया और तीन लाख रुपये किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। सोमवार को चांदी का कारोबार 3,02,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर हुआ जो तीन लाख रुपये से ऊपर का पहला बंद भाव है। इसके साथ सोना भी 1,900 रुपये उछलकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

सर्राफा कारोबारियों के मुताबिक घरेलू और वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग के कारण चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी रही। शुक्रवार को चांदी 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में भी

मजबूती देखी गई और यह नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई। सोना सभी करों सहित 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से 1,900 रुपये अधिक है। सोने के वायदा भाव में पिछले सप्ताह के दौरान 3,698 रुपये यानी 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एक सप्ताह में 14% चढ़ा भाव

चांदी के वायदा भाव में पिछले सप्ताह के दौरान करीब 14 प्रतिशत यानी 35,037 रुपये की तेजी आई है। इसकी कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2,35,701 रुपये किलोग्राम थी। इसमें अबतक 68,499 रुपये यानी 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

टैरिफ अनिश्चितता से लगे पंख

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विश्लेषक सौमिल गांधी के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद निवेशकों में चिंता और बढ़ी है। बढ़ती अनिश्चितता के कारण उन्हें सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश है। इसी कारण वे कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप, नुकसान नहीं

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर को जमानत मिली

देवरिया। धोखाधड़ी मामले में देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को सोमवार को जिला जज की अदालत से जमानत मंजूर हो गई लेकिन उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत अर्जी को अदालत ने खारिज कर दिया। डीजीसी क्राइम राजेश मिश्रा के मुताबिक अब नूतन को हाईकोर्ट जाना होगा या अदालत में समर्पण करना होगा। अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लखनऊ में भी मुकदमा दर्ज हैं और वहां की अदालत से जारी वारंट बी देवरिया जेल में तामील करा दिया गया है। उनकी रिहाई अभी आसान नहीं होगी।

मणिकर्णिका घाट पर विरोध कर रहे लोगों को खदेड़ा, 16 हिरासत में

वाराणसी। बनारस के मणिकर्णिका घाट पर पुनर्विकास को लेकर चल रहे कार्यों के दौरान रानी अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति तोड़े जाने के आरोप को लेकर सोमवार को दर्जनों लोगों ने घाट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्कामुक्की की। इस पर पुलिस ने सभी को खदेड़ दिया। 16 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसीपी डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि प्रदर्शन करने वालों ने कोई अनुमति नहीं ली थी।

पीठासीन अधिकारी चाहे जिस दल के हों, निष्पक्ष होना चाहिए

ओम बिरला का पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में अनुशासन-जवाबदेही पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ विधान सभा में सम्मेलन में बोलते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

अमृत विचार: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधायिका लोकतंत्र का वह मंच है, जहां जनता की आवाज शासन तक पहुंचती है और समाधान का रास्ता निकलता है। ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित और पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

बिरला सोमवार को विधानसभा में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि यह भी कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हों, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, संतुलित होना चाहिए। पीठासीन अधिकारी का व्यवहार केवल निष्पक्ष होना ही नहीं बल्कि निष्पक्ष दिखना भी चाहिए, ताकि सदन की गरिमा और जनता का विश्वास बना रहे। बिरला ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की पैनी निगाह रहती है। ऐसे में संसदीय शिष्टाचार, अनुशासन और सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यह केवल नियमों से नहीं, बल्कि व्यवहार और परंपराओं के पालन से संभव है। सम्मेलन में 28 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं व छह विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सम्मेलन में पीठासीन अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया।

● कहा- सदन जितना अधिक चलेगा लोकतंत्र उतना ही होगा मजबूत

आज इन मुद्दों पर होगा मंथन

मंगलवार को सम्मेलन में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक व डिजिटल टूल्स के उपयोग, विधायकों का क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण, जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही और संसदीय शिष्टाचार और सदन की गरिमा बनाए रखने के उपाय के मुद्दों पर मंथन होगा।

ये लोकतांत्रिक सहयोग का मजबूत मंच : राज्यपाल

इसके पहले सम्मेलन का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच राज्यों के बीच संवाद, सहयोग और सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन विधायी संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

मेडिकल कॉलेज परिसर में बनी अवैध मजारों पर चला बुलडोजर

संवाददाता, बहराइच

नगर में स्थित महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज के परिसर में बनी छोटी दस मजारों को सोमवार को जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इन मजारों को 24 साल पहले तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने अवैध बताया था, जिसके बाद इसका संचालन करने वाले लोगों ने कमिश्नर ने यहां अपील की थी। लेकिन सात साल पहले 2019 में कमिश्नर ने भी तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को सही करार दिया था। जिसके बाद आज ये कार्यवाही की गई है।

नगर के जिलाधिकारी कार्यालय के पास स्थित मेडिकल कालेज से लगी सैकड़ों वर्ष पहले से रसूल शाह बासवाडी का अस्ताना है जिसमें पहले सिर्फ दो मजारे थी जो की वक्फ बोर्ड में भी दर्ज है। बाद इसकी देखरेख करने वाले लोगों ने करीब दस अन्य छोटी मजारे भी स्थापित कर दी थी। इन दस मजारों को सन 2002 में तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने अवैध बताते हुए इसके ध्वस्तीकरण के आदेश दिए जिसके बाद कमेटी ने जिलाधिकारी के यहां अपील की 2004 में ये अपील भी खारिज हो गई। जिसके पश्चात संबंधित पक्ष ने मंडलायुक्त के यहां आदेश के खिलाफ अपील की करीब 15 साल बाद 2019 में वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। तो कमेटी ने प्रशासन से इसको स्वयं हटाने की बात कही। इसी बीच सन 2023 में मेडिकल कालेज बनने के बाद ये मजार उसके परिसर में आ गई थी। नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद ने बताया कि बीते दस जनवरी को संबंधित पक्ष को अवैध दस मजारों को 17 जनवरी तक हटाने का नोटिस दिया था। लेकिन नियत तिथि तक मजारों को न हटाने पर सोमवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस बल की मौजूदगी में दस मजारों को बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया गया है।

शिवगढ़ में पोते ने कुल्हाड़ी से काटकर चचेरी दादी की हत्या की

शिवगढ़ (रायबरेली)। पोते ने रिश्तों को कलंकित करते हुए चचेरी दादी की दिनदहाड़े कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। मामला शिवगढ़ थाना क्षेत्र के कृष्णपाल खेड़ा मजरे रानीखेड़ा का है। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कम्प मच गया। बताते हैं कि आरोपी सोनू गौतम पुत्र राजकुमार का घर मृतका तारावती (55) पत्नी रामप्रताप गौतम के घर के ठीक सामने है। बताया जा रहा है कि रविवार शाम आरोपी शराब के नशे में धुत होकर तारावती के घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। मृतका के बेटे दिलीप का आरोप है कि भयभीत होकर डायल 112 पर सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, सोमवार को दिनदहाड़े आरोपी ने कुल्हाड़ी से तारावती पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। -संबंधित खबर पेज 8 पर

एटा में ईंटों से सिर कुचलकर एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या

एटा, एजेंसी

● मृतकों में तीन महिलाएं, हत्यारों की तलाश में पुलिस टीम गठित, इलाके में तनाव

एटा में सोमवार को एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार सदस्यों की ईंटों से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस फिलहाल यह पता नहीं लगा पाई है कि यह घटना कब और कैसे हुई। सोमवार सुबह हत्याकांड की खबर फैलने के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई।

पुलिस के मुताबिक सुनहरी नगर नगला प्रेमी मोहल्ले में अज्ञात लोगों ने एक घर में घुसकर तीन महिलाओं समेत चार लोगों को ईंटों से कुचलकर मार डाला। मृतकों की पहचान गंगा सिंह (70), उनकी पत्नी श्यामा देवी (65) और उनकी बेटी ज्योति (23) तथा कमल सिंह की पत्नी रत्ना सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के पहुंचने तक गंभीर घायल रत्ना सिंह जीवित थीं लेकिन एटा मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। एएसपी श्वेताभ पांडे ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों की तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

किश्तवाड़ में मुठभेड़ के दौरान एक पैराट्रूपर की मौत, आतंकी ठिकाना मिला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल एक पैराट्रूपर ने सोमवार को दम तोड़ दिया। इलाके में तलाशी अभियान में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया जिसमें सर्दियों के लिए राशन भरा हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि छात्रू क्षेत्र के मन्द्राल-सिंहपुरा के पास सोनार गांव में रविवार को अभियान शुरू किया गया था और इस दौरान वहां छिपे आतंकवादियों की गोलीबारी ग्रेनेड से हमले में आठ सैनिक घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में पेड़ होने और ढलानों वाले दुर्गम इलाके में दृश्यता और आवागमन सीमित होने के कारण रविवार देर रात अभियान रोक दिया गया। छात्रू में अभियान त्राशी-1 जारी है। अभियान का दायरा बढ़ा दिया गया है।

भारत में विश्वकप खेलने के लिए हामी भरे या बाहर होने को तैयार रहे बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

● आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को दिया दो दिन का वक्त

आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को चेतावनी दी है कि भारत में होने वाले टी 20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर वह 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे। आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद इस मसले का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है।

यह मुद्दा बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ था। आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, बीसीबी अधिकारियों को 21 जनवरी तक फैसला लेने के लिए कहा गया है। अगर वे भारत आने से इन्कार करते हैं तो रैंकिंग के आधार पर किसी दूसरी टीम को चुन लिया जाएगा। बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं और राष्ट्रीय गौरव का हवाला देते हुए अपनी टीम को कोलकाता और मुंबई में विश्वकप के लीग मैच खेलने को भेजने से इन्कार किया था।

स्कॉटलैंड को मिल सकता है मौका: टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है लिहाजा आईसीसी बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में स्थानांतरित करने के लिए तैयार नहीं है। बांग्लादेश अगर आने से इन्कार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है।

दुष्कर्म पीड़िता के पिता की मौत के मामले में सेंगर की सजा निलंबन की याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

● उन्नाव दुष्कर्म मामला : अदालत ने कहा- राहत देने का आधार नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में भाजपा के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की 10 साल की सजा को निलंबित करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने कहा, राहत देने के लिए कोई आधार नहीं है।

न्यायाधीश ने कहा कि सेंगर ने हालांकि लंबा समय जेल में बिताया है, लेकिन देरी के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह इसलिए हुआ क्योंकि उसने अपनी सजा के खिलाफ कई अपील दायर की थीं। उन्होंने कहा, न्यायालय इस बात से अवगत है कि अपीलकर्ता को साढ़े सात वर्षों से कैद में रहना पड़ा है और अपील की सुनवाई नहीं हो सकी, लेकिन अपील की सुनवाई में देरी के कारणों में से एक यह था कि अपीलकर्ता ने अंतरिम निलंबन, जमानत की अवधि बढ़ाने और सजा के नियमित निलंबन के लिए कई आवेदन दायर किए थे। अगर अपील के गुण-दोष पर तेजी से सुनवाई होती है, तो मकसद पूरा होगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तीन फरवरी के लिए सूचीबद्ध की।

दुष्कर्म पीड़िता ने कहा- फैसले से सुकून मिला

दुष्कर्म पीड़िता ने अदालत के फैसले पर कहा कि इस फैसले से उन्हें सुकून मिला है। मेरे पिता की आत्मा को भी कुछ शांति मिली है। मैंने अब तक अपने पिता की तेरहवीं की रस्में नहीं की हैं। जब तक उनके हत्यारों को मौत की सजा नहीं मिलती, उनकी आत्मा को सच्ची शांति नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, सेंगर, उसके भाई अतुल सिंह सेंगर और इस साजिश में संलिप्त सभी लोगों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। यह सिर्फ मेरी लड़ाई नहीं है, यह न्याय और सच्चाई की लड़ाई है, मैं इसे आखिरी सांस तक जारी रखूंगी।

सबसे युवा अध्यक्ष | पार्टी के शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार के प्रस्तावकों में मोदी, शाह, राजनाथ, गडकरी, नड्डा शामिल

नितिन नवीन ही होंगे भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष

● पक्ष में दाखिल किए नामांकन के 37 सेट, सभी वैध पाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष की नामांकन प्रक्रिया में पहुंचे शाह, राजनाथ समेत कई वरिष्ठ नेता।

नितिन नवीन का सोमवार को नामांकन के दिन ही भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय हो गया। पार्टी के शीर्ष पद के लिए हो रहे चुनाव में एकमात्र उम्मीदवार हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण के मुताबिक उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट दाखिल किए गए जिन्हें वैध पाया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नवीन की उम्मीदवारी का प्रस्ताव रखने वालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। इसके अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी उनके प्रस्तावक बने। लक्ष्मण ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को अपराह्न दो बजे से चार बजे के बीच पूरी हो गई। उन्होंने कहा, नितिन नवीन के पक्ष में दाखिल सभी 37 नामांकन सेट वैध पाए गए हैं।

योगी समेत कई मुख्यमंत्री हुए शामिल

नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। इन मुख्यमंत्रियों ने नामांकन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

मोदी की मौजूदगी में संभालेंगे नई जिम्मेदारी

भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बनने जा रहे नितिन नवीन को मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पूर्णकालिक स्थाई अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सोमवार को ही भाजपा मुख्यालय में नए अध्यक्ष की ताजपोशी को लेकर होने वाले कार्यक्रम के लिए तैयारियां शुरू हो गईं। पार्टी सूत्रों के अनुसार नितिन नवीन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किए जाने के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने का अनुमान है। करीब 45 साल की उम्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले नितिन नवीन पहले नेता हैं।

न्यूज ब्रीफ

कौशल प्रतियोगिता का दूसरा चरण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार से लखनऊ में हो गई। यह प्रतियोगिता 20 जनवरी तक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 391 युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इससे पूर्व प्रतियोगिता का पहला चरण 13 जनवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था, जिसमें 451 युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि मुख्य प्रतियोगिताएं 20 जनवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होंगी। प्रत्येक कौशल में चयनित दो विजेताओं को 24 जनवरी को पुरस्कार दिए जाएंगे। चयनित प्रतिभागी अगले स्तर की इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एआई क्षेत्र की कंपनियां आज करेंगी मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शासन, उद्योग और स्किल डेवलपमेंट का मजबूत आधार बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में एआई आधारित नवाचार और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप टैलेंट तैयार करने के उद्देश्य से 'एआई लेड इनोवेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग कॉन्फ्रेंस' का आयोजन 20 जनवरी को लखनऊ के होटल सेंट्रम में किया गया है। यह जानकारी देते हुए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, टीसीएस, एचसीएल, इंटेल सहित दिग्गज कंपनियां, शैक्षणिक संस्थान और स्टार्टअप्स एक मंच पर जुटेंगे।

दावोस में तेज हुआ यूपी का निवेश अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के नेतृत्व में स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने देश-विदेश के प्रमुख निवेशकों के साथ बैठक कर निवेश अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। अंतरराष्ट्रीय कंपनी लुई ड्रेफस सहित कई वैश्विक निवेशकों के साथ संवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने नैस्डेक में सूचीबद्ध वैश्विक डिजिटल सेवा प्रदाता सिफी टेक्नोलॉजीज के साथ निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान सिफी ने नोएडा में एआई रेडी और रिन्यूएबल एनर्जी आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई।

बेघर की गई सीमा को मिला न्याय का भरोसा

जनता दर्शन में आई महिला ने मुख्यमंत्री योगी को सुनाया दुखड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम ने पुलिस आयुक्त को उचित कार्रवाई करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' के दौरान प्रदेश भर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी क्रम में लखनऊ निवासी महिला सीमा ने अपनी आर्थिक विपन्नता और पति द्वारा घर से निकाले जाने की पीड़ा मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त को तत्काल उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लखनऊ निवासी सीमा अपनी दो बच्चियों के साथ 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि ससुर के निधन के बाद पति और ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया है। दो छोटी बच्चियों के साथ वह दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने ससुराल में रहने का अधिकार दिलाने और बच्चों के लालन-पालन के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त को तुरंत आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

पुलिस व आर्थिक सहायता से जुड़े प्रकरण भी आए : 'जनता दर्शन' में पुलिस, बिजली विभाग और आर्थिक सहायता से जुड़े कई प्रकरण सामने आए। मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की जांच कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वाले फरियादियों से अस्पताल का एस्टिमेट मंगाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर सुख-दुख में प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है और हर उचित समस्या का समाधान कराया जाएगा।

नन्ही अनन्या ने किया भाव-विभोर

मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में अपने माता-पिता के साथ आए सभी बच्चों को चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। इस दौरान मां सीमा के साथ दो साल की नन्ही अनन्या भी आई थी। चॉकलेट पाकर बच्ची खिलखिला उठी। जब मुख्यमंत्री ने उससे चॉकलेट मांगी तो उसने बड़ी मासूमियत से चॉकलेट वापस सीएम की तरफ बढ़ा दी। यह देखकर मुख्यमंत्री का बाल प्रेम उमड़ पड़ा। इस दौरान नन्ही बच्ची की भाव भंगिमा और मुख्यमंत्री का संवाद देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भाव-विभोर हो गया।

जनता दर्शन में महिला फरियादी के साथ आई बच्ची अनन्या मुख्यमंत्री योगी से चॉकलेट पाकर खिलखिला उठी।

ओटीएस योजना में 4000 करोड़ रुपये मिला राजस्व

37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने कराया पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने दिए निर्देश क्षेत्र में कराई जाए मुनादी
- बकाया नोटिस देने के साथ पंपलेट वितरण करने को कहा

अमृत विचार : सोमवार को शक्ति भवन में आयोजित बैठक में यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने कहा कि पहली दिसम्बर 2025 से पूरे प्रदेश में शुरू की गई बिजली बिल राहत योजना को उपभोक्ताओं का अच्छा समर्थन मिल रहा है। अब तक लगभग 37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना में लाभ के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे कारपोरेशन को लगभग 4000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि यह उपलब्धि सराहनीय है, लेकिन अभी और अधिक प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूसरा चरण खत्म होने को है, इसलिए सभी कर्मचारी, अधिकारी वे अपने-अपने क्षेत्रों के बकायेदार उपभोक्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें, फोन कॉल के माध्यम से उन्हें योजना के लाभों की जानकारी दें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि हर इलाके में मुनादी कराई जाए, बकाया नोटिस दिए जाने के साथ पंपलेट और सूचना पर्चियों का वितरण किया जाए। इसके लिए माइक्रो प्लान बनाकर कार्मिकों और फिनटेक एजेंसियों को सक्रिय रूप से लगाया जाए। डॉ. गोयल ने आगे कहा कि बिजली चोरी के मामलों में भी उपभोक्ताओं को योजना के माध्यम से मुकदमे और एफआईआर के निस्तारण की सुविधा के बारे में बताया जाए, ताकि वे कोर्ट कचहरी के चक्कर से बच सकें। उन्होंने साफ किया कि विद्युत चोरी से जुड़े प्रत्येक उपभोक्ता से संपर्क कर उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। जिन क्षेत्रों में अधिक संख्या में बकायेदार उपभोक्ता हैं, वहां विशेष रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। गांवों और क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएं, जहां अधिकारी अपने कार्मिकों के साथ जाकर पूरे गांव के बकायेदार उपभोक्ताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

बैठक करते कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल। अमृत विचार

ओटीएस योजना में पूर्वांचल डिस्कॉम रहा अव्वल

कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने बताया कि ओटीएस योजना में पूर्वांचल डिस्कॉम का प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां 13,76,621 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और लगभग 1590 करोड़ रुपये की वसूली हुई है।

कार्मिकों के लिए शुरू की गई प्रोत्साहन योजना

योजना के अंतर्गत कार्मिकों के लिए प्रोत्साहन योजना भी लागू की गई है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों और कलेक्शन एजेंसियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। योजना के खत्म होने के बाद डिस्कॉम की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, जिसमें निर्धारित मानकों से बेहतर प्रदर्शन करने वाले 10 अधिशासी अभियंताओं, 20 उपखंड अधिकारियों और 30 अवर अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र के साथ प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी।

युवराज मेहता की मौत की जांच करेगी एसआईटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नोएडा की घटना का मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, दिए निर्देश
- एडीजी जोन मेरठ के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित, 5 दिन में सौंपेगी रिपोर्ट

अमृत विचार: प्रदेश के नोएडा सेक्टर-150 में 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने प्रशासनिक लापरवाही और व्यवस्था की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए मेरठ जोन के एडीजी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है, जो पांच दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री के आदेश पर गठित एसआईटी में मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल कर गठित यह टीम हादसे से जुड़े सभी पहलुओं सड़क सुरक्षा, निर्माण एवं रखरखाव, प्रशासनिक जिम्मेदारी और संभावित लापरवाही की गहन जांच करेगी। घटना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा कर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जिम्मेदार अधिकारी या विभाग को बख्शा नहीं जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ हटाए गए

नोएडा हादसे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। उन्हें प्रतीक्षारत किया गया। प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मृतक युवराज मेहता का फाइल फोटो।

घने कोहरे में नाले में गिरी थी कार

पुलिस के अनुसार, घने कोहरे के कारण युवराज मेहता की कार अनियंत्रित होकर करीब 20 फुट से अधिक गहरे पानी से भरे नाले में गिर गई। हादसे में युवराज की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटनास्थल पर न तो पर्याप्त चेतावनी संकेतक थे और न ही बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था, जिससे हादसे की आशंका पहले से बनी हुई थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बिजली कर्मी की मौत

कुंडा,प्रतापगढ़ अमृत विचार : नगर पंचायत कुंडा के सुभाष नगर मोहल्ला निवासी नर्मदा प्रसाद पांडेय का 35 वर्षीय बेटा नवीन पांडेय बाघराय स्थित विद्युत उपकेंद्र पर बिजली निगम में ठेकेदारी का काम देखता था। रविवार देररात वह उपकेंद्र से काम निपटाकर बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही कोतवाली के कुंडा बिहार रोड पर तिलौरी नहर पर पहुंचा, तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज प्रयागराज रेफर कर दिया। परिजन उसे प्रयागराज ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक के मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव लेकर लौटे। मृतक के साढ़ू अभय तिवारी निवासी मलहुवा सोंराव प्रयागराज की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। युवक की मौत पर उसकी मां माधुरी पांडेय,पत्नी प्रियम उर्फ कोमल, बेटे तन्मय,युग और सारांश का रो-रो कर हाल बेहाल है।

सनातन संस्कृति में कभी नहीं रहा जातिगत भेदभाव

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र के गनईडीह गांव स्थित परशुराम चौराहे पर सोमवार को सुंदरकांड पाठ एवं समरसता खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी एवं जिला सहकारी बैंक की पूर्व चेयरमैन सिंधुजा मिश्रा ने पूजन अर्चन कर शुभारंभ किया। मुख्य वक्ता एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आलोक कुमार पांडेय ने कहा कि सामाजिक समरसता में ही देश का भविष्य सुरक्षित है। जाति गत भेदभाव, छुआछूत जैसे विभेद हमारी सनातन संस्कृति में कभी नहीं रहा। लोगों को एसआईआर के प्रति भी जागरुक किया। अध्यक्षता कर्नल जयराम सिंह,संचालन केके शर्मा ने किया। कार्यक्रम में जरुरतमंदों को कम्बल वितरित किया गया। इस दौरान इंद्रपाल,एसके पाल, इमरान रजक,सुनील सरोज, धर्मेंद्र पांडेय, अजय पांडेय,नन्नू माली,बादाम गौतम,मुन्ना पांडेय, सुनील, रिंकू सिंह, दिनेश मौर्य, कुलदीप सिंह,पिंटू सिंह, राधेकृष्ण पांडेय,श्यामू शर्मा आदि मौजूद रहे।

अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कुंडा,प्रतापगढ़ अमृत विचार : मानिकपुर थाना क्षेत्र के कुशाहिलडीह गांव निवासी संतोष कुमार पटेल उर्फ कटई के खिलाफ किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार था। सोमवार को वरिष्ठ उप निरीक्षक राम नारायण सिंह ने पुलिस टीम के साथ आरोपी संतोष कुमार पटेल उर्फ कटई को रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर अपहृता को बरामद किया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत करने भेजा। अपहृता किशोरी को चिकित्सीय परीक्षण को जिला अस्पताल भेजा।

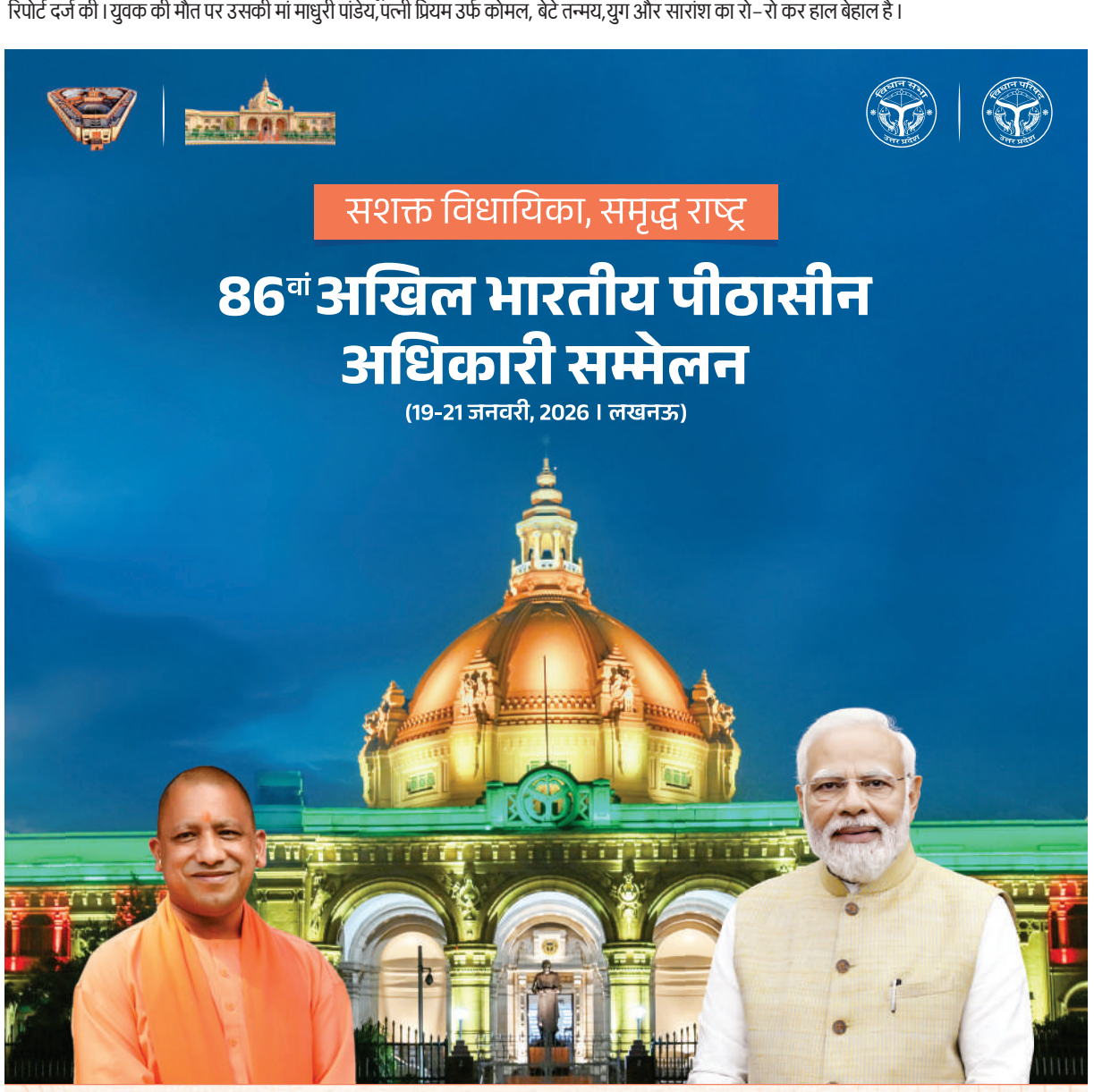

उपलब्धि | साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026 में साइबर टेक्नोलॉजी समझाएंगे यूपी के सुपर कॉप

इजरायल में दिखेगी यूपी की साइबर शक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा मंचों में शामिल 'साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026' में इस बार भारत, और खास तौर पर उत्तर प्रदेश की साइबर ताकत अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से पेश होगी। 26 से 28 जनवरी तक इजरायल के तेल अवीव में होने वाले इस सम्मेलन में यूपी के साइबर विशेषज्ञ भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और प्रशासनिक अनुभव साझा करेंगे।

सम्मेलन में भारत से दो दिग्गज विशेषज्ञ चीफ मेंटर के रूप में भाग लेंगे- पूर्व राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक माधवन उन्नीकृष्णन नायर और यूपी से एशिया के 'साइबर कॉप' कहे जाने वाले प्रो. त्रिवेणी सिंह। दोनों विशेषज्ञ अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों और टेक इंडस्ट्री लीडर्स के सामने भारत के साइबर सुरक्षा मॉडल और जमीनी स्तर पर अपनाए गए उपायों को प्रस्तुत करेंगे। इस सम्मेलन में अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, जर्मनी, स्पेन, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम, रोमानिया, हंगरी, फिलीपींस और यूएई सहित 20 से अधिक देशों के साइबर विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। ये सभी साइबर अपराध, एआई आधारित सुरक्षा, वित्तीय धोखाधड़ी, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन और साइबर आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों पर मंथन करेंगे।

यूपी के अनुभव से सीखेंगे अन्य देश

प्रो. त्रिवेणी सिंह अपने 25 वर्षों के अनुभव के आधार पर बताएंगे कि कैसे उत्तर प्रदेश ने साइबर अपराध और वित्तीय फ्रॉड से निपटने के लिए तकनीक-सक्षम और त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम विकसित किया है। वहीं, माधवन नायर भारत के राष्ट्रीय साइबर फ्रेमवर्क और नीति निर्माण के अनुभव साझा करेंगे।

साइबर सहयोग और व्यापारिक अवसरों पर फोकस

सम्मेलन में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी प्रमुख वक्ता होंगे। भारत समेत कई देशों के साथ साइबर सुरक्षा सहयोग, टेक्नोलॉजी साझेदारी और साइबर बिज़नेस संभावनाओं पर चर्चा होगी। साथ ही भारत में साइबर स्टार्टअप्स, निवेश और रिसर्च के नए अवसरों पर भी मंथन होगा।

न्यूज ब्रीफ

15631 मतदाताओं के सत्यापन के लिए नोटिस हुई जारी

फतेहपुर, बाराबंकी : फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इस अभियान में 15 एईआरओ और 15 एईआरओ की तैनाती की गई है, ताकि मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूट न जाए। आंकड़ों के अनुसार, 497 मतदान बूथों में से 487 बूथों पर 15,631 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई थी। प्रशासन ने इन मतदाताओं को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। बीएलओ घर-घर जाकर नोटिस वितरित कर रहे हैं और मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ सत्यापन कराने का अनुरोध किया गया है। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने बताया कि नोटिस का जवाब मिलने पर मतदाता विवरण को अपलोड कर सही सूची में दर्ज किया जाएगा और अभियान नियमित निगरानी के साथ सुचारू रूप से चलाया जा रहा है।

गांजा व कार समेत तस्कर गिरफ्तार

कोठी, बाराबंकी : थाना कोठी पुलिस टीम ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 9 किलो 50 ग्राम अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त एक वाहन बरामद किया है। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त शिवशंकर चौहान उर्फ कल्लू पुत्र स्व0 सूरजपाल निवासी ग्राम चौहान का पुरवा मजरे परिग्रावां थाना मिल एरिया जनपद रायबरेली को बाबा ढाबा के पास ग्राम कमालाबाद से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 9 किलो 50 ग्राम अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त एक वाहन बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया।

मेले की हर व्यवस्था पर रखें कड़ी निगरानी: डीएम

लोधेश्वर महादेवा में महाशिवरात्रि मेले को लेकर किया निरीक्षण

- **सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर दिये सख्त निर्देश**

रामनगर, बाराबंकी

निरीक्षण के दौरान दिशा-निर्देश देते डीएम। अमृत विचार

अमृत विचार: प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा में आयोजित होने वाले फागुनी महाशिवरात्रि मेले को सकुशल, सुरक्षित व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सोमवार को जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी ने प्रशासनिक अमले के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत महादेवा पुलिस चौकी परिसर में बैठक कर अधिकारियों को समय से सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह के साथ मेला मैदान, अभरण सरोवर, बोहनिया तालाब, जलहरी कुंड सहित प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुचारु पार्किंग, जर्जर विद्युत खंभों व खुले तारों को हटाने तथा 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खराब हाईमास्ट लाइटों को तत्काल ठीक कराने को कहा गया। बोहनिया तालाब व अभरण सरोवर की सफाई और नलकूप विभाग से जल भराव कराने, मेला क्षेत्र की साफ-सफाई, एंटी लार्वा छिड़काव व कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी बीडीओ रामनगर जितेंद्र कुमार, बीडीओ सूरतगंज देवेंद्र कुमार सिंह व नगर पंचायत ईओ अशोक खरवार को सौंपी गई। दुकानदारों को अग्निशमन यंत्र, कूड़ेदान रखने व पॉलिथीन प्रयोग न करने के निर्देश दिए गए। बुढ़वल रेलवे स्टेशन मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था जिला पंचायत से कराने, महादेवा चौकी के पास रैन बसेरा की मरम्मत पर्यटन विभाग से कराने, मलबा हटाने, मार्ग चौड़े रखने तथा छुट्टा पशुओं पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरजीत सचान को दी गई। पेयजल हेतु खराब हैंडपंप व पानी की टंकी दुरुस्त कराने तथा नगर पंचायत रामनगर, फतेहपुर व दरियाबाद को टैंकर से जलापूर्ति के निर्देश दिए गए। डीएम ने अस्थायी शौचालयों की सफाई, मोबाइल टॉयलेट, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, सरोवरों में बैरिकेडिंग व जाल, गोताखोरों, पीएसी, मेडिकल कैंप, अग्निशमन दल, सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। यातायात व्यवस्था के तहत चौकाघाट-मरकामऊ मार्ग पर पुल निर्माण कार्य मेला अवधि में रोकने के निर्देश दिए गए। बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी व अधिशासी अभियंता विद्युत सहित पांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व एसडीएम रामनगर गुंजिता अग्रवाल, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, सीएमओ डॉ. अवधेश कुमार यादव, सीओ गरिमा पंत, पीडब्ल्यूडी अवर अभियंता अजीत, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, कोतवाल अनिल कुमार पांडेय, चौकी प्रभारी अभिनंदन पांडेय सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पत्नी के अश्लील फोटो व वीडियो किए वायरल

कोठी, बाराबंकी: भागकर कोर्ट मैरिज करने के बाद युवती से उसके परिवार ने सभी रिश्ते खत्म कर दिए लेकिन युवक ने पत्नी के परिवार से पहले रंगदारी मांगी और रंगदारी न मिलने पर पत्नी के अश्लील फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

कोठी थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले युवक ने पुलिस को बताया कि उसकी सगी बड़ी बहन लगभग 12 वर्ष पूर्व घर से भागकर अपनी मर्जी से गोलू सिंह निवासी ग्राम सलौली थाना गोसाईगंज लखनऊ के साथ कोर्ट मैरिज कर रहने लगी थी। इस घटना के बाद सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक कारणों से परिवार ने उससे सभी संबंध समाप्त कर लिए। इसके बावजूद गोलू सिंह, उसके पिता सुखवीर सिंह, माता निर्मला सिंह व भाई दीपक सिंह द्वारा अचानक फोन कर उसके परिजनों से तीन लाख रुपये की मांग की जाने लगी। जब उसने किसी भी प्रकार के रिश्ते से इंकार किया तो गोलू द्वारा फोन पर अश्लील फोटो व वीडियो भेजे जाने लगे। विरोध करने पर उक्त फोटो व वीडियो को फेसबुक सहित सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। विपक्षी आए दिन नए-नए फोटो व वीडियो वायरल कर उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने की धमकी दे रहे हैं।

सम्मान समारोह में शामिल कर्मचारी। अमृत विचार

समरसता भोज का किया आयोजन

रामनगर, बाराबंकी : पीजी कॉलेज रामनगर में असिस्टेंट प्रोफेसर से प्रोन्नत होकर प्रोफेसर बने डॉ. आजाद प्रताप सिंह के सम्मान में महाविद्यालय परिसर में समरसता भोज एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रोफेसर पद का कार्यभार ग्रहण करने की खुशी में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों व कर्मचारियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों व कर्मचारियों ने डॉ. आजाद प्रताप सिंह को प्रोन्नति की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डॉ. आजाद प्रताप सिंह ने कहा सभी के सहयोग से महाविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाएगा। प्रोफेसर डॉ. अखिलेश पटेल ने कहा कि आपसी मतभेद भुलाकर सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में प्रोफेसर केके सिंह, सुनीत कुमार, अखिलेश वर्मा, विश्वेश मिश्र, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. रामकुमार सिंह, डॉ. केपी सिंह, गरिमा श्रीवास्तव, रानी सैनी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कॉलेज की मूलभूत सुविधाएं देखीं

निरीक्षण करते डीआईओएस व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

सूरतगंज, बाराबंकी : भारत सरकार टीम के संभावित दौरे को देखते हुए उप निदेशक समग्र शिक्षा मनोज कुमार वर्मा और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के सौरभ शुक्ला ने सोमवार शाम जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी के साथ पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज सूरतगंज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, स्मार्ट और वर्चुअल क्लास, टिंकरिंग लैब, कंप्यूटर लैब, खेलकूद लैब, प्रयोगशालाओं, आर्ट एंड क्राफ्ट कक्ष, पुस्तकालय, खेल मैदान, शौचालय और भोजन एवं मीटिंग हाल का जायजा लिया। छात्रावास में खेलकूद कर रही छात्राओं से वार्डन कौशिक ने जानकारी दी, साथ ही डाइनिंग रूम, बेडरूम और परिसर की सफाई भी देखी गई। निरीक्षण में जर्जर भवनों पर निष्प्रयोज्य अंकित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान संजय राय, संतोष मौर्या, अखिलेंद्र सिंह, अरविंद सिंह मौजूद रहे।

सीएनजी टैंकर में गैस रिसाव से हड़कंप

सफदरगंज, बाराबंकी : दादरा चौराहे के पास लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर सीएनजी गैस से भरे एक टैंकर में गैस का तेज रिसाव शुरू हो गया। गैस की गंध फैलते ही चालक सहित आसपास से गुजर रहे राहगीरों में दहशत फैल गई। राहगीरों की सूचना पर सफदरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और एहतियातन यातायात को डायवर्ट कर दिया। इस दौरान दादरा कट से वाहनों को वन-वे निकाला गया करीब 40 मिनट तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। बताया जा रहा है कि यह टैंकर बाराबंकी स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से रामसनेहीघाट की ओर सीएनजी गैस लेकर जा रहा था। टैंकर में गैस पाइप में रिसाव हो गया था।

महिला फिटनेस सेंटर का किया उद्घाटन

फतेहपुर, बाराबंकी : नगर में मंगलवार को महिला फिटनेस सेंटर का शुभारंभ विधायक साकेन्द्र वर्मा ने दीप जलाकर किया। इस मौके पर चेयरमैन इरशाद अहमद कमर और मिसेज इंडिया ग्लोबल क्वीन व मिसेज फिटनेस रमा कर्णवाल मौजूद थी। विधायक ने कहा यह सेंटर सुरक्षाबलों में भर्ती की तैयारी कर रही छात्राओं और महिलाओं के लिए उपयोगी साबित होगा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगा। रमा कर्णवाल ने फिट रहने और संतुलित आहार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। प्रबंधक डॉ. अंजू चंद्रा ने बताया कि सेंटर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही ग्रामीण छात्राओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण मिलेगा। समारोह में साईं ग्रुप ऑफ कालेजेज के प्रबंधक विपिन राठौर, इंस्पेक्टर एपी सिंह, मिशन शक्ति प्रभारी सुचिता साहू सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दो युवतियां व एक किशोरी लापता

बाराबंकी, अमृत विचार : अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो युवतियां और एक किशोरी लापता हो गई। पहला मामला थाना दरियाबाद क्षेत्र का है। एक गांव वासी युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी 21 वर्षीय बहन 18 जनवरी की रात घर से लापता हो गई। दूसरा मामला थाना जहाँगीराबाद क्षेत्र का है। एक गांव के व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी 22 वर्षीय बेटी को गांव का ही युवक इसरार उर्फ मोनू बहला-फुसलाकर 18 जनवरी की सुबह भगा ले गया। आरोप है कि युवती अपने साथ जेवरात और करीब 50 हजार रुपये नकद भी ले गई है। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन जानकारी नहीं मिल सकी। तीसरा मामला थाना देवा क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री के 16 जनवरी की शाम से लापता होने की सूचना दी है। आरोप है कि गांव टाईकला निवासी अजीत गौतम नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले गया।

बर्तन के साथ मायके छोड़ गए ससुराली

कोठी, बाराबंकी : दहेज को लेकर प्रताड़ित की जा रही विवाहिता को सुलह समझौते के बाद भी सुकून नहीं मिला। ससुराली जन मारपीट कर कुछ बर्तनों संग उसके मायके छोड़ आए। पीड़िता की तहरीर पर ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना क्षेत्र के ग्राम मुहिद्दीनपुर की रहने वाली विवाहिता शालिनी ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 7 मार्च 2025 को अरविन्द पुत्र पन्नेलाल निवासी ग्राम कुतबापुर के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद से ही पति अरविन्द, सास पूनम उर्फ सीमा, ससुर पन्नेलाल, देवर नितेश उर्फ बउवा, ननद पिंकी व चचिया ससुर पप्पू द्वारा कम दहेज लाने का ताना दिया जाने लगा। दहेज मांगने का विरोध करने पर सभी उसके साथ मारपीट करते थे। आरोप है कि 10 जनवरी को पति उसे ससुराल ले गया जहां पहुंचते ही ससुरालियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर पति सहित अन्य परिजनों ने उसकी पिटाई की और घर में न रखने व जान से मारने की धमकी दी। उसी रात ससुराल पक्ष के लोग पीड़िता को कुछ बर्तन देकर गांव में छोड़कर चले गए।

ओवरलोड तीन ट्रक सीज, दर्जनों का चालान

बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। इस दौरान क्षमता से अधिक माल ढोने, फिटनेस प्रमाणपत्र न होने, बकाया टैक्स, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और अन्य नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। सोमवार को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अंकिता शुक्ला ने लखनऊ-अयोध्या और बाराबंकी-लखनऊ मार्ग पर चेकिंग के दौरान आरजे नंबर के तीन ट्रकों को 50-50 टन ओवरलोड पाए जाने पर संबंधित थानों में निरुद्ध कराया। इसके अलावा अन्य मामलों में दर्जनों वाहनों के चालान किए गए।

महर्षि सुखदेव की सुनाई कथा

मसौली, बाराबंकी : ग्राम पंचायत नेवला के मोहल्ला उतर में चल रहे दुर्गा पूजा महोत्सव के तीसरे दिन श्रीराम कथा का आयोजन हुआ। कथा के दूसरे दिन पंडित महेंद्र मृदुल ने महर्षि सुखदेव की कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को भक्ति में डुबो दिया। कथावाचक ने बताया कि महर्षि सुखदेव ने राजा जनक को अपना गुरु स्वीकार किया और वेदव्यास से प्राप्त ज्ञान के माध्यम से मोह-माया से मुक्त होकर श्रीमद्भागवत का प्रचार किया। कथा के दौरान भगवान शिव, पार्वती और श्रीकृष्ण से जुड़ी रोचक घटनाओं का उल्लेख कर भक्तों को धार्मिक संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विशाल वर्मा, रामदेव वर्मा, अनीस, अतुल, पिंटू, हंसराज, धीरज, नितिन कुमार सहित तमाम भक्तगण उपस्थित रहे।

बीएलओ और सुपरवाइजरों की हुई बैठक

हैदरगढ़, बाराबंकी : एसडीएम राजेश विश्वकर्मा की अध्यक्षता में बीएलओ और सुपरवाइजरों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। बैठक में बीएलओ को अपने बूथों की सूची में आयु, नाम, लिंग, मकान नंबर, फोटो और पते जैसी जानकारियों का सत्यापन करने और त्रुटियों को फॉर्म 8 के माध्यम से सुधारने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से उन मतदाताओं पर ध्यान देने को कहा गया जो 'अनमैप्ड' रह गए हैं, जिनको घर-घर जाकर प्रिंटेड नोटिस तामील कराए जाने हैं।

36 मरीजों का होगा नि:शुल्क ऑपरेशन

सूरतगंज, बाराबंकी : श्रीठाकुरजी महाराज जन सेवा संस्थान, बरैय्या में सोमवार को नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। कानपुर शंकराचार्य नेत्र अस्पताल से आए डॉ. शिवान, गायत्री, मुस्कान और गोविंद त्रिपाठी ने 271 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया। इस दौरान 36 मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन हेतु अपने ट्रस्ट के नेत्र अस्पताल, कानपुर भेजा गया। शिविर में रामानंद वर्मा, अभिषेक वर्मा रहे।

नमी और ठंड से आलू में झुलसा रोग का खतरा

बाराबंकी, अमृत विचार : मौसम में नमी और ठंड बने रहने से आलू की फसल में झुलसा रोग फैलने की आशंका है। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि बचाव के लिए मैन्कोजैब 75 प्रतिशत अथवा जिनेब 75 प्रतिशत दवा 2 से 2.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 400-500 लीटर पानी में मिलाकर रोग लगने से पहले छिड़काव करें। रोग लगने की स्थिति में 500 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत व 2 किलोग्राम मैन्कोजैब 75 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। पाला पड़ने से दलहनी फसलों को नुकसान से बचाने के लिए पोटाश के 2 प्रतिशत घोल का छिड़काव और हल्की सिंचाई करने की सलाह दी गई है। सरसों की फसल में माहू के प्रकोप पर क्लोरोपाइरीफॉस 20 प्रतिशत दवा 1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

गैर इरादतन हत्या प्रकरण में पांच को सश्रम कारावास

बाराबंकी, अमृत विचार: कोर्ट ने गैरइरादन हत्या के अपराध की घटना में 5 अभियुक्तों को 7-7 वर्ष कारावास व प्रत्येक को 13 हजार अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। थाना जहांगीराबाद पर पंजीकृत भादवि से संबंधित सफीक निवासी ढकौली, रघुराज निवासी थाना कोतवाली नगर, छोटू उर्फ अनीस पुत्र हनीफ, वसीम पुत्र हनीफ, शराफत अली पुत्र ननकऊ अली हनीफ निवासी नई बस्ती बहादुरपुर थाना जहाँगीराबाद को विभिन्न धाराओं में न्यायालय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कोर्ट द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 5 अभियुक्तों को 7-7 वर्ष सश्रम कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। संक्षिप्त विवरण के अनुसार 3 मार्च 2017 को वादी प्रिंसराय पुत्र इनाखर राय निवासी नई बस्ती बहादुरपुर द्वारा सूचना दी गई कि अभियुक्तगण द्वारा वादी व उसके परिवारीजन को गाली-गलौज करते हुए मार-पीट करने, जिससे उनके पिता की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उक्त सूचना पर मुकदमा पंजीकृत किया गया।

पुल निर्माण का प्रस्ताव कार्ययोजना में हुआ शामिल

सूरतगंज, बाराबंकी: घाघरा नदी पर फरूहाघाट में पुल निर्माण की मांग को लेकर किए जा रहे पत्राचार की फाइल अब लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना में शामिल कर दी गई है। प्रस्तावित पुल की लंबाई 2394 मीटर है और इसके पहुंच मार्ग व सुरक्षात्मक कार्य की प्रारंभिक लागत 471.39 करोड़ रुपये आंकी गई है। बतनेरा पंचायत की ग्राम प्रधान नंदनी अवस्थी और उनके पति अमरीश अवस्थी द्वारा इस पुल निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराने हेतु शासन व केंद्र सरकार को कई पत्र भेजे गए थे। इस पहल से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।

घूस लेते रंगेहाथ धरे गए दरोगा, डीलर भी दबोचा

बाराबंकी, अमृत विचार: मारपीट को लेकर दर्ज मुकदमे में और नाम न बढ़ाने के लिए रिश्वत ले रहे बदोसरांय थाने में तैनात उपनिरीक्षक को एंटी करप्शन टीम ने धर दबोचा। दरोगा के पास से टीम तय रकम का आधे 25 हजार रुपये बरामद किए, वहीं इस मामले में डीलिंग कराने वाला एक शख्स भी धरा गया। दोनों के खिलाफ मामले की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

सुरेश कुमार।

बदोसरांय थाना क्षेत्र के ग्राम खलसापुर में गत वर्ष के अक्टूबर माह में जमीनी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई थी। पीड़ित महिला की ओर से दर्ज इस मामले में थाने पर तैनात प्रमोटी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार विवेचक थे। बताया जा रहा कि दरोगा की ओर से लगातार दबाव के बाद आरोपी सूरज ने संपर्क किया तो रिपोर्ट में और नाम न बढ़ाने के लिए 50 हजार रुपये का लेन देन तय हुआ। उधर सूरज ने एंटी करप्शन टीम अयोध्या तक शिकायत पहुंचा दी। टीम ने सबकुछ तय कर दिया।

सोमवार को इसी मामले में शपथ पत्र जमा करने के लिए हाईकोर्ट जाने की बात कहकर दरोगा सुरेश कुमार थाने से निकले। सफदरगंज थाना क्षेत्र में चौपुला पर दरोगा की सूरज से भेंट हुई, तय रकम का आधा 25 हजार रुपये दरोगा के हाथ जाते ही पास ही निगाह रख रही टीम ने रंगे हाथों दबोच लिया। इसी दौरान मामले में डीलिंग करा रहा खुर्शीद नामक व्यक्ति भी दबोच लिया गया। यहां से टीम आरोपियों को थाने ले गई, जहां पर देर शाम इनके खिलाफ केस दर्ज किया गया।

यह था मामला: बदोसरांय थाना क्षेत्र के खलसापुर गांव में पारिवारिक जमीनी रंजिश को लेकर दबंगों द्वारा एक महिला समेत कई लोगों पर जानलेवा हमला किया गया था। विमला देवी पत्नी अनिल सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 5 अक्टूबर 2025 की सुबह उनके पट्टीदार सूरज, अनूप पुत्रगण राजकुमार, ललित, अनुज, ओमकार पुत्रगण राजेश, राजेश व राजकुमार पुत्रगण राजाराम तथा सूरज की पत्नी एक राय होकर उनके घर में घुस आए।

आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडा, लोहे की रॉड और बांका जैसे घातक हथियारों से जान से मारने की नीयत से हमला किया। इस दौरान विमला देवी, उनके भतीजे रवि, देवर अखिलेश, जेठ राजेन्द्र और जेठानी (पत्नी राजकपूर) के साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे सभी लोग लहूलुहान हो गए।

सीएम योगी ने सराहा, हेडमास्टर के तानों से हारी

- **कई बार की शिकायत अनसुनी करता रहा विभाग**

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: ज्ञान और संस्कार का मंदिर कहा गया विद्यालय समर्पित शिक्षिका की आख़िरी सांसों का गवाह बन गया। सबसे अहम पहलू यह कि सीएम योगी से प्रशंसित हुई शिक्षिका से हेडमास्टर के ताने और सहयोगियों की प्रताड़ना सहीं नहीं जा सकी। फिलहाल पति की तहरीर पर हेडमास्टर व सहायक अध्यापक पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बताते चलें कि शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जलालपुर की रहने वाली एवं सतरिख थाना क्षेत्र स्थित उधवापुर कम्पोजिट विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापिका उमा वर्मा ने स्कूल में मिल रही मानसिक प्रताड़ना से टूटकर हेडमास्टर के कार्यालय में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ शिक्षा जगत को झकझोर दिया है, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि उमा सहयोगियों के व्यवहार से खासी आहत थी और न सिर्फ उसने बल्कि पति की ओर से स्कूल से हटाए जाने की गुजारिश की जा चुकी थी पर विभाग ने अनसुनी कर दी। और तो और मानसिक रूप से प्रताड़ित, पीड़ित या सहयोगियों से परेशान कर्मियों की सुनवाई या काउंसिलिंग करने के लिए विभाग में कोई मंच भी नही। जिसके कारण ऐसे हादसे पहले भी सामने आए हैं और एक घटना और जुड़ गई। उमा वर्मा सुसाइड प्रकरण में पति ऋषि कुमार वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्य सीतावती और सहायक अध्यापक सुशील कुमार वर्मा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए त्रिस्तरीय जांच कमेटी बनाई गई है। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

उमा वर्मा।

...फी हर गलती (100 – ∞) को, सब सही मानते,
...योंकि है साथ (साथ- Support) उन पर बड़ी मैम का
...नकी गलती कभी भी, न वो देखती।
सबके कहने पे बस, मुझपे चिल्लाती है
मैंने उनसे कहा, बात करनी मुझे
पर उन्हें आजतक उसकी फुर्सत नहीं
मुझसे नजरें मिलाने की हिम्मत नहीं
बात तो दूर, अब देखती भी नहीं
इतना दुर्भाव है, सिर्फ मेरे लिए।
जिसको मैं सह रही, पिछले कुछ सालों से
कुछ भी जब मैं, किसी से न कह (17 सितम्बर...
पाती हूँ,
तब कलम ही, मेरी वाणी बन जाती है।"

शिक्षिका के वायरल स्क्रीन शॉट।

सोशल मीडिया पर उड़ेलती थी पीड़ा

उमा बच्चों को पूरे मनोयोग और ईमानदारी से पढ़ाती थी। इसका प्रमाण यह है कि छात्र-छात्राओं ने न सिर्फ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की बल्कि स्कूल के प्रोजेक्ट्स ने उच्च स्तर पर पहचान बनाई। इसी कार्य के लिए 11 नवंबर 2025 को बाराबंकी दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उमा वर्मा की प्रशंसा की थी। आरोप है कि यही उपलब्धि कुछ लोगों को खटकने लगी। ईर्ष्या और दुर्भावना के चलते प्रधानाचार्य और एक सहायक अध्यापक ने उमा वर्मा को लगातार अपमानित करना और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। रोज़-रोज़ की फटकार, ताने और दबाव ने एक संवेदनशील शिक्षिका को अंदर से तोड़ दिया। उमा वर्मा ने अपनी पीड़ा कई बार सोशल मीडिया के जरिए भी जाहिर की थी।

विराट रुद्र महायज्ञ के समापन पर भंडारा

मसौली, बाराबंकी: कस्बा मसौली स्थित बाबा रामशरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर में विराट रुद्र महायज्ञ के समापन के अवसर पर सोमवार को भंडारा का आयोजन किया गया। यज्ञ सम्राट स्वामी परमोदानंद महाराज ने यज्ञ की पूर्ण आहूति के बाद कन्या और साधु-संतों को भोजन कराया। भंडारे में महिलाएं, पुरुष और बच्चों ने पूड़ी, सब्जी और खीर का प्रसाद ग्रहण किया। मसौली, बड़ागांव, धरौली, नौबस्ता, अमदहा, नेवला करसंडा और मनियाचंदा मुजफ्फरपुर सहित आसपास के गांवों के लोग भी उपस्थित रहे। मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास सहित कई ग्रामीण इस अवसर पर मौजूद थे।

मणिकर्णिका घाट ध्वस्तीकरण के विरोध में कांग्रेस का ज्ञापन

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन व नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वाराणसी के ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को 10 जनवरी 2026 को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन ने कहा कि वर्ष 1791 में माता अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराए गए जीर्णोद्धार वाले इस ऐतिहासिक घाट को बिना विचार किए तोड़ा गया, जिससे वहां स्थापित माता अहिल्याबाई होलकर की मूर्तियां मलबे में दब गईं। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण कर माता अहिल्याबाई होलकर की मूर्तियों की पुन: स्थापना हो।

हाईवे पर पलटी डबल डेकर बस, 11 घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : हाइवे पर स्थित भाजपा कार्यालय के सामने यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही निजी डबल डेकर बस पलट गई। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार गोला बस सर्विस की यह बस रविवार शाम गोरखपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। चालक तेज रफ्तार में बस चला रहा था। रात करीब एक बजे बस चौपुला के पास एक ढाबे पर रुकी, जहां चालक-परिचालक ने भोजन किया। इसके बाद बस दोबारा रवाना हुई। लगभग दो बजे नारेपुरवा गांव स्थित भाजपा कार्यालय के पास चालक का बस से नियंत्रण हट गया और बस हाईवे किनारे पलट गई। बस पलटते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर राहगीरों की भीड़ जुटी और डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी संगम कुमार, नगर कोतवाल सुधीर कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षित यात्रियों को अन्य वाहनों से गंतव्य के लिए रवाना किया गया। हादसे में घायल यात्रियों में मोहम्मद अनीस (43) निवासी ओखला नई दिल्ली, मनोज कुमार (58) निवासी बस्ती, तबरेज आलम (27), शिवा जायसवाल (19), आमिर रजा (26) निवासी जनपद गोरखपुर, अनुरुद्ध चौधरी (30) निवासी बस्ती, प्रदीप निषाद निवासी महराजगंज, आमना निवासी नई दिल्ली, विजया सिंह (24) निवासी सीतामढ़ी बिहार तथा खेमचंद्र (33) निवासी हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

जमीन के विवाद में भिड़े दो पक्ष

मसौली, बाराबंकी: निजामपुर में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले, वहीं एक पक्ष ने युवती को पानी भरे खड्ड में फेंकने का आरोप लगाया है। घटना में महिला समेत सात लोग घायल हैं। एक पक्ष की ओर से मनोज कुमार पुत्र देशराज निवासी निजामपुर ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि 17 जनवरी की शाम गांव के ही हरिचरन, आमिर खान, मुलायम सहित करीब पांच अज्ञात लोगों ने लाठी-डंडों से उनके घर पर हमला कर दिया। इस हमले में मनोज कुमार सहित शब्बीर, जतिन, रामकिशोर, कृष्णा देवी और सरोज कुमारी को चोटें आईं।

युवक हुआ लापता, हिंदू संगठन के नेता पर आरोप

बाराबंकी, अमृत विचार: कोतवाली नगर क्षेत्र में तीन दिन पहले पूजा करने निकला एक युवक अचानक गायब हो गया। परिजनों ने हिन्दू संगठन के नेता पर अपहरण करने की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। परिजनों के मुताबिक ग्राम मंझपुरवा में शिव विहार कॉलोनी प्रेम सिंह यादव पुत्र स्वर्गीय कालिका सिंह 16 जनवरी की शाम शुगर मिल बाजार स्थित एक मंदिर में पूजा करने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लग सका। पत्नी मंजू सिंह ने पुलिस को बताया कि 9 जनवरी को मोहल्ले के ही कुलदीप मिश्रा व रमाशंकर मिश्रा तथा सत्या पंडित निवासी ढकौली से सहन की भूमि को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि विवाद के दौरान इन लोगों ने प्रेम सिंह यादव, उनके बेटे शिव सिंह यादव और भतीजे चंद्रेश कुमार यादव को जान से मारने की धमकी दी थी। कुलदीप मिश्रा द्वारा नौ दिनों के भीतर सभी को 'उठवा देने' की धमकी भी दी गई थी।

प्रेम सिंह यादव।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के 47,947 रुपये खाते में कराए गए रिफंड

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : एसएसपी के निर्देश पर साइबर अपराध के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत गंगाघाट कोतवाली की साइबर टीम ने क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के शिकार पीड़ित को पूरी धनराशि रिफंड कराई है। साइबर टीम की तत्परता से 47,947 रुपये पीड़ित के खाते में वापस जमा कराए गए। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि गांधी नगर निवासी आशीष पुत्र रामशंकर श्रीवास्तव ने 13 जनवरी को साइबर पोर्टल पर शिकायत की थी कि उनके क्रेडिट कार्ड से 47,947 रुपये की धोखाधड़ी की गई है। इसे गंभीरता से लेते हुए गंगाघाट की साइबर टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जांच व समन्वय के बाद सोमवार को फ्रॉड की गई धनराशि उसके खाते में रिफंड कराई गई।

दो पर एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर निवासी प्रियांशु गौतम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 जनवरी को वह पोनी रोड से जिम कर घर जा रहा था। तभी नाथू खेड़ा स्थित मंदिर के पास वहां के रहने वाले आशू निषाद व विजय निषाद उर्फ दरोगा ने उसे नशे में रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने गालीगलौज करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। जब प्रियांशु ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उससे मारपीट की। जिससे उसे चोटें आईं। इस पर पुलिस ने उसका मेडिकल कराकर आरोपियों के विरुद्ध मारपीट व एससीएसटी के तहत रिपोर्ट दर्ज की।

कुकर्म के प्रयास में बालक की मुंह दबाकर हत्या

बाइक से घुमाने का झांसा देकर गांव के युवक ने की करतूत, पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बरामद किया शव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: बिहार थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी 11 वर्षीय बच्चे की गांव के युवक ने कुकर्म के प्रयास में मुंह दबाकर हत्या कर शव उसी के खेत में फेंककर भाग गया। तलाश करते हुए पहुंचे परिजनों को ग्रामीणों से जानकारी मिली कि बच्चे को गांव के एक युवक की बाइक में बैठे देखा गया था। इसके बाद परिजनों की सूचना पर पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसकी निशानदेही पर खेत से शव बरामद किया। दो डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के बीच हुए पोस्टमार्टम में उसकी मुंह दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। कुकर्म किए जाने की आशंका पर स्लाइड भी बनाई गई है।

बिहार थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी कक्षा 7 का 11 वर्षीय छात्र रविवार को अपने घर के पास खेल रहा था। तभी वह अचानक लापता हो गया। देरशाम तक घर न लौटने पर तलाश करने निकले परिजनों को जानकारी मिली कि बच्चा गांव के 20 वर्षीय जयकुश उर्फ शैलेश पुत्र मनोज शुक्ला की बाइक में बैठकर घूमते देखा गया है। इस पर परिजनों ने उससे पता किया तो वह गोलमोल जबाव देकर बच्चे का एक्सीडेंट होने की बात बताने लगा। पिता की सूचना पर एसओ राहुल सिंह ने गांव पहुंचकर युवक से कड़ाई से पूछताछ की तो उसकी निशानदेही पर बच्चे का शव घर से एक किमी आगे उसी के सरसों के खेत में पड़ा मिला। एसओ की सूचना पर एसपी जयप्रकाश सिंह, प्रशिक्षु आईपीएस संचित वर्मा, सीओ बीघापुर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस की पूछताछ में प्रथम दृष्टया कुकर्म के प्रयास में किशोर की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। वहीं बेटे की मौत से उसके माता-पिता का रो-रोकर का बुरा हाल रहा। वह तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। मोर्चरी में मिले पिता ने बताया कि हत्यारोपी युवक गांव का ही है। बताया कि उसके परिवार से जमीनी विवाद को लेकर मुकदमा भी चल चुका है। सोमवार को दो डॉक्टर के पैनल में शामिल डॉ. उमर फारुक व डॉ. रोहित सिंह ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया। जिसमें मुंह दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। कुकर्म की आशंका से स्लाइड भी बनाई गई है। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि पिता की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस गिरफ्त में हत्योरोपी युवक। ● अमृत विचार

नाली में मिला लापता युवक का शव, हत्या का आरोप

संवाददाता नबाबगंज उन्नाव, अमृत विचार: अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कस्बा अजगैन स्थित मोहल्ला कुशुमहार निवासी राजेश लोधी (45) पुत्र गंगाराम लोधी का शव रविवार को संदिग्ध परिस्थिति में नाली में पड़ा मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राजेश बीते 10 दिनों से लापता था। इसकी गुमशुदगी परिजनों ने अजगैन कोतवाली में दर्ज कराई थी।

परिजनों के अनुसार राजेश लोधी 10 दिन पहले अजगैन गांव निवासी रामदत्त कुशवाहा के यहां खाना बनाने गया था। काम समाप्त होने के बाद वह घर के लिए निकला लेकिन घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की किंतु कोई सुराग न मिलने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस द्वारा लगातार उसकी खोज की जा रही थी। रविवार को कस्बा अजगैन के मोहल्ला निखउड़ा स्थित एक नाली में शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर अजगैन पुलिस पहुंची और जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी सैलेंद्री ने पति की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना से पत्नी व बच्चों रेनू (25) व आशीष (19) का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

पालिकाध्यक्ष ने डीएम से की कार्रवाई की मांग

ईंट लगने से छात्रा की मौत का मामला

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंचन नगर-ए निवासी बीएड की छात्रा समीक्षा शुक्ला की नशेबाजों द्वारा चलाई गई ईंट लगने से हुई मौत के मामले को लेकर सोमवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे एवं उनके प्रतिनिधि संदीप पांडे ने जिलाधिकारी गौरांग राठी से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर घटना को अत्यंत गंभीर, दुर्भाग्यपूर्ण एवं हृदयविदारक बताते हुए त्वरित और उदाहरणात्मक कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि 14 जनवरी को राजधानी मार्ग स्थित सर्वोदय नगर के पास कुछ असामाजिकतत्वों और शराबियों के बीच हुए आपसी विवाद के दौरान फेंकी गई ईंट से होनहार छात्रा समीक्षा शुक्ला की असमय मृत्यु हो गई। यह घटना न केवल एक निर्दोष छात्रा की जान जाने का मामला है, बल्कि नगर में कानून-व्यवस्था की गंभीर विफलता को भी उजागर करती है। सार्वजनिक मार्गों पर शराबियों और अराजक तत्वों की खुलेआम गतिविधियां आमजन के लिए खतरा बनती जा रही हैं। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि घटना के बाद पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है और औपचारिक कार्रवाई की स्थिति में नहीं है, ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने व दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

डीएम को ज्ञापन सौंपतीं पालिकाध्यक्ष व प्रतिनिधि।

तेज रफ्तार कार ने अधेड़ को मारी टक्कर, मौत

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के राजधानी मार्ग में सोमवार देर रात रफ्तार का कहर देखने को मिला। गोपीनाथपुरम के सामने फोरलेन पार कर रहे एक अज्ञात अधेड़ को 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से दौड़ रही लग्जरी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अधेड़ करीब 20 फीट हवा में उछलकर दूसरी लेन में अंबिकापुरम के सामने साइकिल ट्रैक पर जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों के होश उड़ गए।

सोमवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक कार शुक्लागंज से उन्नाव की ओर तेज रफ्तार में जा रही थी। तभी गोपीनाथपुरम के सामने सड़क पार कर रहे 55 वर्षीय अज्ञात अधेड़ को कार ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अधेड़ हवा में उछलकर उन्नाव से शुक्लागंज जाने वाली लेन के साइकिल ट्रैक पर बाउंड्री वॉल के पास जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद कार चालक उसी रफ्तार में कार लेकर फरार हो गया। दुर्घटना देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने घायल के पास पहुंचकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना गंगाघाट पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर जांच की और आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया। लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव एंबुलेंस से मर्च्युरी भिजवाया। जहां उसे 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि हादसे में शामिल कार की तलाश की जा रही है। इसके लिए घटनास्थल के आसपास और मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

मौके पर जांच करती पुलिस व मौजूद लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

● फोरलेन पर गोपीनाथ पुरम के सामने हुआ हादसा, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

स्वाद एग्रो फैक्ट्री में आग से करोड़ों का सामान राख

संवाददाता हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के ऊंचाद्वार चौराहा स्थित स्वाद एग्रो फैक्ट्री में सोमवार तड़के संदिग्ध परिस्थिति में आग लग गई। इस अग्निकांड में फैक्ट्री में रखा करोड़ों का तैयार उत्पाद व लाखों की मशीनें जलकर राख हो गई हैं। दमकल की कई गाड़ियों ने 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बता दें कि सोमवार भोरपहर 3 बजे फैक्ट्री से लपटें उठती देखी गईं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। लपटें कई किलोमीटर दूर से दिख रही थीं। फैक्ट्री में सरसों का तेल, पास्ता, मैकरोनी, दलिया, आटा, बेसन व सोया बड़ी जैसे खाद्य उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्माण होता था जो आग की भेंट चढ़ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस व दमकल टीमें पहुंची। आग की तीव्रता देख दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। करीब 5 घंटे तक चले बचाव कार्य के बाद आग को बुझाया जा सका। लेकिन तब तक फैक्ट्री में रखा करोड़ों का सामान राख के ढेर में तब्दील हो चुका था। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि कहीं करोड़ों रुपए के कर्ज से छुटकारा पाने के लिए किसी योजना के तहत तो आग नहीं लगाई गई। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं हुई।

हनुमान जी के चित्र की पंतग उड़ाने पर नाराजगी

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ व शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि अहमदाबाद में आयोजित पतंग महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जी की आकृति वाली पतंग उड़ाकर करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई है। कांग्रेसियों ने कलक्ट्रेट जाकर डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति व राज्यपाल को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। हालांकि पुलिस व प्रशासन ने उन्हें पार्टी कार्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया। गहमागहमी के बीच एसडीएम क्षितिज द्विवेदी ने वहां पहुंचकर ज्ञापन लिया।

एसडीएम क्षितिज द्विवेदी को ज्ञापन देते कांग्रेस के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● प्रदर्शन कर राष्ट्रपति का संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा प्रधानमंत्री पतंग महोत्सव के नाम पर भगवान को हवा में उड़ाकर आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर अध्यक्ष फैज फारुकी ने 10 जनवरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बनारस में अहिल्या बाई होल्कर की ऐतिहासिक मूर्तियों को ध्वस्त कर मलबे में फेंक दिया गया जो निंदनीय है। उन्होंने इस विषय में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

पोनी रोड में लाइन शिफ्टिंग से पांच घंटे गुल रही बिजली

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : पोनी रोड चौड़ीकरण कार्य के चलते सोमवार को पूर्व से स्थापित 33 केवी त्रिभुवनखेड़ा लाइन की शिफ्टिंग कराई गई। इसके चलते गंगाघाट टाउन व त्रिभुवनखेड़ा सब स्टेशन से जुड़ी विद्युत आपूर्ति करीब 5 घंटे ठप रही। इससे हजारों घरों की बिजली गुल हो गई। सोमवार दोपहर 12 बजे विद्युत विभाग द्वारा गंगाघाट टाउन व त्रिभुवनखेड़ा सब स्टेशन को बंद कर शिफ्टिंग कार्य शुरू किया गया। इस दौरान पश्चिमी गंगाघाट, पोनी रोड के विभिन्न मोहल्लों व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रही। घंटों बिजली न होने से घरों में लगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शोपीस बने रहे। उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। शाम करीब 5 बजे 33 केवी लाइन शिफ्टिंग का कार्य पूरा होने पर दोनों फीडरों से आपूर्ति बहाल की गई।

रिया ने नेशनल पावर लिफ्टिंग में जीता स्वर्ण

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : जिले की होनहार खिलाड़ी रिया ने एक बार फिर खेल जगत में जिले का मान बढ़ाया है। हरियाणा के सोनीपत में आयोजित इंडिया कप नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में रिया ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जिले का खाता खोला है। नेचुरल स्ट्रांग पावर लिफ्टिंग फेडरेशन (जीपीसी इंडिया) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अनवार नगर निवासी रिया ने 18 वर्षीय बालिका वर्ग के 50 किलो भार कैटेगरी में हिस्सा लिया। उन्होंने 100 किलो की डेडलिफ्ट लगाकर प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ते हुए पोडियम पर पहला स्थान पाया। इससे पहले भी रिया राज्य स्तर पर कई स्वर्ण व रजत पदक जीत चुकी हैं। एक बेहतरीन वेटलिफ्टर होने के बावजूद आर्थिक तंगी उनके सपनों में बाधा बन रही थी। ऐसे में कोच संदीप यादव ने उनकी प्रतिभा पहचानी और उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षित किया।

स्वर्ण पदक के साथ रिया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का शुभारंभ

उन्नाव, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित 5 दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का सोमवार को शुभारंभ हुआ। इसमें डायट में पढ़ने वाले डीएलएड के छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुईं। डायट प्राचार्या अमिता सिंह ने पहले दिन स्काउट गाइड फ्लैग प्रोसीजर के माध्यम से स्काउट ध्वज फहराया। स्काउट की 8 टोली व गाइड की 10 टोली बनाई गईं। स्काउट दल नायक हर्ष कुमार व दल नायिका तृप्ति द्विवेदी को चुना गया। इस दौरान लीडर ट्रेनर सुमन किशोर तिवारी, लीडर ट्रेनर दिनेश यादव, सहायक लीडर ट्रेनर अलोपी शंकर मिश्र, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड नीता सिंह, प्रभारी बृजेश यादव, अमित राय आदि रहे। संचालन रोवर स्काउट लीडर भरत कुमार ने किया।

टोली बनाते डायट प्राचार्या अमिता सिंह।

ऑपरेशन रक्षा के तहत होटलों का हुआ निरीक्षण

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : जिले में बाल दुर्व्यापार व बाल श्रम की रोकथाम के लिए ऑपरेशन रक्षा अभियान के तहत सोमवार को आजाद मार्ग और मरहला चौराहा क्षेत्र में सघन निरीक्षण किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश व सीडीओ के मार्गदर्शन में एएचटी व चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने क्षेत्र के होटलों का निरीक्षण किया। इस दौरान होटल संचालकों को बाल अधिकारों की सुरक्षा, बाल श्रम एवं बाल दुर्व्यापार से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। टीम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान में बच्चों से संबंधित कोई अनियमितता या कानून उल्लंघन पाया गया, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में जागरूकता बढ़ाना रहा। संयुक्त टीम में एएचटी उन्नाव के एसएचओ श्याम नारायण, उपनिरीक्षक दशरथ, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रो. कोऑर्डिनेटर दिवाकर ओझा, महिला आरक्षी मीनू एवं केस वर्कर अम्बरीष शामिल रहे। प्रशासन ने ऐसे अभियानों को आगे भी जारी रखने की बात कही।

नवीन पुल से फोरलेन तक लगा जाम

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: सोमवार सुबह पीकऑवर के दौरान कानपुर की ओर वाहनों का दबाव बढ़ने से कानपुर-शुक्लागंज मार्ग पर भीषण जाम लग गया। नवीन पुल से शुक्लागंज के फोरलेन तक वाहनों की कतारें लग गईं। करीब दो घंटे तक चले जाम में हजारों वाहन सवार फंसे रहे। जिसके कारण ड्यूटी जा रहे कार्यालय कर्मी और स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं घंटों देरी से गंतव्य पर पहुंच सके।

बताया गया कि सोमवार से सर्दी की छुट्टियां समाप्त होने के बाद कानपुर के स्कूल पुनः खुल गए थे। इसके चलते सुबह से ही सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ गया। करीब नौ बजे दोपहिया, चौपहिया, टेंपो, ई-रिक्शा, साइकिल, लोडर समेत अन्य वाहनों की संख्या अचानक बढ़ने से जाम की स्थिति बन गई। जाम की सूचना पर नवीन पुल पर तैनात पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला और एक-एक कर वाहनों को निकलवाने का प्रयास किया। जाम हटवाने के लिए करीब दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी मशक्कत करते रहे, लेकिन वाहनों का अत्यधिक भार होने के कारण जाम लंबे समय तक नहीं खुल सका। इस दौरान मरीजों को लेकर जा रही एम्बुलेंस भी जाम में फंसी रहीं।

फोरलेन पर जाम में लगी वाहनों की कतार। ● अमृत विचार

● जाम में छात्र, ड्यूटी जाने वालों के अलावा फंसी रही एम्बुलेंस

दीक्षा के खेल से निम्मी अरोड़ा इलेवन जीता

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय महिला क्रिकेट सीरीज के दूसरे मुकाबले में सोमवार को निम्मी अरोड़ा इलेवन ने ममता राठी इलेवन को 5 विकेट से शिकस्त दी। मैच की स्टार खिलाड़ी दीक्षा पांडे रहीं। जिन्होंने अपनी फिरकी के जाल में विपक्षी टीम को पूरी तरह उलझा दिया।

शुक्लागंज के रामकली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में निम्मी अरोड़ा इलेवन की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। दीक्षा पांडे ने सधी गेंदबाजी करते हुए ममता राठी इलेवन की कमर तोड़ दी। दीक्षा ने शानदार स्पेल डालते हुए मात्र 7 रन देकर 6 विकेट चटकाए। ममता राठी इलेवन की पूरी टीम 25 ओवर के मैच में मात्र 17 ओवरों में 86 रनों पर सिमट गई। टीम की ओर से कप्तान नेहा ने नाबाद 23 व शिवि सिंह ने 18 रन बनाए। गेंदबाजी में निम्मी अरोड़ा इलेवन की सुष्मिता व वर्षा को भी एक-एक सफलता मिली। 87 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी निम्मी अरोड़ा इलेवन ने 16 ओवरों में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच का उद्घाटन समाजसेवी ममता राठी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करतीं समाजसेविका ममता राठी।

● जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय महिला क्रिकेट सीरीज का दूसरा मैच

आयोजन

कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में हुई प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

डीएम का कल्याणी नदी के जीर्णोद्धार व ऊसर सुधार पर जोर

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें डीएम गौरांग राठी ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने व किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से निर्देश जारी किए। इस दौरान उप कृषि निदेशक रवि चन्द्र प्रकाश ने बताया कि योजना के तहत 11 विभागों की 36 योजनाओं को शामिल कर एक विस्तृत 5 वर्षीय कार्ययोजना तैयार की गई है।

सीडीओ कृतिराज ने किसानों के आर्थिक लाभ के लिए सुझाव दिया कि स्थानीय उत्पादों को चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के मेस व जिले के मॉल में सीधे आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। डीएम ने भूमि संरक्षण विभाग को निर्देश दिया कि बीते 10 वर्षों में जिले में किए गए ऊसर सुधार कार्यों का डेटा खंगाले। कहा कि इसके आधार पर नई कार्ययोजना तैयार कर ऊसर भूमि को खेती योग्य बनाएं ताकि कृषि क्षेत्र का विस्तार हो सके। किसानों की सिंचाई समस्या को देखते हुए डीएम ने कल्याणी नदी के जीर्णोद्धार व वहां डैम बनाकर पानी उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर जरूरी कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा कन्वर्जेंस के जरिए ग्राम पंचायतों के तालाबों का कायाकल्प कर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की बात कही। 1 हेक्टेयर से अधिक के मत्स्य पालकों के लिए विशेष कैंप लगाकर केसीसी कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आधुनिक खेती पर जोर देते हुए ड्रोन दीदी के प्रशिक्षण व कृषि विज्ञान केंद्र धौरा में नई मृदा परीक्षण लैब की स्थापना पर भी चर्चा हुई। डीएम ने स्पष्ट किया कि मृदा परीक्षण के आधार पर ही किसान खाद का प्रयोग करें। इससे लागत कम और पैदावार अधिक हो।

बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र धौरा की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, जिला कृषि अधिकारी शंशाक, जिला उद्यान अधिकारी सुरेन्द्र राम भाष्कर, नाबार्ड डीडीएम सुमित कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

बैठक में मातहतों को निर्देशित करते डीएम गौरांग राठी। ● अमृत विचार

नेताजी की जयंती पर होगा 'ब्लैक आउट'

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आगामी 23 जनवरी को जिले में बड़े स्तर पर ब्लैक आउट व मॉक ड्रिल का आयोजन होगा। कलक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

इसमें डीएम ने निर्देश दिए कि आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त न होगी। डीएम ने बताया कि 23 जनवरी को शाम 6 बजे पुलिस लाइन में मुख्य मॉकड्रिल होगी। इसकी शुरुआत सायरन बजाकर की जाएगी। जो नागरिकों के लिए चेतावनी का संकेत होगा। इस दौरान करीब 15 से 20 मिनट के लिए संबंधित क्षेत्रों की रोड लाइटें बंद कर दी जाएंगी। प्रशासन ने आमजन व व्यापारियों से अपील की कि वे सुरक्षा अभ्यास के समर्थन में अपने घरों व दुकानों की लाइटें बंद रखें। इस दौरान नागरिक सुरक्षा व आपदा मित्र लोगों को बचाव के तरीके बताएंगे। पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन व विद्युत विभाग आपसी समन्वय का प्रदर्शन करेंगे। विद्युत विभाग को रोड लाइटें बंद करने व स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस व अन्य सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कलक्ट्रेट में स्वयं सेवकों के साथ डीएम गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● 23 जनवरी को शाम 6 बजे गुम होगी रोशनी

न्यूज ब्रीफ

दो दिन पूर्व मिले वृद्ध के शव की हुई शिनाख्त

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। शनिवार को कोतवाली क्षेत्र के जमलदीपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास प्लॉट में मिले वृद्ध के शव की शिनाख्त सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव मगरवारा निवासी हुसैना के रूप में हुई है। हुसैना कई दिनों से लापता था। उसके बेटे इखलाख ने 5 जनवरी को सदर कोतवाली में पिता की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शव मिलने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने पर गांव मगरवारा निवासी इखलाख जिला अस्पताल पहुंचा। जहां उसने शव की पहचान अपने पिता हुसैना के रूप में की। उसने बताया कि पिता मानसिक विक्षिप्त थे और कई दिन पूर्व घर से लापता हो गए थे। शिनाख्त के बाद पुलिस ने कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

घरेलू कलह में फंदे से लटका युवक, रेफर

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के गांव रबड़ी निवासी राकेश के 23 वर्षीय बेटे रजनीश ने सोमवार शाम घरेलू कलह के चलते चादर का फंदा बनाकर पेड़ की डाल के सहारे फांसी लगा ली। तभी अचानक उस पर परिजनों की निगाह पड़ी तो उन्होंने आनन-फानन उसे नीचे उतारा और फंदा काटकर भाई सुभाष उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताते हैं कि रजनीश के पिता की मौत हो चुकी है। वह अक्सर शराब पीता था।

40 दिन बाद दोबारा हुआ शव का पोस्टमार्टम

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली अंतर्गत कांशीराम कालोनी में बीती 1 दिसंबर को युवक का शव फंदे से लटका मिला था। पीएम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई थी। लेकिन मां व बहन के पिटाई से मौत होने के आरोप के चलते डीएम के निर्देश पर सोमवार को कब्र से शव निकलवाकर पुनः पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें पैनल में शामिल तीनों डॉक्टरों कोई हड्डी टूटी नहीं मिली।

विद्यारंभ संस्कार से शुरू होगी नए सत्र के विद्यार्थियों की शिक्षा

सरस्वती शिशु मंदिर पिहानी शाखा की पहल, दो महीने की फीस भी माफ

संवाददाता, हरदोई

विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम में नमन करते बच्चे। अमृम विचार

अमृत विचार। सरस्वती शिशु मंदिर पिहानी शाखा ने एक नई मुहिम चलाकर नए सत्र के दो सैकड़ा बच्चों में विद्यारंभ संस्कार कराकर सभ्यता व संस्कार देने का काम करने जा रहा है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या बिंदु सिंह व कार्यालय प्रभारी समीर बाजपेई ने बताया कि 23 जनवरी को नए सत्र के नन्हे-मुन्ने बच्चे गायत्री प्रज्ञा पीठ पहुंचकर विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके बाद नगर के प्रमुख मार्गों पर प्रभात फेरी निकलेंगे। सारे कार्यक्रम गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के व्यवस्थापक देवेंद्र मिश्रा व सहयोगी व्यवस्थापक रजनीश मिश्रा की ओर से संपन्न कराए जाएंगे। विद्यालय की प्रबंध समिति ने यह बताया कि नये सत्र के बच्चों की 2 महीने की फीस भी माफ की जाएगी। हिंदू समाज के सोलह संस्कारों में से एक विद्यारंभ संस्कार में नर्सरी के बच्चों को विद्या आरंभ करने से पूर्व विद्या का महत्व बताया जायेगा। प्रधानाचार्या बिन्दू बच्चों के मस्तक पर चंदन का तिलक सुशोभित कर ज्ञानार्जन को प्रेरित करेगी साथ ही बच्चों के हाथों में पहली बार पेंसिल पकड़ाकर लिखने का ढंग बताया जायेगा। बच्चों का मिठाई खिलाकर विद्या अध्ययन की शुरुआत कराई जाएगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से विद्या भारती की स्थापना हुई, जिसके तहत संचालित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय न केवल शैक्षणिक शिक्षा देते हैं, बल्कि संस्कार एवं देशभक्ति की शिक्षा भी प्रदान करते हैं। शिक्षा ही समाज में समानता लाती है।

बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : यशवंत सिंह

पुरस्कृत प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि तहसीलदार व बीईओ। अमृत विचार

बिलग्राम, संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में हमारा आंगन, हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि तहसीलदार यशवंत सिंह ने कहा कि निपुण भारत मिशन जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित जिम्मेदारों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। आंगनबाड़ी स्टाफ, शिक्षक, विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं अभिभावक मिलकर इस दिशा में सार्थक प्रयास सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी बिलग्राम गिरिजेश कटियार ने कहा कि छोटे बच्चों को शिक्षित करने की जितनी जिम्मेदारी आंगनबाड़ी स्टाफ और शिक्षकों की है, उतनी ही जिम्मेदारी अभिभावकों की भी है कि वे बच्चों के नामांकन एवं नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शकील अहमद, धर्मेन्द्र सिंह यादव, बृजमोहन सिंह, आरपी आशीष तिवारी, अनिल तिवारी, अरविंद यादव, परितोष कश्यप, गौरव सिंह, राहुल श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, विनीत पाल, बदले कुमार, विनय, उमेश चंद्र यादव, अकील अहमद आदि शिक्षक मौजूद रहे।

मोपेड सवार शिक्षा मित्र की हादसे में मौत

हरदोई, अमृत विचार। ड्यूटी से वापस लौट रहे मोपेट सवार शिक्षा मित्र को तेज़ रफ्तार गाड़ी ने ज़ोरदार टक्कर मार दी, जिससे वहीं पर मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्ज़े में लिया, उसके काफी देर बाद उसकी शिनाख्त हो सकी। इस तरह का हादसा साण्डी थाने के चचरापुर में ईंट-भट्ठे के सामने होना बताया गया है। सोमवार की देर शाम को साण्डी थाने के चचरापुर ईंट-भट्ठे के सामने तेज़ रफ्तार गाड़ी ने मोपेड सवार अधेड़ को ज़ोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी वहीं पर मौत हो गई। कोतवाली शहर के मोहल्ला खंजन पुरवा निवासी चेतन मिश्रा ने शव की शिनाख्त अपने पिता रजनीश चन्द्र (54) के रूप में की।

बैंक से 4.93 लाख के फर्जी ई-लोन से हुई धोखाधड़ी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। फर्ज़ी तरीके से बैंक से कारोबारी के खाते से ई-लोन करा कर 4 लाख 93 हज़ार 310 रुपये की धोखाधड़ी का तब पता चला, जब उस बारे में कारोबारी के मोबाइल पर बैंक से एसएमएस आया। इस मामले में पुलिस ने दी तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरु कर दी है।

जैसा कि कोतवाली शहर के रेलवे गंज निवासी कारोबारी शुभम अग्रवाल पुत्र विनोद कुमार अग्रवाल ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उनका एचडीएफसी बैंक की सिनेमा चौराहा शाखा में खाता है, 17 दिसंबर 2025 को बैंक से आए एसएमएस से पता चला कि उनके नाम से 4 लाख, 93 हज़ार, 310 रुपये का ई-लोन हुआ है, उसी दिन बैंक से एपीके ई-चालान फाइल भी आई, जबकि उन्होने कोई ई-लोन नहीं कराया, इस बारे में शुभम अग्रवाल ने 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई, उसी बीच खाते से 4 लाख, 98 हज़ार का भुगतान भी हो गया। कारोबारी के मुताबिक पुलिस तक बात पहुंचने से पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। कोतवाली शहर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की और एसआई शिवगोपाल को जांच सौंपी गई है।

भतीजों की पिटाई से घायल चाचा की दम घुटने से नहीं, सदमे से हुई थी मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार। प्रधान प्रतिनिधि और उसके भाई पर आरोप है कि उन्होने फर्ज़ी वोट की शिकायत की जांच करने पहुंची राजस्व टीम के सामने न सिर्फ बवाल करते हुए कानूनगो व लेखपाल के हाथ से मतदाता सूची छीन कर फाड़ दी, बल्कि घर पहुंच कर अपने सगे चाचा को पीट-पीट कर मार डाला, लेकिन सोमवार को डाक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया, जिसकी रिपोर्ट में 'काज़ आफ डेथ' 'हार्ड अटैक' आया, लेकिन कुछ ज़ाहिरा चोंटे भी सामने आई है। रिपोर्ट के इस खुलासे ने साफ कर दिया कि भतीजों से पिटने का सदमा चाचा को बर्दाश्त नहीं हुआ और हार्टअटैक से मौत हो गई।

राजस्व टीम रविवार को हरपालपुर थाने के अर्जुनपुर के जूनियर हाई स्कूल में मतदाता सूची में काटे गए वोटो की जांच कर रही थी। आरोप है कि उसी बीच प्रधान प्रतिनिधि श्यामेन्द्र सिंह अपने भाई रामेंद्र सिंह के साथ वहां पहुंचे और वहां मौजूद कानूनगो राजेश शुक्ला व लेखपाल के हाथ से मतदाता सूची छीन कर फाड़ दी। फर्ज़ी वोट की शिकायत प्रधान प्रतिनिधि के चचेरे भाई अरविंद सिंह पुत्र अशोक सिंह ने की थी। अरविंद सिंह ने बताया कि उसके चचेरे भाई मारने के लिए दौड़े, लेकिन वह वर्षीय पिता अशोक सिंह को गाली-गलौज करने लगे, उसी का विरोध करने पर उनकी लात-घूंसें और लाठी-डंडों से पिटाई कर अधमरा कर दिया, जैसे-तैसे उन्हे सीएचसी हरपालपुर पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही मौत हो गई। सोमवार को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में 'हार्टअटैक' से मौत होने की बात कही गई है। साथ ही होंठ और चेहरे पर चोंटे मिली हैं।

मुकदमा दर्ज कर ट्रैक्टर चालक की तलाश तेज

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। गोपामऊ रोड पर कर्बला तालाब के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत और एक गंभीर रूप से घायल हो गया था, मामले में दूसरे दिन पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह हादसा रविवार की सुबह हुआ था, जिसमें बाइक सवार पुरवा हफीजुद्दीनपुर निवासी राजेश पुत्र आशाराम की मौत हो गई थी।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम SAMIRA FOUFIQ से बदल कर SAMIRA TAUFIQ रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O: MOHAMMED RAIS R/O: 115/4] BAGH MUNNA, GHASIYARI MANDI, KAISERBAGH, LUCKNOW

सूचना

मैं MOHD MOHSIN पुत्र MOHD ISHA, निवासी ग्राम खण्ड पिपरा, पो0–शुजागंज, अयोध्या, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MO- MOHSIN S/O MO ISHA रख लिया है, अतः आज से मुझे MO MOHSIN S/O MO- ISHA के नाम से जान पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैंने अपना नाम ASHISH S/O OM KANT से बदल कर अपना नाम ASHISH RAWAT S/O OM KANT RAWAT कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **आशीष रावत पुत्र ओम कांत रावत निवासी म०नं०– 317/3 बी ब्लॉक विष्णु नगर पनकी, पंकबहादुर नगर , पनकी, गंगा गंज, कानपुर नगर उ० प्र०**

सूचना

मैंने अपना नाम MOHD SHARIQ RAZA से बदल कर MOHD SHARIQ रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: MOHD SHAFEEQ R/O: 543, CHINHAT, MALLOR STATION ROAD, LUCKNOW

सूचना

मेरे आधार कार्ड नंबर 546210395761 में मेरा नाम शिवानी देवी है जबकि हाईस्कूल के अंकपत्र व प्रमाण पत्र में केएम शिवानी लिखा है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं। अतः मुझे शिवानी देवी के स्थान पर केएम (KM) शिवानी के नाम से जाना जाए और यही नाम सही है। **शिवानी पुत्री मलिखान सिंह, निवासी डाकबंगला रोड, सरायमीरा– कन्नौज।**

NOTICE

I NITIN SAXENA (F/O OJAS), R/O.D-1/37, SEC-F, JANKIPURAM, LUCKNOW, U.P CHANGE MY MINOR SON NAME AS OJAS TO OJAS SAXENA, FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सूचना

मैने अपना नाम MIRZA FAARHAN AUZIL BASH से बदलकर MOHAMMAD FARHAN HUSAIN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-MIRZA JAYER HUSAIN ADD-450/128 QAISER COTTAGE MUFTIGANJ POST-CHOWK DIST-LUCKNOW-226003(U.P.)

सूचना

मै **आमीन पुत्र श्री नन्हे नि०-ग्राम-रहुला, पो० तह०-बिलग्राम हरदोई,** मेरे पुत्र मो0 आमिल के विद्यालयी अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम मो0 आमिल अंकित हो गया है जो कि गलत है जबकि उसका सही नाम आमिल मंसूरी है जो आधार कार्ड में भी संशोधन उपरांत सही दर्शाया गया है। अतः पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में उसका सही नाम मो0 आमिल के स्थान पर वास्तविक नाम आमिल मंसूरी दर्ज किया जाये।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं RAMESH YADAV से RAMESH KUMAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना व पहचाना जाए। पुत्र JAGESHWAR YADAV निवासी 826 धनुवा सांड भदेसर लखनऊ का रहने वाला हूं।

सार्वजनिक घोषणा

यह सार्वजनिक रूप से घोषित किया जाता है कि श्री सत्येन्द्र पाण्डेय (वर्तमान स्वामी) की संपत्ति की चेन से संबंधित बिक्री विलेख दिनांक 06/08/2013 (लवकेश → शशि श्रीवास्तव), उप–निबंधक–III, लखनऊ, बुक 1, जिल्द 10020, पृष्ठ 89–108, क्रमांक 6084, प्लॉट 9 व 10 (आंशिक), खसरा 554, ग्राम सुगामऊ, लखनऊ से संबंधित, गुम हो गई है।
ई–एफआईआर संदर्भ सं.–
20260000075752
आपत्ति हो तो 15 दिवस में सूचित करें।

सूचना

मेरा नाम पहले जमाल अहमद था जबकि मेरा वास्तविक नाम जमाल अहमद सिद्दीकी है जो कि मेरे आधारकार्ड में भी अंकित है। मुझे जमाल अहमद सिद्दीकी के नाम से ही जाना पहचाना जाये। **जमाल अहमद सिद्दीकी पुत्र मुशीर अहमद सिद्दीकी, 1/7-के, मतीन पुरवा खुर्रम नगर लखनऊ (उ०प्र०)**

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर हुआ समरसता व खिचड़ी भोज

फतेहपुर चौरासी उन्नाव, अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर संघ द्वारा देश भर में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को संघ कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के गांव पटौली स्थित एक गेस्ट हाउस में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ सुन्दर कांड पाठ से किया गया। कार्यक्रम के तहत समरसता भोज/खिचड़ी भोज का भी आयोजन किया गया। मुख्य रूप से बिखरे पड़े हिंदू समाज को एकत्र करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर वक्ताओं ने हिंदू समाज के लोगों के धार्मिक व बौद्धिक ज्ञान दिया। सम्मेलन को क्षेत्र सह प्रचार प्रमुख मनोज कान्त, धर्माचार्य विश्वहिंदू परिषद राधेश्याम अवस्थी, अनन्या पटेल आदि ने संबोधित किया। इस दौरान संघ के जिला प्रचारक देवेन्द्र, सह जिला कार्यवाह भरत, जिला संपर्क प्रमुख आशुतोष, खंड कार्यवाह रागेश, खंड प्रचारक रत्नेश, सह खंड संघ चालक धर्मेंद्र, अमित कुशवाहा, देवेंद्र, अहिवरन, नितिन, अनुराग पांडेय, कुशेहर, रोहित सिंह, सुजीत मौर्य, प्रियांशु, अनुज, नारेंद्र, गोविंद आदि रहे।

पिता-पुत्र के हमले में महिला गंभीर

औरास उन्नाव। ससुराल न जाने को लेकर विवाहिता से विवाद हुआ जिसमें पिता पुत्र ने मिलकर विवाहिता पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। विवाहिता के भाई ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया, जहां उपचार के बाद गंभीर अवस्था देखते हुए लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। औरास थाना क्षेत्र के कस्बा में अस्पताल के पास हरिश्चंद्र की 22 वर्षीय बेटी लक्ष्मी जिसकी शादी टियर में हुई थी और वह ससुराल नहीं जा रही थी और काफी समय से मायके में थी और लगभग एक महीने के लिए वह लखनऊ में कहीं रह रही थी। ससुराल न जाने को लेकर विवाहिता के पिता व भाई जंग बहादुर ने पूछा तो आपस में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई जिसको लेकर पिता पुत्र ने विवाहिता पर हमला बोलकर घायल कर दिया घायल अवस्था में विवाहिता का छोटा भाई ओम पास में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। थाना प्रभारी संजीव कुमार कुशवाहा से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने पर उपरोक्त लोगों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सूचना

मैं **अमरेश कुमार पुत्र गोकरन निवासी ग्रा. बरस पो. मधुकरपुर परगना व तहसील डलमऊ, जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मेरे पुत्र केशव का नाम त्रुटिवश आधार कार्ड में अंशु लिखा गया है, जबकि अन्य दस्तावेजों में सही नाम केशव ही दर्ज है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। आधार कार्ड में केशव अंकित होना है।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली

पत्रांक: /के0जी0बी0बी0/997–1001/2025–26 दिनांक: 19.01.2026

सूचना

शासनादेश संख्या–1553/68–5/2020 दिनांक 11 दिसम्बर 2020 एवं निदेशक राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक–के0जी0बी0वी0/शिक्षक / 1837/2024–25 दिनाँक 30.05.2024 द्वारा दिए गए निर्देशों के कम में जनपद रायबरेली के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में अस्थाई रूप से सृजित संविदा आधारित शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों की नियुक्ति हेतु इच्छुक, अर्ह, योग्य महिला अभ्यर्थियों से पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रायबरेली में निर्धारित प्रारूप पर निर्धारित शर्तो के अधीन आवदेन पत्र आंमत्रित किये गये थे। आवदेन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 22.12.2025 की सायं 05:00 बजे तक थी। प्राप्त आवेदन पत्रों से पात्र अभ्यर्थियों (पूर्णकालिक व अंशकालिक शिक्षिका एवं लेखाकार) की काउंसलिंग दिनांक 23.01.2026 व साक्षात्कार हेतु पात्र अभ्यर्थियों (सहायक रसोइया, चौकीदार व चपरासी) को 28.01.2026 को कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायबरेली में प्रातः 11:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित होगी। समस्त अभ्यर्थी काउंसलिंग मे अपने समस्त मूल अभिलेखों सहित उपस्थित होंगे।
काउंसलिंग एवं साक्षात्कार हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची जनपद रायबरेली के एन0आई0सी0 की वेबसाइड–http://raebareli.nic.in व कार्यालय के सूचना तट पर उपलब्ध है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
रायबरेली

कार ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, वृद्धा की मौत, तीन घायल

मृतका बुधाना की फाइल फोटो।

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। कस्बे के मुख्यमार्ग पर माया पैलेस के पास सोमवार को कार ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। इसमें ई-रिक्शा सवार एक वृद्ध महिला की मौत है गई। जबकि उसकी नातिन सहित 5 लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां 3 गंभीर घायलों को डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के कस्बा ऊगू निवासी रोहित (25) पुत्र छोटेलाल ई-रिक्शा चलाकर परिवार पालता है। सोमवार को वह सवारियां लेकर सफीपुर आया था। शाम को सवारियां लेकर ऊगू के जा रहा था। कस्बे के माया पैलेस के पास पीछे से आई कार ई-रिक्शा में टक्कर मारकर बांगरमऊ की ओर भाग निकली। इसमें ई-रिक्शा सवार बुधाना (60) पत्नी बहादुर निवासी सालेहपुर पुरवा, उसकी 16 वर्षीय नातिन सुनैना, सूरजमुखी (60) पत्नी संत कुमार, संत कुमार (62), मधु (25) सहित चालक रोहित घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टर ने बुधाना को मृत घोषित कर दिया। जबकि सूरजमुखी, रोहित व संत कुमार का गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। महिला की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाली कार का पता लगाकर कार्यवाही की जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction Catalogue No./Lot No.	BSB-SMU-26
Description of Work	Allotment of catering Stall at BSB Station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
Catalogue Published on	16.01.2026
Auction Start (All Lots)	02.02.2026 at 13:30 hrs.
Auction closed Date/Time	02.02.2026 at 13:30 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:-

Sn	Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	Varanasi Cantt. (BSB)	Catg-LKO-BSB-SMU-109-25-1	BSB/PF-10&11/214	02-02-2026 at 13:30 hrs	SMU	SC(WOMEN)

196/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सोलर पैनल लगवाकर बिजली बिल से पा सकते हैं राहत : रामजी गुप्ता

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

उद्घाटन के दौरान मौजूद चेयरमैन रामजी गुप्ता व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर के नानामऊ मार्ग स्थित आराध्या इंटरप्राइजेज का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष रामजी गुप्ता ने फीता काटकर किया। इसमें उन्होंने प्रतिष्ठान संचालक राहुल सैनी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे संस्थान नगर के विकास व रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चेयरमैन ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में बताया कि इस योजना के माध्यम से आम नागरिक सोलर पैनल लगवाकर बिजली बिल से राहत पा सकते हैं। बताया कि सोलर पैनल लगवाने के लिए सभी बैंक शाखाएं फाइनेंस भी कर रही हैं। उन्होंने सोलर ऊर्जा को पर्यावरण के अनुकूल बताते हुए कहा कि इससे न केवल बिजली की बचत होती है बल्कि प्रदूषण भी कम होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऊर्जा संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और अनावश्यक बिजली खर्च से बचें। इस दौरान पूर्व पालिका उपाध्यक्ष सुधीर मिश्रा सद्धू, जितेंद्र गुप्ता व सभासद वीरपाल आदि मौजूद रहे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.)। पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट: www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/ नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड/ फ्लैट संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्ति कर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से आवेदक के सम्बंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1	स्व0 स्नेहलता द्विवेदी	भवन संख्या– L-2/850	विनय खण्ड गोमती नगर	17.05.2019	श्री वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी श्री आशीष द्विवेदी श्रीमती कणिका द्विवेदी	उत्तराधिकार के आधार पर	पति पुत्र पुत्री–वि0
2	आवंटी/मृतक श्री महेन्द्र सिंह कार्की	भवन संख्या– एम–3/788 सेक्टर–एच	कानपुर रोड	18.08.2016	श्रीमती चन्द्रप्रभा कार्की	श्रीमती रूचि नेगी श्रीमती रितु भंडारी श्रीमती नितू कार्की सोती	मृतक की विवाहित पुत्री
3	स्व0 पुष्पा त्रिवेदी	भवन संख्या–SSE-94 सेक्टर–जी	जानकीपुरम योजना, लखनऊ	25.10.2024	1. श्रीमती कामिनी मिश्रा (विवाहित पुत्री)	1. श्री सहदेव प्रसाद त्रिवेदी–पति 2. श्रीमती कुसुम शुक्ला (विवाहित पुत्री)	पत्नी/पुत्र
4	आवंटी/मृतक श्री राम प्रताप कश्यप	भूखण्ड संख्या– 6/119	बालू अड्डा	30.11.2024	श्री प्रदीप कुमार कश्यप	श्रीमती बसंती देवी	मृतक की पत्नी
5	स्व0 श्री भगत सिंह	भूखण्ड संख्या– E-26	ट्रांसपोर्ट नगर योजना, फेज–II	06.05.2025	1. श्री कुलदीप सिंह, 2. श्रीमती गुरमीत कौर, 3. श्री इशदीप सिंह, 4. श्री नमन छाबड़ा	–	पुत्र– 52 पुत्रवधू–47 पौत्र–26, पौत्र–24

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र और प्रमाणपत्र जिसका अनुक्रमांक 5235727 वर्ष 2014 और इंटरमीडिएट का अंकपत्र और प्रमाणपत्र जिसका अनुक्रमांक 5667592 वर्ष 2016 है। वास्तव में कही खो गई है। **सुमित कुमार पुत्र दिनेश कुमार प्लाट नं. 1 सी शालीमार गार्डन 1 आई आई एम रोड, भिठौली खुर्द नियर आई आई एम तिराहा लखनऊ।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स, शुभ शक्ति फूड इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, ग्राम–अलीनगर, करौंदा, कुर्सी, तहसील–फतेहपुर, जनपद–बाराबंकी (उ0प्र0) की शीतगृह मूल लाइसेंस पुस्तिका कहीं खो गयी है। यदि भविष्य में कोई भी मूल लाइसेंस पुस्तिका का प्रयोग करता है, तो अवैध होगा। **भवदीय –(अनिल कुमार शर्मा) शीतगृह स्वामी, शुभ शक्ति फूड इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, ग्राम–अलीनगर, करौंदा, कुर्सी, तहसील– फतेहपुर, बाराबंकी। मोबाइल नं0– 9451368525**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पुत्र रिंकू कश्यप व उनकी पत्नी चांदनी का चाल चलन सही नहीं है। दोनों लोग आये दिन मेरे साथ परिवार के अन्य सदस्यों को गाली देते हुए मार पीट कर प्रताड़ित कर रहे हैं। जिससे तंग आकर मै अपनी चल अंचल सम्पति से रिंकू व चांदनी को बेदखल करता हूं। आज के बाद दोनों लोग अपने कृत्य के स्वयं जिम्मेदार होंगे।
बनारसी पुत्र नकछेद ग्राम बबुरास थाना व वि.खं. करनैलगंज गोंडा।

सूचना

मै **ज्योति वर्मा पुत्री राजेन्द्र प्रसाद निवासिनी नौबस्ता, ज्योरी जनपद बाराबंकी उ0प्र0,** मेरी लाइफ इन्श्योरेन्स पालिसी पर मेरा नाम त्रुटिवश (ARADHANA VERMA) अंकित हो गया है। जबकि मेरा सही नाम ज्योति वर्मा (JYOTI VERMA) है जो मेरे आधार कार्ड सं0–8873 4607 3763 व अन्य अभिलेखो मे दर्ज है। उपरोक्त (ARADHANA VERMA) व ज्योति वर्मा (JYOTI VERMA) दोनो नाम मेरे ही है। अतः मुझे ज्योति वर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाये।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

हरदोई

न्यूज ब्रीफ

दवाओं से ऊब चुकी बुजुर्ग ने की खुदकुशी

हरदोई, बिलग्राम, अमृत विचार। बीमारी से परेशान बुजुर्ग महिला ने घर के बाहर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बिलग्राम कोतवाली के परसोला की आलिया (65) पत्नी तालेबन कई सालों से बीमार चल रही थी। उसके पति की पहले ही मौत हो चुकी थी। उसने जैसे-तैसे अपनी 6 बेटियों की शादी की, दो बेटों में छोटा बेटा भी नहीं रहा। बड़े बेटे शकील ने बताया कि मां अकसर दवा खाने के नाम से ऊब होने की बात कहा करती थी। रविवार की रात वह घर से बाहर था। उसी बीच मां ने गांव के पश्चिम दिशा में पेड़ पर फंदा लगाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। लापरवाही पूर्वक ट्रैक्टर चलाकर बाइक चालक के ट्रैक्टर मारकर मौत का शिकार बनाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुरवा हफीजुद्दीनपुर थाना पिहानी निवासी आसाराम के अनुसार 18 जनवरी को उसका पुत्र राजेश (38) बाइक से पिहानी आ रहा था। नबी की आरा मशीन के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर के चालक रिंकू निवासी टंडौना ने लापरवाही पूर्वक टक्कर मार दी। प्रभारी निरीक्षक पिहानी ने बताया ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

सड़क दुर्घटना व आग से बचने के बताए उपाय

हरदोई, अमृत विचार। 23 जनवरी को आयोजित होनी वाली मार्क ड्रिल के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्टेट में अतिरिक्त मजिस्टेट अरूणिमा श्रीवास्वत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्टेट उपस्थित आपदा प्रबन्धन समिति के सदस्यों से कहा कि 23 जनवरी को मार्क ड्रिल सायं 6 बजे से 10 मिनट के लिए किया जायेगा।

विवाद के दौरान धमकी से सहमे युवक ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता, हरदोई, बिलग्राम

- दो बहनों में अकेला था भाई, रोते-रोते बेहाल हुई मां
- बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र का मामला

अनीस की फाइल फोटो।

अमृत विचार। दो युवकों के बीच झगड़ा होने से बात इतनी बिगड़ गई कि एक युवक के पिता ने दूसरे युवक को मार डालने की धमकी देते हुए दौड़ा लिया। युवक ने किसी तरह छिपकर जान बचाई। लेकिन दहशत के चलते देर शाम पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया। पूरे मामले की जांच होने की बात कही गई है।

बिलग्राम कोतवाली के डाभा निवासी कुलदीप पेशे से मज़दूर है, उसके दो बेटियों में 20 वर्षीय इकलौता बेटा अनीस कुमार रविवार को गांव में था। वहीं गांव निवासी अल्लू के बेटे बुच्ची से उसकी कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि बच्ची ने अनीस कुमार को घंटा फेंक कर मार दिया। अनीस ने भी वही किया, उसके बाद जानकारी होने पर अल्लू आया और डालने की धमकी देते हुए अनीस कुमार को दौड़ाने लगा, वह डर कर गांव के पश्चिम एक पेड़ की आड़ में छिप गया। इधर घर न पहुंचने पर उसे ढूंढा जाने लगा, उसी बीच पेड़ पर उसका शव लटका देखा गया। अनीस के पिता कुलदीप ने बताया कि वह मजदूरी करने सेमरा गया था। घर में उसकी पत्नी बिटन्ना और इकलौता बेटा अनीस कुमार था। अनीस की एक बड़ी और एक उससे छोटी बहन है, दोनों की शादी हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

7 बिस्वा जमीन और रोज कमाने-खाने वाले गोविंद को आईटी ने भेजा 7 करोड़ से अधिक के बकाये का नोटिस

हरदोई, अमृत विचार। गुजर-बसर के लिए सिर्फ 7 बिस्वा जमीन, लेकिन हैसियत 7 करोड़ की। एकबारगी ऐसा मानना आसान नहीं है लेकिन एक गरीब व्यक्ति को इनकम टैक्स (आईटी) विभाग की तरफ से जारी की गई नोटिस ऐसा ही कह रही है। इनकम टैक्स विभाग ने एक ऐसे शख्स के नाम से 7 करोड़ से अधिक रुपये की नोटिस भेज दी जो हर दिन कुआं खोदकर पानी पीता है यानी कि हर दिन कमाना और हर दिन खाना। कई बार तो दो जून की रोटी कमा पाना मुश्किल हो जाता है। फिर उसके ऊपर करोड़ो की देनदारी थोपना, सरकारी सिस्टम पर सीधे उंगली उठाने के लिए काफी है।

नोटिस दिखाता पीड़ित पंकज।

जानकारी के अनुसार माधौगंज थाने के रूदामऊ निवासी गोविंद पुत्र रामचन्द्र मजदूरी करता है और उसका बड़ा भाई पंकज ठेला खींचकर गुज़र-बसर करता है। उसी गोविंद के नाम से इनकम टैक्स विभाग (आईटी) ने 7 करोड़, 15 लाख, 92 हज़ार, 786 रुपये देनदारी की नोटिस भेजी है। खुद गोविंद ही नहीं बल्कि उसके पड़ोसी भी हैरान हैं कि 7 बिस्वा जमीन और मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हैसियत 7 करोड़। गोविंद के घर वाले उसके नाम से आई नोटिस को ले कर काफी घबराए हुए है, बुजुर्ग मां-बाप काफी परेशान है, पत्नी सोनी को समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसा कैसे हो गया और अब आगे क्या होगा, वहीं आईटी की नोटिस थामें हुए गोविंद का भाई पकंज कहता फिर रहा है कि उसका भाई बेगुनाह है, उसके साथ धोखा किया गया है, वह अपने भाई की बेगुनाही की भीख मांगता घूम रहा है।

कानपुर में हमदर्दी जताने वाली महिला ने किया फर्जीवाड़ा

करीब 6 साल पहले गोविंद कमाने के लिए कानपुर गया था। वहीं उसे कोई महिला मिली जो उसकी हमदर्द बन गई और उसे सरकार से मदद दिलाने के नाम से अपने झांसे में ले लिया। वही महिला गोविंद को सीतापुर के सिंधौली लेकर गई, जहां उसने एचडीएफसी बैंक में उसका खाता खुलवा दिया। कुछ रुपये देकर उससे बैंक की पासबुक और चेक बुक अपने हाथ में ले ली। यहीं से गोविंद के नाम पर बैंक फर्जीवाड़े की नींव पड़ी। माना जा रहा है कि उसी महिला ने गोविंद के नाम से फर्ज़ी फर्म बनाई और उसी फर्म के नाम से करोड़ों का कारोबार कर उसे इन्कम टैक्स के जाल में फंसा दिया। लेकिन सवाल उठना लाज़िम है कि करोड़ो रुपये के कारोबार में बैंक अब तक क्या कर रही थी, उसने निगरानी और जांच-पड़ताल क्यों नहीं की?

आज व कल होगा बार काउंसिल का चुनाव

बार काउंसिल से जारी आई कार्ड, सीओपी प्रमाण पत्र या अधिवक्ता पंजीकरण प्रमाण पत्र जरूरी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। अधिवक्ताओं की प्रदेश की सर्वोच्च संस्था बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के दूसरे चरण का मतदान 20 व 21 जनवरी को होगा। इन दो दिनों में होने वाले मतदान में इस बार 2223 मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए पूरे प्रदेश में मतदान चल रहा है। इसी कड़ी में जनपद में दूसरे चरण में मतदान कराया जाएगा इसके लिए मतदान की जिम्मेदारी जनपद न्यायालयको दी गई है। मतदान कराने के लिए नोडल अधिकारी अपर जिला अध्यक्ष मनमोहन सिंह ने बताया की दीवानी न्यायालय परिसर के केंद्रीय सभागार में 20 व 21 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच मतदान होगा। इस मतदान के लिए मतदाताओं को बार काउंसिल द्वारा जारी आई कार्ड, सीओपी प्रमाण पत्र या बार काउंसिल द्वारा जारी अधिवक्ता पंजीकरण प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा।

इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी आई डी मान्य नहीं होगी। उन्होंने बताया कि मतदान कक्ष में केवल मतदाता ही प्रवेश कर सकेंगे। इसके अलावा किसी भी व्यक्ति को मतदान कक्ष में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बताया मतदान कक्ष में किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी या मोबाइल ले जाना पूर्ण रूप में वर्जित होगा। बताया कि अधिवक्ताओं को मतदान के लिए लंबी लाइन लगानी पड़े इसको दृष्टिगत रख 10 काउंटर बनाए गए हैं। इन दसों काउंटर पर एक साथ अधिवक्ता अपने मतदान का प्रयोग कर सकेंगे।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान प्राथमिकता : न्यायाधीश मनमोहन

हरदोई, अमृत विचार। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद हेतु 20 एवं 21 जनवरी को होने वाले मतदान को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां दीवानी न्यायालय परिसर दस कक्षीय न्याय भवन स्थित सभागार में मतदान होगा। प्रभारी अधिकारी बार कौंसिल निर्वाचन न्यायाधीश मनमोहन सिंह ने विशेष भेंट में बताया कि मतदान को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता अधिवक्ताओं के लिए मतदान करने के लिए दस बूथ बनाएं गए हैं। कहा कि मतदाता सूची बार एसोसिएशन को भेजी गई है मतदाता मतदान करने के पूर्व मतदाता सूची से अपना क्रमांक देखकर ही आएं ताकि असुविधा का सामना न करना पड़े। न्यायाधीश श्री सिंह ने कहा कि मतदाता को अपने साथ बार कौंसिल द्वारा जारी पंजीकरण प्रमाण पत्र, सीओपी प्रमाण पत्र या परिचय पत्र मूल रूप से लाना होगा अन्य कोई विकल्प मान्य नहीं होगा।

न्यायाधीश मनमोहन सिंह, प्रभारी अधिकारी बार कौंसिल चुनाव

75 जिलों में होगा चुनाव, चुने जाएंगे केवल 25 सदस्य

बताते चलें चुनाव के इतिहास में यह सबसे बड़ा मतदान माना जाता है। जिसमें पूरे प्रदेश यानी 75 जिलों में केवल 25 सदस्य चुने जाते हैं। जो बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बार प्रत्याशियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। जिसके अनुसार इस बार 333 प्रत्याशी चुनावी समर में अपने किस्मत की आजमाइश करेंगे। इस मतदान में उन्हें अधिवक्ताओं का मतदान करने का अधिकार होगा जिनको बार काउंसिल ने सीओपी जारी किया है।

पालिका की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। शहर में सोमवार को नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई नुमाइश चौराहे से शुरू होकर बावन चुंगी होते हुए बावन रोड स्थित नगर पालिका सीमा तक की गई। अभियान के दौरान सड़क किनारे और पालिका पटरी पर दुकानें लगाकर व्यवसाय कर रहे दुकानदारों को पहले चेतावनी दी गई। इसके बाद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुछ दुकानदारों पर 3000 रुपये तक का जुर्माना लगाया गया। हिदायत दी कि भविष्य में कोई भी दुकानदार अपनी दुकान निर्धारित सीमा के बाहर न लगाएं।

आए दिन जाम की स्थिति बनती है

कार्रवाई के दौरान कई स्थानों से अवैध रूप से रखा गया सामान भी जब्त किया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाया कि अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नगर पालिका का यह अभियान शहर को व्यवस्थित और सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अभियान का नेतृत्व अतिक्रमण प्रभारी अमित सिंह चौहान ने किया। उनके साथ आशीष अवस्थी, नगर पालिका की टीम और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी।

कांग्रेस ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, हरदोई

कलेक्ट्रेट में नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस कार्यकर्ता। अमृत विचार

- लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा खंडित करने पर रोष

अमृत विचार। मणिकर्णिका घाट, वाराणसी (बनारस) में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को खंडित किए जाने की घटना के विरोध में सोमवार को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया। जिसका नेतृत्व में शिवा पाल एडवोकेट, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस ने किया। नगर मजिस्ट्रेट सुनील त्रिवेदी को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। इस घटना के विरोध में कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और प्रतिमा की सम्मानपूर्वक पुनः स्थापना की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की महान शासिका थीं, जिन्होंने सामाजिक न्याय, धर्म संरक्षण और जनकल्याण के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया उनकी प्रतिमा को खंडित किया जाना न केवल उनके सम्मान का अपमान है, बल्कि देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पर भी सीधा आघात है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित भी मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह लोधी राजपूत, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश राठौर, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव राजेंद्र वर्मा, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहन सिंह, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष हसन अहमद, अनुसूचित जाति कांग्रेस विभाग के जिलाध्यक्ष विनीत वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक का 57 वां निर्वाण दिवस मनाया

हरदोई, अमृत विचार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक दादा लेखराज का 57 वां निर्वाण दिवस ज्योतिनगर केंद्र पर मनाया गया। केंद्र की संचालिका बीके बहन रोशनी ने शांति स्तंभ पर माल्यार्पण किया। सभी साधकों ने केंद्र पर बनाए गए चार धामों पर अपने श्रद्धासुमन भी अर्पित किए। बहन रोशनी के अनुसार न केवल भारत में वरन विश्व के अनेक देशों में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के केंद्र स्थापित हैं जहां न केवल योग वरन पवित्रता धारण करने का गुर भी सिखाया जाता है। इस बीच जीएसटी की असिस्टेंट कमिश्नर बहन श्रुति गुप्ता, मेजर एसएन यादव, सतीश भाई, ब्रह्मा बाबा के रूप में आशीष भाई, अचल भाई, शांति बहन, नीता बहन, अजय भाई, सुनील भाई सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर मिले युवक के शव की शिनाख्त, हत्या की आशंका

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई

अमृत विचार। क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे के रेस्ट एरिया के समीप सोमवार शाम करीब 4:30 बजे मिले युवक के शव की शिनाख्त सुनील यादव (30 वर्ष) पुत्र सती राम, निवासी ग्राम बैफरिया थाना बिलग्राम के रूप में हुई है।

शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एक्सप्रेस-वे पर कार्य कर रहे कर्मचारियों की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अक्षय मलिक, उपनिरीक्षक अरविंद यादव समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान होते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि सुनील यादव वाहन चालक (गाड़ी चलाने का कार्य) करता था। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस दौरान परिजन आक्रोशित नजर आए। फिलहाल पुलिस परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराने का प्रयास कर रही है। शव अभी पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजा गया है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया कि परिजनों से बातचीत चल रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

क्रिकेट खेल रहे छात्र को सांप ने डसा, लखनऊ पहुंचते ही मौत

हरदोई, अमृत विचार। साथियों के साथ क्रिकेट खेल रहे छात्र को वहीं सांप ने डंस लिया। हालत बिगड़ने पर तुरंत उसे मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, वहां से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, जहां दुबग्गा में मौत हो गई।

कोतवाली देहात के भरिगवां निवासी राम औतार पल्लेदारी करता है। उसकी चार बेटियों के बाद 13 वर्षीय सबसे छोटा बेटा अर्पित था। अर्पित एसएमडी पब्लिक स्कूल महोलिया शिवपार में कक्षा दो का छात्र था। रविवार को वह अपने साथियों के साथ गांव में ही क्रिकेट खेल रहा था। उसी दौरान अर्पित को सांप ने डंस लिया। मेडिकल कालेज से इलाज के लिए लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

गंदा पानी भरने से लोग परेशान

पाली, हरदोई, अमृत विचार। नगर पंचायत की उदासीनता के चलते मोहल्ले वासी गंदे पानी पर चलने को मजबूर हैं। गौरतलब हो कि नगर के मोहल्ला आजाद नगर की गल्ला मंडी से साड़ी खेड़ा जाने वाला सड़क मार्ग का निर्माण कार्य कुछ दिन पूर्व शुरू किया गया था। मोहल्ले के लोगों में सड़क बनने का एक अलग उत्साह था। इसके बावजूद ठेकेदार की अकड़बाजी के चलते सड़क खोदकर डाल दी गई है। घरों का निकला गंदा पानी सड़क पर बह रहा है जबकि इस मार्ग से दर्जनों गांव के ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है। नगर के लोग गंदे पानी पर चलने को मजबूर हैं। लोगों ने इस सड़क मार्ग को अति शीघ्र बनाए जाने की नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है अगर अति शीघ्र मार्ग नहीं बनाया गया तो मोहल्लेवासी जिलाधिकारी से मिलकर अपनी समस्या रखेंगे।

घरों व दुकानों के सामने बहता गंदा पानी। अमृत विचार

भाकियू ने पंचायत कर एसडीएम को दिया ज्ञापन

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। किसानों और जनता की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन की ओर से पंचायत का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष प्रेमसागर यादव की अगुवाई में समस्याओं से संबंधित ज्ञापन दिया गया। तहसीलदार यसवंत सिंह को दिए गए ज्ञापन में कहा कि लालपुर कन्हरी में खड़ंजा मार्ग पर सही नहीं लगाया गया है। जिसे दुरुस्त कराया जाए। इसके अलावा ग्राम ढाबा में मुख्य रास्ते पर कब्जा किया गया है, जिससे रास्ता सकरा हो गया है उसे सही कराया जाए। इस्लामपुर जगाई में ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा करने की शिकायत की गई है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे के श्यामपुर में श्रीमद् भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा गौरी शंकर बाबा मंदिर, मान देवी माता मंदिर, हनुमान मंदिर निंबी धाम, कालिका देवी माता मंदिर, होकर प्रांगण में समापन हुआ। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिन कथा व्यास पंडित सतीश कुमार त्रिपाठी ने भगवान की पावन लीलाओं का गुणगान किया। श्रद्धालु भगवान की पावन लीलाओं का गुणगान सुन भाव विभोर नजर आए। इस मौके पर कथा परीक्षित विकास त्रिवेदी सोमू पंडित, विजय त्रिपाठी, विवेक त्रिवेदी, धीरज अग्निहोत्री, प्रकाश चंद्र गुप्ता, सोनू त्रिपाठी, ललित त्रिवेदी, अनिल शुक्ला, अरुण शुक्ला पटेल, गिरजा शंकर अग्निहोत्री मौजूद रहे।

ठंड से बचाव के लिए असहायों व गरीबों को बांटे कंबल

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

गरीबों को कंबल वितरित करते विधायक व चेयरमैन। अमृत विचार

कंबल वितरित करते धीरेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर पालिका में विधायक आशीष सिंह आशू और चेयरमैन तबस्सुम ने असहाय गरीबों को कंबल प्रदान किये। सोमवार को नगर पालिका मल्लावां कार्यालय की ओर से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1500 जरूरतमंद व गरीबों को कंबल दिए गए।

विधायक ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के सभी को आवास, शौचालय, उज्वला गैस, कंबल दे रही है, अब लोगों को ईमानदारी के साथ ही सहयोग करना चाहिए ताकि सरकार की मंशा के अनुसार गरीबों को सरकार की योजनाएं उपलब्ध हो सकें। चेयरमैन तबस्सुम ने विधायक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर राजेश राणा, लिपिक संजय सिंह, सभासद इंतजार, मयंक अग्निहोत्री, अनिल राठौर, इकबाल अंसारी, हाजी वकील, बल्लू, नन्हेंलाल, हाजी अलन, मारूफ अंसारी, कप्तान, दिलीप सही अन्य सभासद मौजूद रहे। भरखनी संवाददाता के अनुसार ग्राम निजामपुर लुधियापुर में गन्ना समिति के उपसभापति ठाकुर श्याम सिंह ने कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया, जिसमें दर्जनों की संख्या में पहुंच कर लोगों ने कंबल प्राप्त किये सवायजपुर मुख्य अतिथि विधायक के भाई धीरेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों को कंबल वितरित किए। इस मौके पर आशीष राणा, बाबू सिंह अनमोल, अखिलेश सिंह, रामराज सिंह, खुशीराम यादव, रामावतार यादव, सर्वेश कुशवाहा, श्यामवीर सिंह, नाथू सिंह, विजय सिंह सोमवंशी, विश्वनाथ सिंह, विमल दीक्षित व रंजन सिंह आदि लोग शामिल हुए। शाहाबाद में जिला पंचायत सदस्य मंजू देवी राजेंद्र ने अंबेडकर पार्क में जरूरतमंदों को कंबल वितरण किये। इस मौके पर लालता प्रसाद, हरिकरण, हरिओम, अजय प्रधान, शिव शंकर एवं बहुजन समाज के तमाम लोग मौजूद रहे।

हिंदुओं का एकजुट होना आवश्यक

संवाददाता, भरखनी, हरदोई

हिंदू सम्मेलन में बोलते मुख्य अतिथि आरएसएस के जिला प्रचारक अनिल।

- बिबियापुर मंदिर स्थान पर विराट हिन्दू सम्मेलन का हुआ आयोजन

अमृत विचार। क्षेत्र के श्री सिद्धेश्वर नाथ महादेव विबियापुर धानीनगला मंदिर पर संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिले के जिला प्रचारक अनिल ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

सर्वप्रथम बिबियापुर मंदिर के पुजारी रोहिताश्च राणा का भव्य स्वागत किया गया। जिला कुटुंब प्रबोधन प्रमुख प्रमोद ने मंच का संचालन किया। मंचस्थ लोगों का शिवओम मिश्रा व भुवनेश वाजपेई ने अंग वस्त्र और प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। आरएसएस के संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर पंच प्रण से सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण ,स्व का बोध बिंदुओं पर संघ के जिला प्रचारक अनिल ने अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा समाज में व्याप्त जाति के भेदभाव से बचने के लिए हिंदुओं को एकजुट होना चाहिए। संघ के जिला सह कार्यवाह रामप्रताप जी ने भी हिन्दुओं को संगठित होने का आह्वान किया। भाजपा के प्रमुख संघ के प्रदेश अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा हिंदुओ को हिंदू धर्म की पूजा अर्चन की विधि और मंत्रों को जानना चाहिए। सभी हिन्दुओं को माथे पर तिलक कलाई पर कलावा और सिर पर चोटी धारण करनी चाहिए यह हमारी भारतीय संस्कृति है। इस दौरान विहिप के प्रांत सह मंत्री प्रवीण मंडल अध्यक्ष रोहित सिंह निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष जैनेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व प्रधान राजकिशोर सिंह लल्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

8 वर्ष सश्रम कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा

सीतापुर। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-07 द्वारा दोषसिद्ध सुरेश पुत्र पूरन निवासी ग्राम रामनगर क्योंटी थाना मिश्रिख को अन्तर्गत धारा 307 भादवि में 08 वर्ष सश्रम कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनायी गई।

नगर पालिका अध्यक्ष के पिता मुरली का निधन

बिसवां। नगर पालिका परिषद बिसवां के अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल के पिता मुरली जायसवाल का देर रात लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। शीतला देवी मंदिर के निकट स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में परिजनों के साथ बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक, विभिन्न राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक शामिल हुए।

बंदरों के डर से घरों में कैद होने को मजबूर लोग

मिश्रिख। तीर्थ नगरी मिश्रिख में इन दिनों बंदरों के बढ़ते दखल से स्थानीय नागरिक और श्रद्धालु परेशान है। नगर के मोहल्लों से लेकर मंदिर परिसरों तक, बंदरों के झुंड ने अपना डेरा जमाए देखे जा सकते हैं, इससे आम जन को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी बबलू, रामू, जीवन आदि ने नगर पालिका और स्थानीय प्रशासन से निस्तारण की मांग की है।

50 परिवारों को उज्ज्वला कनेक्शन और 120 को मिले कंबल

रामपुर मथुरा। बांसुरा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के चेहरे खिल उठे। यहां प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत पचास मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन वितरित किए गए। साथ ही, कड़ाके की ठंड को देखते हुए बांसुरा भारत गैस एजेंसी द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए 120 जरूरतमंदों को कंबल भी बांटे गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता ने कहा कि उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को स्वच्छ ईंधन मिला है, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में बड़ा सुधार आया है। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य मुर्शीदुद्दीन ने गैस एजेंसी की कंबल वितरण पहल को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर गैस एजेंसी के मालिक सत्य प्रकाश श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

युवती लापता, पुलिस ने शुरू की तलाश

खैराबाद। खैराबाद क्षेत्र के ग्राम टप्पा खजुरिया से एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। परिजनों की तहरीर पर स्थानीय पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया। परिजनों के अनुसार, 22 वर्षीय युवती बीते 22 दिसंबर की सुबह करीब आठ बजे घर से निकली थी।

युवक ने बंदूक से की सरेआम फायरिंग वीडियो वायरल

सीतापुर। जनपद के देहात कोतवाली क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक युवक द्वारा अवैध बंदूक से खुलेआम फायरिंग करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में एक युवक सरेआम अवैध हथियार लहराते हुए हवा में गोली चलाता दिख रहा है। वीडियो में मौजूद कुछ लोग उसे 'राम प्रकाश' नाम से पुकारते हुए बंदूक वापस देने की बात कह रहे हैं। हालांकि, यह वीडियो किस गांव का है और कब का है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए देहात कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध हथियार रखने और हर्ष फायरिंग के मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कोहरे से राहत, पर शीतलहर का सितम

सीतापुर। जिले में बीते तीन दिनों से जारी घने कोहरे से सोमवार को हल्की राहत मिली। सुबह विजिबिलिटी बेहतर होने से आवागमन सुगम रहा, लेकिन शीतलहर का प्रकोप कम नहीं हुआ है। सोमवार को न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे ठिठुरन बनी रही। आसमान में बादलों की आवाजाही और ठंडी हवाओं के बीच मौसम विभाग ने हल्की बूंदाबांदी के आसार जताए हैं। यदि बारिश होती है, तो कनकनी और बढ़ सकती है। इस कड़ाके की ठंड में स्कूल जाने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

हैंडपंप मरम्मत के नाम पर लाखों का खेल

रामपुर मथुरा (सीतापुर)।

खराब पड़ा हैंडपंप। अमृत विचार

अमृत विचार : विकासखंड रामपुर मथुरा की ग्राम पंचायत दहला में स्वच्छ जल योजना को ठेंगा दिखाया जा रहा है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और सचिव पर हैंडपंप रिबोर व मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये के बंदरबांट का आरोप लगाया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस पंचवर्षीय योजना में हैंडपंपों के नाम पर 6,37,027 रुपये निकाले जा चुके हैं। इसके बावजूद धरातल पर स्थिति बेहद खराब है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान और सचिव की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है, जबकि नल वर्षों से शोपीस बने हुए हैं। ग्रामीणों ने खराब पड़े हैंडपंपों की सूची साझा करते हुए बताया कि शुकुल पुरवा में बृजेश के घर के पास लगा नल एक वर्ष से बंद है वहीं, दहला में राकेश यादव के घर के पास पांच वर्ष और कमलेश अवस्थी के पास वाला नल चार वर्षों से खराब, प्यारे पुरवा में रामशरण यादव के घर के पास लगा नल पांच वर्षों से बंद, वहीं बच्चा लाल बाजपेई के घर के पास वाला नल दूषित पानी दे रहा है, तिवारी पुरवा व ठेकेपुरवा में भी नल गिट्टियों से पटे हैं या महीनों से पानी नहीं दे रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। थक-हारकर अब ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

● कागजों पर रिबोर, जमीन पर सूखे नल

> अभी तक मामले को लेकर किसी ने भी शिकायत नहीं की है, यदि शिकायती पत्र आता है, तो निश्चित तौर पर विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। – प्रतिभा जायसवाल, खण्ड विकास अधिकारी रामपुर मथुरा

दंगल में जोर आजमाइश करते पहलवान। अमृत विचार

सुल्तान और बाबा बजरंगी ने अखाड़े में दिखाया दम

संवाददाता, बिसवां। हजरत गुलजार शाह रह. के उर्स के अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती दंगल में देश के विभिन्न राज्यों से आए पहलवानों ने अपने दांव-पेंच से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पर फीता काटकर व पहलवानों का हाथ मिलवाकर किया। दंगल की पहली कुश्ती में देवा के सुल्तान वारसी ने उत्तराखंड के साका पहलवान को चित कर जीत दर्ज की। वहीं, अयोध्या के बाबा बजरंगी ने राजस्थान के रंजीत पहलवान को पटखनी देकर वाहवाही लूटी। मुजफ्फरनगर के राजा पहलवान भी लखनऊ के गोलू पहलवान पर भारी रहे। अध्यक्ष मसर्रत अली, सेक्रेटरी हुसैन कादरी और आयोजक शौकत पहलवान ने अतिथियों का पगड़ी बांधकर स्वागत किया। हरियाणा, गोंडा और बरेली के पहलवानों ने भी अखाड़े में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

तालगांव डकैती : आईजी रेंज ने परिवार से की मुलाकात

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर।

मौका पर मौजूद आईजी रेंज किरण यश साथ में पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल।

अमृत विचार: तालगांव थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में रिटायर्ड लेखपाल के घर हुई सनसनीखेज लूट के मामले में पुलिस की सक्रियता बढ़ गई है। सोमवार को आईजी रेंज लखनऊ, किरण एस ने खुद मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और घटना की हकीकत जानी। बदमाशों ने बंधक बनाकर की थी लूट आईजी ने पीड़ितों से बदमाशों की संख्या, उनके हुलिए और वारदात के तरीके पर विस्तार से बात की।

रविवार सुबह बदमाशों ने तमंचे के बल पर परिवार को बंधक बनाकर इत्मीनान से लूटपाट की थी। आईजी ने घटना को कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें लगाई गई हैं। आईजी ने एसपी और संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अब तक की प्रगति रिपोर्ट तलब की। सर्विलांस और स्थानीय मुखबिर तंत्र को और मजबूत किया जाए।

लाइसेंसी रिवॉल्वर छोड़ी, कारतूस ले गए : बताया जाता है कि पीड़ित परिवार के पास एक लाइसेंस भी घर में मौजूद थी, लेकिन लूटपाट के दौरान घर में घुसे बदमाश लाइसेंसी रिवाल्वर को उठाकर भागने लगे तो पीड़ित परिवार के मांगने पर उसे वापस कर दी, लेकिन कारतूस लेकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित परिवार की दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए जल्द खुलासे का आश्वासन दिया है वही लगातार मामले में छानबीन की जा रही है।

● रसूलपुर में सशस्त्र बदमाशों ने की थी लूटपाट

> लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं, जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे। – किरण एस, आईजी रेंज लखनऊ

सक्रिय हों ग्राम निगरानी समितियां

गांव स्तर पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए समितियों को सक्रिय किया जाए। साथ ही ग्रामीण इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए।

घर के बाहर खड़ी वैन में लगी आग, केस दर्ज

इमलिया सुल्तानपुर। अमृत विचार : इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के टिकरा गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक मारुति वैन को आग के हवाले कर दिया गया। घटना काजीकमालपुर चौकी इलाके की है, जहां घर के बाहर खड़ी वैन अचानक धू-धू कर जलने लगी। शोर सुनकर परिजनों ने समरसेबल चलाकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पीड़िता गीता देवी पत्नी लाल जी वर्मा ने थाने में तहरीर देकर गांव के ही कुछ लोगों पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, पंद्रह दिन पहले हुए विवाद के कारण आरोपियों ने उनका निकास बंद कर दिया था, जिसके चलते उन्हें वैन पड़ोसी के घर के बाहर खड़ी करनी पड़ती थी। इमलिया सुल्तानपुर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया गया है।

सूखे कुएं में मिले आधार कार्ड जांच के घेरे में आए डाककर्मी

संवाददाता, औरंगाबाद।

अमृत विचार : औरंगाबाद चौकी क्षेत्र के परसपुर गांव के पास सूखे कुएं और झाड़ियों में भारी मात्रा में आधार कार्ड मिलने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। सोमवार को पुलिस ने उन डाक कर्मियों और वितरण एजेंसियों की सूची तैयार करना शुरू कर दिया, जिनके पास इन क्षेत्रों की जिम्मेदारी थी। जिसमें मुख्य रूप से भैरमपुर-औरंगाबाद मार्ग पर झाड़ियों और कुएं में डेंगरा, अमरेखा, रामपुर बेहड़ा और केसुवामऊ जैसे गांवों के दर्जनों आधार कार्ड लावारिस मिले।

जिसके बाद परसपुर प्रधान कुलदीप यादव की सूचना पर चौकी प्रभारी प्रशांत सिंह ने करीब इकतीस आधार कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस अब उन लाभार्थियों के बयान दर्ज करेगी जिनके कार्ड मिले हैं, ताकि यह पता चल सके कि क्या उन्होंने पहले कार्ड न मिलने की शिकायत की थी। स्थानीय निवासी सौरभ और निर्मल का कहना है कि यह डिजिटल इंडिया अभियान के साथ खिलवाड़ है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

> हमने सभी इकतीस आधार कार्डों को कब्जे में ले लिया है। सरकारी दस्तावेजों को इस तरह फेंकना गंभीर लापरवाही है। दोषियों को चिह्नित कर उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी। – प्रशांत सिंह, चौकी प्रभारी

प्रेम प्रसंग में युवती ने खाया जहर, ब्लैकमेलिंग का आरोप

संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार : खैराबाद थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग और ब्लैकमेलिंग के चलते एक युवती द्वारा जहर खाकर जान देने की कोशिश का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, युवती का हाल जानने अस्पताल पहुंचे आरोपी प्रेमी को परिजनों ने पहचान लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है।

दरअसल, मामला मछरेहटा क्षेत्र की रहने वाली युवती का पवन नामक युवक से प्रेम संबंध था। आरोप है कि पिछले दो महीनों से पवन युवती की फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था और उसका यौन शोषण भी किया। खैराबाद चुंगी के पास आरोपी ने युवती पर साथ चलने का दबाव बनाया और विवाद होने पर उसका मोबाइल लेकर फरार हो गया। इस प्रताड़ना से आहत होकर युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद से युवती की हालत नाजुक बनी हुई है। देर रात जब आरोपी युवक अपनी पहचान छिपाकर अस्पताल पहुंचा, तो वहां मौजूद परिजनों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। सीओ सिटी विनायक भोसले ने बताया कि आरोपी युवक हिरासत में है। परिजनों की तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

किसान नेता का स्वागत करते किसान संगठन के पिंदर सिंह सिद्धू व अन्य।

किसान नेता राकेश टिकैत का जोरदार स्वागत

संवाददाता, सीतापुर। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता राकेश टिकैत के जनपद आगमन पर किसानों ने नेपालापुर चौराहे पर उनका भव्य स्वागत किया। किसान नेता पिंदर सिंह सिद्धू के नेतृत्व में जुटे दर्जनों किसानों ने नारेबाजी और गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर पिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि राकेश टिकैत आज देश के किसानों की सशक्त आवाज बन चुके हैं। उनके नेतृत्व में किसान आंदोलन को नई ऊर्जा और मजबूती मिल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए संगठन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से शिवनाथ शर्मा, आलोक, कमलेश, राजाराम, छोटेलाल, संजय सिंह, पूरन, दीपू, गुड्डू और तेजराम सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

22 जनवरी तक टाउन हॉल खाली करने का अल्टीमेटम

संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार : नजूल की जमीन पर अवैध कब्जों को लेकर जिला प्रशासन का रुख अब बेहद सख्त हो गया है। सोमवार को तहसीलदार अतुल सेन सिंह ने टीम के साथ टाउन हॉल और सपा कार्यालय पहुंचकर कब्जेदारों को 22 जनवरी तक जमीन खाली करने का 'अंतिम अल्टीमेटम' दे दिया है।

तीसरी बार दी गई चेतावनी के क्रम में तहसील प्रशासन तीसरी बार मौके पर पहुंचा। तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि नोटिस में दी गई पंद्रह दिन की समय-सीमा समाप्त होने वाली है। उन्होंने कहा, यह अंतिम सूचना है। यदि 22 जनवरी तक स्वतः कब्जा नहीं हटाया गया, तो प्रशासन बलपूर्वक जमीन खाली कराएगा और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। निष्पक्ष कार्रवाई का दावा प्रशासन ने साफ किया है कि यह कार्रवाई किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकारी भूमि को मुक्त कराने का अभियान है। इस जद में सपा कार्यालय के साथ-साथ भाजपा नेता संजीव गुप्ता टिंचू के आवास व अन्य निर्माण भी शामिल हैं।

● सपा कार्यालय और भाजपा नेता के आवास समेत सभी को निर्देश

स्वास्थ्यकर्मियों के आवास पर चौकी इंचार्ज का कब्जा

सीतापुर। जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए बनाए गए सरकारी आवास पर पुलिस के कब्जे का मामला सामने आया है। सीएमएस का कहना है कि चौकी इंचार्ज जिला अस्पताल रजनीश वर्मा ने लंबे समय से कब्जा कर रखा है। इसकी शिकायत क्षेत्राधिकारी नगर और कोतवाली प्रभारी नगर को दी जा चुकी है।

सीएमएस डॉ. इन्द्र सिंह के मुताबिक, रजनीश वर्मा को आवास खाली करने के लिए कई बार कहा गया, लेकिन उन्होंने अब तक कमरा खाली नहीं किया है। उधर, ड्यूटी के दौरान अस्पताल के करीब रहने के लिए बनाए गए इन आवासों पर पुलिस का कब्जा होने से स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों में भारी रोष है।

सेहत बढ़ाएगा सीतापुर कारागार का 'शुद्ध दूध'

जीशान कदीर, सीतापुर।

सीतापुर कारागार परिसर में दूध बिक्री के लिए तैयार भवन। अमृत विचार

अमृत विचार: कारागार के गौवंशों के शुद्ध दूध का स्वाद आमजन जल्द ही चख सकेंगे। इसके लिए कारागार प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कारागार परिसर में बेचे जाने वाले दूध के साथ बंदियों का तैयार कुल्हड़ स्वाद को बढ़ाने का काम करेगा।

जेल की चहारदीवारी के पीछे 85 से अधिक देसी गाय हैं। इन्हें जेल में तैयार प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर बरसीम दी जाती रही है। आर्गेनिक खेती से तैयार पोषक तत्वों का सेवन करने वाली गायें रोजाना 200 लीटर से कहीं अधिक दूध देती हैं। ये दूध बंदियों के लिए चाय इत्यादि में काम आता है। कारागार प्रशासन ने शेष बचे दूध से आय का स्रोत बढ़ाने के लिए खाका तैयार कर लिया है। कारागार परिसर में शुद्ध दूध की बिक्री के लिए भवन बनकर तैयार हो गया है। कारागार अधीक्षक सुरेश सिंह का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में शुद्ध दूध बेचने का कार्य कारागार कर्मी करेंगे। दूध के साथ बंदियों द्वारा तैयार मिट्टी के कुल्हड़ और गिलास को भी विक्रय किया जाना प्रस्तावित है।

बंदियों को मिलेगा पारिश्रमिक : आम के आम और गुठलियों के दाम की कहावत इस योजना में बंदियों के लिए सटीक बैठ रही है। दरअसल, वर्तमान के 800 बंदियों में से 200 को छोड़कर अन्य अधिकतर खाली रहते हैं। ऐसे में इन्हें कुल्हड़ आदि बनाने पर पारिश्रमिक मिलेगा। माह के अंत में यही पारिश्रमिक बंदी के परिवार को बतौर चेक के रूप में दे दिया जाएगा।

● शुल्क का हुआ निर्धारण, इसी माह से सप्लाई प्रस्तावित

पचास रुपये प्रति लीटर होगा दूध

गाय का शुद्ध दूध पचास रुपये बेचे जाना प्रस्तावित है। सुबह और शाम दो-दो घंटे केंद्र खोले जाने की योजना कारागार प्रशासन की है। ऑफलाइन व्यवस्था का लाभ आमजन के अलावा कारागार कर्मी भी ले सकते हैं।

20 घरों में घुसा नहर का पानी

अटरिया सीतापुर। अमृत विचार : खीरी ब्रांच से निकली कठवा माइनर के शीतलपुर गांव के पास ओवरफ्लो होने से शीतलपुर गांव में गांव के किनारे बने करीब 20 घरों में नहर का पानी घुस गया। रात करीब दो बजे अचानक घरों के अंदर पानी भरना शुरू हुआ, गांव के किनारे रहने वाले रोहित यादव, लाला मिस्त्री , दौलत, गुड्डू ,रामस्वरूप,बाबू और देसराज के घरों में नहर का पानी घुस गया, जिससे राशन ,कपड़े समेत घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा। किसान राघवेंद्र का कहना है कि यह घटना कोई नई नहीं है। इससे पूर्व दिनांक 04 जनवरी 2026 को भी कठवा माइनर फट गई थी, जिसमें किसानों की खड़ी फसलों को भारी नुकसान हुआ था। उस दौरान तेज बहाव के साथ पानी खेतों में भर गया था। लगातार दूसरी बार माइनर से नुकसान होने पर किसानों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि सिंचाई विभाग द्वारा माइनर की समय पर मरम्मत और निगरानी नहीं की जा रही है।एसडीओ तरुण त्रिवेदी ने बताया कि माइनर शीतलपुर गांव तक है किसान अपनी जमीन देते तो माइनर को चिल्का चांदी झील में गिरा दिया जायेगा ।

माता-पिता के साथ असिस्टेंट कमांडेंट बनें आशुतोष।

पतारा खुर्द के आशुतोष बने असिस्टेंट कमांडेंट

सीतापुर। कमलापुर के पतारा खुर्द निवासी आशुतोष मिश्रा ने अपनी कड़ी मेहनत से परीक्षा में ऑल इंडिया 70 वीं रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। आशुतोष ने अकादमी भोपाल से अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। सेक्रेड हार्ट इंटर कॉलेज से स्कूली शिक्षा और लखनऊ विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में एमएससी करने वालेआशुतोष ने बिना किसी बड़े संसाधनों के घर पर रहकर ही स्वाध्याय के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गौरव का माहौल है। आशुतोष ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और भगवान नागेश्वर बाबा के आशीर्वाद को दिया है।

आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण करते विधायक निर्मल वर्मा। अमृत विचार

विधायक ने किया सरैया आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

संवाददाता, सीतापुर। विकास खंड कसमंडा की ग्राम पंचायत सरैया में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिसवां विधायक निर्मल वर्मा ने जिला पंचायत सदस्य दीपक शुक्ला के साथ विधि-विधान से पूजन कर केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक ने बच्चों से संवाद कर अपने बचपन की यादें साझा कीं। इस दौरान खंड विकास अधिकारी राकेश श्रीवास्तव, एडीओ पंचायत संजय सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष संतोष भार्गव, कुलदीप शुक्ला सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

दबंगों ने कब्जाया महिला का मकान, एसडीएम से शिकायत

सीतापुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम बेहमा थाना रामपुर कला में महिला की संपत्ति पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़िता अलीमुन पत्नी स्व. कल्लू ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि गांव के कुछ दबंगों ने उसके दो पक्के मकानों का ताला तोड़कर जबरन कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की और मारपीट पर आमादा हो गए, जिससे पीड़िता काफी भयभीत है। मामले का संज्ञान लेते हुए एसडीएम सिधौली राखी वर्मा ने लेखपाल को तीन दिन के भीतर मौके की जांच कर रिपोर्ट सौंपने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अलीमुन

मिश्रिख में खंभों की स्ट्रीट लाइटें बनीं शोपीस

संवाददाता, मिश्रिख।

अमृत विचार : पौराणिक नगरी मिश्रिख में प्रकाश व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आलम यह है कि शाम ढलते ही पूरी तीर्थनगरी अंधेरे की चादर ओढ़ लेती है, जिससे स्थानीय लोगों सहित दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर पालिका की उदासीनता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2017 में लगी लाइटों में से लगभग साठ प्रतिशत खराब हो चुकी हैं। रखरखाव के अभाव में कई खंभों से लाइटें गायब हैं, तो कहीं फुंकी हुई लाइटें महज 'शोपीस' बनकर रह गई हैं। पिछले कई वर्षों से न तो नई लाइटें खरीदी गईं और न ही पुरानी बदली गईं, जिससे कि यात्रियों के मुख्य मार्ग पर शाम होते ही अंधेरा छा जाता है।

उधर दधीचि कुंड, सीताकुंड और परिक्रमा मार्ग जैसे अति-संवेदनशील रास्तों पर रोशनी का नामोनिशान नहीं है। सीताकुंड वार्ड और महंत पुलिया मार्ग की गलियां 'डार्क जोन' में तब्दील हो चुकी हैं।

हाल-हकीकत

- **मिश्रिख-नैमिषारण्य द्वारा वर्ष 2017 में लगाई गईं स्ट्रीट लाइटें अधिकतर खराब**
- **अंधेरा होने से श्रद्धालुओं में बढ़ रही है आवागमन की समस्याएं**

> प्रकाश की व्यवस्था को लगातार दुरुस्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ स्थानों पर स्ट्रीट लाइट खराब हैं, उन्हें भी जल्द दुरुस्त करा लिया जाएगा। – विद्यांचल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मिश्रिख-नैमिषारण्य

असुरक्षा के साये में श्रद्धालु

देवांश मिश्रा

सर्वेश भोजवाल

स्थानीय निवासी देवांश मिश्रा ने मुताबिक, महंत पुलिया और सीताकुंड की गलियां रात में डार्क जोन बन जाती हैं। छुट्टा मवेशियों कारण और अंधेरे के कारण घर से निकलना दूभर है। मध्य प्रदेश से दर्शन करने आए सर्वेश भोजवाल ने बताया कि स्टेशन से कुंड मार्ग तक अंधेरा देखकर असुरक्षा महसूस हुई। प्रशासन को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

अभिषेक स्पोर्ट्स संघ के कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत

रायबरेली : उत्तर प्रदेश रोलर स्पोर्ट्स संघ ने अभिषेक द्विवेदी को राज्य कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। वर्तमान में अभिषेक द्विवेदी डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन रायबरेली के महासचिव है। मनोनयन की सूचना उत्तर प्रदेश रोलर स्पोर्ट्स संघ के महासचिव मनजीत सिंह ने पत्र जारी कर दी है। इस उपलब्धि पर डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन अध्यक्ष विनोद शुक्ला, जिला ओलंपिक संघ महासचिव लक्ष्मीकांत शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव अवस्थी, महेंद्र त्रिवेदी, राजेश सिंह, रीना मिश्रा, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी, मोहम्मद अयाज, सदफ खान माध्यमिक खेल सचिव अजय सिंह चंदेल, मनीष श्रीवास्तव, पंकज त्रिपाठी, रामेंद्र मिश्रा, चंद्रमणि बाजपेई, देव कुमार मिश्रा ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

किशोर लापता गुमशुदगी दर्ज

जगतपुर : जगतपुर कोतवाली क्षेत्र के मेलथुवा गांव निवासी अनिल कुमार सिंह का 12 वर्षीय पुत्र अभिजीत सिंह उर्फ वंशु सिंह कक्षा आठ का छात्र है। रविवार को मोबाइल चलाने को लेकर पिता ने उसे डांट दिया था जिससे नाराज होकर वह घर से कहीं चला गया। देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों व आसपास के गांवों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पिता ने थाने में तहरीर देकर बेटे की खोज की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि किशोर की तलाश की जा रही है। संभावित स्थानों पर पुलिस टीम भेजी गई है। जल्द ही उसे बरामद कर लिया जाएगा।

मरीजों को चाय और बिस्कुट का वितरण

लालगंज : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर महामंत्री और युवा वैश्य एकता परिषद के संयोजक शिवम गुप्ता गोलू की अगुवाई में सेवादारों ने सीएचसी में मरीज और उनके तीमारदारों को बिस्कुट और चाय का वितरण किया। डॉ संजीव कुमार सिंह ने कहा कि युवकों के द्वारा की गई पहल निश्चित रूप से बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय है। इस तरह की पहल अन्य लोगों को भी करनी चाहिए। भाजपा प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने कार्यक्रम की प्रशंसा की है। डा. प्रियंका सिंह, नीरज गुप्ता,अंकुर गुप्ता, राहुल खन्ना, अर्पित गुप्ता,अमित गुप्ता, तुषार गुप्ता, मणी गुप्ता, गुलाब गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, शोभित गुप्ता, अमित कुमार रहे।

पीड़ित परिवार को दी आर्थिक मदद

रायबरेली : अखिल भारतीय रेलवे अभियंता महासंघ ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता राशि प्रदान किया। आधुनिक रेल डिब्ब कारखाना मे लगभग बीस दिन पहले दुर्जन का पुरवा थाना गुरुबक्शगंज निवासी दीपू यादव की दुर्घटना में जान चली गई। मृतक कारखाना मे कांट्रैक्ट वेस पर काम करता था। भारतीय रेलवे अभियंता महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमित कुमार ने संघ के पदाधिकारियो के सहयोग से मृतक की मां को एक लाख 83 हजार 235 रुपये का चेक दिया। अखिल भारतीय रेलवे अभियंता महासंघ उपाध्यक्ष सुमित कुमार ने बताया कि संघ के सभी पदाधिकारियों के सहयोग से यह राशि प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि जिस कंपनी मे मृतक काम करता था। उस कम्पनी से भी तीन लाख रुपए की आर्थिक मदद दिलाई गई है।

पाइप काटने के आरोप में सगे भाइयों पर किया हमला

सरेनी, रायबरेली। रविवार की शाम को प्लास्टिक पाइप काटने का आरोप लगाकर सगे भाइयों पर लाठी फावड़े से हमला कर दिया। इसमें दोनों घायल हो गए। दोनों को सीए सी ले गए, जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

थाना क्षेत्र के उसरू गांव के रहने वाले प्रांशु धोबी पुत्र स्व. कविलाश धोबी बीती शाम को रास्ते से निकल रहा था। पास में गांव के संजय बाजपेई पुत्र प्रभु शंकर बाजपेई की प्लास्टिक पाइप से पानी जा रहा था। तभी संजय बाजपेई आ गया और पाइप फाड़ने का झूठा आरोप लगाकर प्रांशु को गालियां देने लगा मना करने पर लाठी से हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। भाई को पिटता देख बड़ा भाई पिंटू धोबी भी मौके पर पहुंचा तो संजय ने उसे भी लाठी से मारा और पैर में फावड़ा मार दिया। कोतवाल रमेश चंद्र यादव का कहना है कि मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फार्म-06 भरवाकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के निर्देश

संवाददाता, रायबरेली

समीक्षा बैठक

- एसआईआर के संबंध में चर्चा के दौरान डीएम ने दिया जोर

अमृत विचार। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। यहां पर मौजूद अधिकारियों से डीएम ने एसआईआर के संबंध में चर्चा की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने महिला वोटर्स की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत महिला वोटर्स को फार्म-06 भरवाकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराया जाए, जिससे जनपद का जेण्डर रेशियों सही हो सके। इसके साथ ही बूथवार जेण्डर रेशियो की समीक्षा कर अध्ययन किया जाए कि किस बूथ पर जेण्डर रेशियो कम है, और उसका क्या कारण है फिर जेण्डर रेशियो में प्रगति लायी जाए। दावें और आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, प्राप्त हो रहे फार्म-06 को प्रतिदिन बीएलओ द्वारा डिजीटाइज कराया जाए।

इस अवसर पर सीडीओ अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, उपजिलाधिकारी महराजगंज गौतम सिंह, उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्र प्रकाश गौतम, उपजिलाधिकारी लालगंज मिथिलेश त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी डलमऊ सतेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी ऊंचाहार राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी विवेक राजपूत, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण करतीं डीएम व मौजूद अन्य अधिकारी।

रायबरेली, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का डीएम हर्षिता माथुर ने सोमवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। डीएम ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चचेरी दादी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

कृष्णपाल खेड़ा मजरे रानीखेड़ा की वारदातः ठेके पर शराब पीने के बाद वारदात को दिया अंजाम

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार। पोते ने रिश्तों को कलंकित करते हुए चचेरी दादी की दिनदहाड़े कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। इतना ही नहीं रक्तरंजित कुल्हाड़ी लेकर ग्रामीणों को ललकराते हुए मृतका के मासूम पोते और उसकी बहू प्रिया को जान से मारने के लिए दौड़ा, किन्तु वह बेटे को गोदी में चीखते चिल्लाते हुए किसी तरह जान बचाकर भाग निकली।

तारावती की फाइल फोटो।

वृद्धा की हत्या के बाद रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

मामला शिवगढ़ थाना क्षेत्र के कृष्णपाल खेड़ा मजरे रानीखेड़ा का है, जहां सोमवार की सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक ने चचेरी दादी की दिनदहाड़े कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कम्प मच गया और ग्रामीण दहशत में आ गए। बताते हैं कि आरोपी सोनू गौतम पुत्र राजकुमार का घर तारावती (55) पत्नी रामप्रताप गौतम के घर के ठीक सामने है। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम आरोपी शराब के नशे में धुत होकर तारावती के घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। मृतका के बेटे दिलीप कुमार का आरोप है कि इस दौरान उनकी मां और बेटियों को भी गंदी-गंदी गालियां और जान से मारने की धमकी दे रहा था। भयभीत होकर परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, सोमवार को दिनदहाड़े आरोपी ने कुल्हाड़ी से तारावती पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि मोहल्ले के ही रहने वाले धर्मराज ने जान जोखिम में डालकर कुल्हाड़ी न छीनी होती तो आरोपी कई लोगों को मौत के घाट उतार देता। घटना की सूचना मिलते ही शिवगढ़ और बछरावां थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी सोनू को कुल्हाड़ी के साथ गिरफ्तार कर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की गहनता से जांच-पड़ताल की जा रही है।

गम्भीरता दिखाती पुलिस तो बच जाती जान: मृतका के बेटे दिलीप कुमार का आरोप है कि रविवार की शाम हत्यारा सोनू उनके घर आया और उसकी मां और बेटियों को भी गंदी-गंदी गालियां और जान से मारने की धमकी दे रहा था। भयभीत होकर डायल 112 पर सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लिहाजा सोमवार को दिनदहाड़े आरोपी ने कुल्हाड़ी से उसकी मां तारावती पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मां की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस निर्मम हत्या ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गम्भीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हत्यारे सोनू से परेशान थे ग्रामीण

ग्रामीणों का आरोप है कि हत्यारा सोनू आए दिन शराब के नशे में ग्रामीणों को गंदी-गंदी गालियां देने के साथ ही धमकाता रहता था। इससे पूर्व भी एक बार सोनू मृतका के ऊपर जानलेवा हमला कर चुका था। लेकिन गांव के ही सम्भ्रान्त नागरिकों ने मामला पारिवारिक समझकर आपसी सुलह समझौता कर दिया था।

आरोपी के भाई व पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने मृतका के बेटे दिलीप की तहरीर पर आरोपी सोनू व उनके भाई नीरज, धीरज, पिता राजकुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं इंचार्ज थाना प्रभारी वीरेंद्र यादव ने बताया कि तहरीर के मुताबिक मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, मामले में जांच-पड़ताल की जा रही है।

फरवरी से जनपद में चलेगा 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जिले में फरवरी से 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान शुरू होगा। इस संबंध में महानिदशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. रतनपाल सिंह सुमन ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चन्द्रा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य है। जिले में टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें इलाज मुहैया कराना जिससे कि टीबी मुक्त जनपद के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

सीएमओ नेकहा कि अभियान को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसमें जनप्रतिनिधियों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, ग्राम प्रधान, स्वयं सहायता समूह, पंचायत प्रतिनिधियों सहित कुल 11 विभाग व माई भारत वालंटियर्स जैसे सामाजिक संगठन अभियान में सहयोग करेंगे। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान उच्च जोखिमो जैसे 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, डायबिटीज के मरीज, कुपोषित, टीबी के पुराने रोगी, टीबी मरीज के साथ रहने वाले लोग,एचआईवी, धूम्रपान एल्कोहोल एवं नशा करने वाले व्यक्ति, निर्माण सम्बन्धी काम में लगे व्यक्ति, वृद्धाश्रम, अनाथालय, निराश्रित गृह में रहने वाले लोगों व ईंट भट्टे पर काम करने वाले लोगों की विशेष स्क्रीनिंग की जायेगी। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डीएस अस्थाना ने टीबी के लक्षणों के बारे में बताया कि दो सप्ताह से अधिक खांसी, रात में पसीना आना, भूख कम लगना, वजन कम होना, बुखार, बलगम के साथ खून आना, थकान, सीने में दर्द, सांस लेने में दिक्कत और गर्दन में सूजन/ गांठ/गिल्टी होना आदि टीबी के लक्षण हैं, इन्हें नजरअंदाज न करें।

बीडीओ ने पीड़ित परिवार को दी आर्थिक सहायता, डलमऊ : कोतवाली क्षेत्र के पूरे कुंजन मजरे लूक चांदपुर गांव में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में भाई-बहन की मौके पर मौत हो गई थी। इस घटना के बाद जहां पूरा परिवार गहरे सदमे में है। वहीं खंड विकास अधिकारी अशोक सचान ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने पांच हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिया। बताया कि समूह की बैठक कराकर सामुदायिक शौचालय के केयरटेकर पद पर चयन कराकर संबंधित महिला को छह हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। वहीं मृतक की मां का पहले से बना सफेद राशन कार्ड, अब अंत्योदय कार्ड में परिवर्तित कराने के लिए आवेदन भरवा दिया गया है। इस मौके पर ग्राम प्रधान मनोज कुमार, पंचायत सहायक शैलेंद्र कुमार, रोजगार सेवक श्याम किशोर मौजूद रहे।

यातायात नियमों के पालन का दिया संदेश

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जीआइसी में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पोस्टर, चित्रकला, निबंध आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन करने का संदेश दिया गया। एआरटीओ प्रशासन अरविंद कुमार यादव ने कहा कि यातायात नियमों का पालन नहीं करने से सबसे अधिक दुर्घटनाएं होती है। ऐसे में सावधानी पूर्वक ही वाहनों को चलाना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि अपन अभिभावकों को बाइक पर हेलमेट और कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। जीवन अनमोल होता है। एक छोटी से गलती से पूरा परिवार बिखर जाता है। आईडीटीआर उप प्रधानाचार्य अनामिका शुक्ला ने कहा कि सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन हर किसी को करना चाहिए। खासतौर पर चालकों को सतर्कता बरतनी चाहिए। इस दौरान बच्चों ने चित्रकला, निबंध तो किसी ने भाषण में हिस्सा लेकर यातायात नियमों के बारे में उल्लेख किया। इस मौके पर नीरज अग्रहरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आयोजित प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी।

मां-बेटी ने मिलकर पड़ोसन को पीटा केस दर्ज

महराजगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के थुलवासा चौकी क्षेत्र के गोलहा मजरे थुलवासा गांव निवासी रतीपाल की पत्नी बिटाना ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि रविवार शाम करीब छह बजे वह अपने घर पर बैठी थी। तभी पडोस की ही रहने वाली श्रीमती व उनकी पुत्री पुष्पा ने आकर उसके साथ गाली गलौज करते हुए पीटना शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस ने उसे सीएचसी पहुंचाया। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया दो महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के जूनियर स्कूल डिडौली के प्रधानाध्यापक राजेंद्र बहादुर सिंह का कहना है कि शीतकालीन अवकाश के कारण स्कूल बंद था। बीती 16 जनवरी को स्कूल खोला गया तो किचन का दरवाजा टूटा हुआ था। जब किचन के अंदर जाकर देखा गया तो गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा और एमडीएम का अन्य सामान गायब था। घटना के बाद मामले की जानकारी तत्काल विभागीय अधिकारियों को दी गई। इस मामले में एक तहरीर कोतवाली में भी दी गई है। कोतवाल अजय कुमार राय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

संगीतमय श्रीराम कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जनपद के मालिक मऊ चौबारा पांचो वीर मंदिर के प्रांगण में चल रहे नवदिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के पांचवे दिन कथा आयोजित की गई। कथावाचक द्विवेदी कृष्ण कुमार शास्त्री ने मार्मिक ढंग से पुष्प वाटिका का वर्णन धनुष भंजन श्री सीताराम के सुंदर मांगलिक प्रसंग की कथा सुनाई।

काशी से पधारे हुए विश्व सनातन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सनातनी ने व्यास जी को माल्यार्पण और अंगवस्त्र अर्पण कर स्वागत किया। आज के मुख्य जजमान पप्पू द्विवेदी, प्रधान विनोद त्रिवेदी, शिवकुमार त्रिवेदी, अजय सिंह, संजय आनंद महाराज, सुरेश शर्मा, कमलेश चंद पांडे ने महाराज को सम्मानित किया।

श्रीराम कथा के पांचवे दिन कथा वाचक को सम्मानित करते अतिथि।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्म व पूतना वध का हुआ वर्णन, जगतपुर: जगतपुर क्षेत्र के पूरे पंडित मजरे बैरीहार में चौथे दिन भी सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा वाचक पं. राघवेंद्र शुक्ल उर्फ राघव महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग, कारागार से वासुदेव द्वारा गोकुल गमन तथा नंदोत्सव का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा वाचक ने बताया कि जब धरती पर अत्याचार और अधर्म बढ़ जाता है, तब भगवान भक्तों के कल्याण के लिए अवतार लेते हैं। कंस के कारागार में भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण, योगमाया द्वारा शिशु के परिवर्तन और वासुदेव द्वारा यमुना पार कर बालक को गोकुल पहुंचाने की लीला सुनते ही पूरा पंडाल श्रद्धा से निहाल हो उठा। जैसे ही नंद बाबा के घर आनंदोत्सव का प्रसंग आया, पंडाल "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से गूंज उठा। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाएं मानव जीवन को प्रेम, करुणा, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। यहां प्रदीप कुमार त्रिवेदी, श्यामू त्रिवेदी, नीरज त्रिवेदी, हरिहर, शशांक, शैलेंद्र शुक्ला रहे।

गुरु के बिना नहीं होंगे भगवान के दर्शन

कथा सुनाते राघवजी महाराज।

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन आज राघव जी महाराज ने बताया कि बिना गुरु के भगवान के दर्शन पाना संभव नहीं है। गुरु तभी मिलेगा जब अच्छी संगत रहेगी। सत्संग में जाओगे, भगवान के चरित्र अपने मुंह से सुनाओगे, तभी प्रभु के दर्शन संभव है। प्रभु कृपा के लिए संतों का साथ जरूरी है। उन्होंने एक कहानी बताते हुए बताया कि एक गांव में रामदास नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह बहुत धार्मिक प्रवृत्ति कथा एक दिन कई संत वहां पर पहुंचे और रामदास से रहने के लिए जगह मांगी। रामदास तैयार हो गया और उनको अपने स्थान पर ले गया। वहां उनकी सेवा करने लगा कुछ दिनों बाद जब संत लोग वहां से विदा हो रहे थे, तब रामदास भी उन्हीं के साथ चल दिया और कहां की हमें प्रभु के दर्शन कराओ। यह कहते हुए संतों के साथ रहने लगा और प्रभु भक्ति में अपना मन लगा दिया। कुछ दिनों बाद एक आकाशवाणी हुई और भगवान ने दर्शन दिए। प्रदीप त्रिवेदी के आवास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में शुक्रवार को भंडारा आयोजित किया जाएगा

समस्या माइनर के पानी से गांव का रास्ता बंद होने पर आवागमन प्रभावित, किसानों में आक्रोश

फिर उफनाई दुकनहा माइनर, फसल और गांवों में भरा पानी

संवाददाता, खीरों (रायबरेली)

अमृत विचार। खीरों क्षेत्र के गांव पूरे जुड़ावन मजरे मेड़ौली के पास सोमवार को दोबारा दुकनहा माइनर कट गई। माइनर कटने से किसानों की करीब 50 बीघा गेहूं, सरसों आदि की फसल जलमग्न हो गई। इसके अलावां पूरे गांव के घरों व आने जाने वाला एक मात्र रास्ता भी पानी से घिर गया। नहर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की इस घोर लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों और किसानों को भुगतना पड़ा।

शारदा सहायक पुरवा उन्नाव ब्रांच से निकली दुकनहा माइनर के किनारे स्थित गांव पूरे जुड़ावन का पुरवा के किसान रामप्रसाद, कंधई लाल, रमेशचंद्र, महेश कुमार, पंचू, रामस्वरूप, गंगाराम, बदलूराम आदि ने बताया कि 15 दिनों से दुकानहा माइनर उफनाने के बाद एक सप्ताह पूर्व राम खेलावन व राम स्वरूप के खेत के पास दो जगह पटरी कट गई थी। जिसे किसानों ने बांधने की कोशिश की, लेकिन माइनर में आगे खड़ी झाड़ियों के कारण पानी का ठहराव हुआ और माइनर उफनाकर दूसरी जगह से पटरी कट गई थी। जिससे गांव के किसानों की लगभग 50 बीघा से अधिक गेंहू, सरसों आदि की फसल जलमग्न हो गई थी। इस पर विभागीय अधिकारियों को सूचना दी गई तो हेड से पानी बंद कर दिया गया था। शनिवार की रात से पानी उफनाने की सूचना दी गई, किंतु विभागीय अधिकारियों ने इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया।

सोमवार को फिर से उक्त नहर की पटरी कट गई और लगभग 50 बीघा गेहूं, सरसों आदि की फसल जलमग्न हो गई। इसके अलावां गांव का एक मात्र रास्ता बंद हो गया तथा घरों में पानी भर गया। किसानों का आरोप है कि जब सिंचाई की जरूरत होती है तब नहरों में पानी नहीं आता है। साल में एक बार जब सिल्ट सफाई होती है तभी पानी छोड़ा जाता है जो हम लोगो की गेंहू की फसल को बर्बाद कर देता है। सिल्ट सफाई के नाम पर खानापूर्ति करने का यह साक्षात परिणाम है। शारदा सहायक पुरवा ब्रांच उन्नाव के अवर अभियंता रामनरेश ने बताया कि नहर कटान की सूचना मिली है। कर्मचारियों को भेजकर हेड से पानी बंद करके पटरी की मरम्मत की व्यवस्था की जा रही है।

खीरों स्थित दुकनहा माइनर में उगी झांड़ियां व उफनाकर बहता पानी। अमृत विचार

फसल का मुआवजा दिलाने की मांग

तहसील में शिकायती पत्र देने जाते किसान।

लालगंज (रायबरेली) अमृत विचार। लालगंज क्षेत्र में नहर पटरी कटने से बर्बाद हुई फसल का मुआवजे दिलाने के लिए किसान तहसील पहुंचे और एक प्रार्थना पत्र दिया। इस दौरान एसडीएम के न मिलने से उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। किसान राहुल, नरेंद्र, सरजू देवी, मुन्नी देवी, रन्नो, भगत यादव, यमुना प्रसाद, किरन, बिहारीलाल, आशा देवी, ओम प्रकाश ने बताया कि नहर कटने से खेतों में पानी भर गया जिससे उनकी लगभग दो सौ बीघा फसल डूब गई। उनका कहना कि लगभग 80 बीघा फसल बर्बाद हो चुकी है। किसानों ने मुआवजा दिलाने की मांग की है।किसानों ने कहा कि मंगलवार को फिर से तहसील आकर अपनी समस्या उपजिलाधिकारी के समक्ष रखकर मुआवजे की मांग करेंगे।

अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना ही परिषद का मूल उद्देश्य : अरविंद

जरूरतमंदों को कंबल प्रदान करते परिषद के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव।

रायबरेली, अमृत विचार। कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए भारत विकास परिषद की ओर से अहियापुर निर्धन बस्ती में 228 जरूरतमंदों को कंबल वितरण का आयोजन किया गया। अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना ही परिषद का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से ही मानवीय संवेदनाएं जीवित रहती हैं और यही सच्ची समाजसेवा है। संचालन पूर्व अध्यक्ष राकेश कक्कड़ ने किया। इस मौके पर अशोक श्रीवास्तव, नवल किशोर बाजपेई, उमेश अग्रवाल, कमलेश चंद्र श्रीवास्तव, राजा राम मौर्य, अजय कुमार मिश्रा, देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, पवन कुमार श्रीवास्तव, वाणी पाण्डेय, सीमा श्रीवास्तव, नीतू चतुर्वेदी आदि लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

देर रात गेस्ट हाउस पहुंचे राहुल, जगह जगह हुआ स्वागत

रायबरेली : नेता प्रतिपक्ष और जिले के सांसद राहुल गांधी अपने दो दिवसीय दौरे पर सोमवार देर रात भुएमऊ स्थित गेस्ट हाउस पर पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। हरचंदपुर में राहुल गाड़ी से उतरकर लोगों से मुलाकात भी किया। सांसद राहुल गांधी दौरे के दूसरे दिन सुबह भुएमऊ गेस्ट हाउस में प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद आईटीआई स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में रायबरेली क्रिकेट लीग का शुभारम्भ करेंगे। वहीं दोपहर बाद रोहनिया ब्लाक के उमरन ग्राम सभा में मनरेगा चौपाल लगाएंगे। इसके बाद भुएमऊ गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। वहीं तीसरे दिन विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मिलने के बाद चले जाएंगे।

लूटकांड का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

तिलोई (अमेठी) : कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अंतर्गत बीते 2 दिसंबर 2025 को मोहनगंज पीढ़ी मार्ग पर सर्राफा व्यवसायी घनश्याम सोनी से बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया था। घटना में शामिल तीन अभियुक्तों को थाना मोहनगंज पुलिस सक्रियता दिखाते हुए महज कुछ दिन में ही लूट की घटना का खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर पहले जेल भेज दिया था। बाकी एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर दिन सोमवार को जेल भेज दिया हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बीते शनिवार को थाना प्रभारी राकेश सिंह पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर वांछित आकाश निषाद उर्फ गोलू पुत्र जगदीश निषाद निवासी ग्राम कमनगढ़ थाना कोतवाली देहात, सुलतानपुर को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी राकेश सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त लूटकांड का अभियुक्त था। जो काफी समय से फरार चल रहा था जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली देहात सुलतानपुर में कई आपराधिक मुकदमा भी दर्ज हैं।

विवाहिता की शिकायत पर केस दर्ज

तिलोई (अमेठी) : मोहनगंज कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पंडित का पुरवा मजरे कूरा गांव की रहने वाली एक विवाहिता ने सुसरालीजनों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पांच लोगों पर केस दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार गौरीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम ऐधी की निवासी स्व .काशीप्रसाद तिवारी की पुत्री मंदाकिनी पांडेय ने मोहनगंज पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक साल पहले मंदाकिनी पांडेय का विवाह ग्राम पंडित का पुरवा मजरे कूरा निवासी अशोक कुमार पांडेय के साथ हुआ तथा सम्भव दान दहेज दिया गया विवाह के कुछ दिन बीतने के बाद से पति दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग करने लगा। विधवा माता की स्थित का न होने का हवाला देते हुए पीड़िता ने उसका विरोध किया। जिसपर पति अशोक, चाची सास फलक, चाचा ससुर अतुल, अजिया सास सावित्री व चाचा ससुर अंजली मिलकर पीड़िता को गाली गलौज, मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे। इस दौरान वह ससुराली जनों के अत्याचार को बर्दाश्त करती रही इसी बीच ससुराल वाले चार पहिया गाडी की मांग पूरी न होने पर उसे तलाक की धमकी देकर दूसरी शादी करने की उससे बात करने लगे और घर से भगा दिया। साथ में चेतावनी भी दी अगर दुबारा यहां दिखाई दी तो जान से मार दूंगा।

1.32 करोड़ की लागत से बनेगा पीपे का पुल

राह होगी आसानः किसनी व मड़वा गांव स्थित गोमती नदी पर निर्माण को मिली शासन से वित्तीय स्वीकृति

संवाददाता, शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार। वर्षों से नाव के द्वारा गोमती नदी को पार कर उस पार रामनगरी अयोध्या को जाने वाले लोगों की पुल से उत्तरने की मुराद जल्द ही पूरी होने जा रही है। गोमती नदी के किसनी घाट व मड़वा अतवारा स्थित कुड़वा घाट पर पीपा पुल निर्माण की राह साफ हो गयी है। भले ही यहां गोमती नदी के इन दो प्रमुख घाटों पर स्थायी पुल का निर्माण नहीं होगा फिर भी क्षेत्रीय विधायक सुरेश पासी के प्रयास से इनका पुल से नदी पार करने का सपना साकार होने में मात्र कुछ ही दिन शेष हैं।

उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग के प्रस्ताव को शासन की मंजूरी मिलते ही 1.32 करोड़ रुपये जारी हो गए हैं। उम्मीद है कि निर्माण कार्य फरवरी माह के पहले सप्ताह से जल्द आरंभ होगा। दोनों पुल तैयार होने पर राम नगरी अयोध्या जाने वाला मार्ग छोटा होगा और लगभग 10 किलोमीटर की दूरी घटेगी। ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, साथ ही किसानों को खेतों तक पहुंच में लाभ मिलेगा। बता दें कि नदी वर्षों से आवागमन में बाधा बनी हुई थी। जैनबगंज-मां कामाख्या धाम मार्ग पर किशनी घाट पर पीपा पुल बनने से दर्शनार्थियों एवं राहगीर राहत महसूस करेंगे। उसी प्रका मड़वा अतवारा क्षेत्र के कुडवा घाट पर रानीगंज-बाजारशुकुल मार्ग से देवकली होकर मऊअतवारा जाने वाले संपर्क मार्ग पर भी पुल तैयार किया जाएगा। दोनों पुल यात्रियों को सुरक्षित, त्वरित और सुगम मार्ग उपलब्ध कराएंगे। वहीं पीपा पुल बनने से सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि तक पहुंच आसान होगी। किसानों को अपनी उपज ले जाने में कम दूरी तय करनी पड़ेगी। अभी नदी पार करने में लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय व श्रम दोनों की खपत बढ़ जाती है। पुल तैयार होते ही खेतों तक पहुंच सरल हो जाएगी।

यह होगी लागत: किसनी घाट पर 70.08 लाख तो कुड़वा घाट पर 62.54 लाख की लागत से प्लाटून पुल का निर्माण लोक निर्माण विभाग कराएगा।

पुल निर्माण के लिए गोमती नदी पर पहुंचे प्लाटून। अमृत विचार

क्या बोले विधायक

सुरेश पासी विधायक।

पुल निर्माण के बारे में विधायक सुरेश पासी ने बताया कि मऊ अतवारा का 62 लाख व किसनी घाट का 70 लाख रुपये से पीपा के पुल का निर्माण कराया जाएगा। जिसकी धनराशि लोक निर्माण विभाग को जारी कर दी गई है, जल्द ही घाट पर पुल का निर्माण करवाया जाएगा। यह क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी उपलब्धि मिली है।

पुल निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने जताई खुशी

राजू सोनकर।

शोएब अहमद।

मनोज पासी।

ग्रामीण राजू सोनकर पिछले कई वर्षों से नदी पार माता कामाख्या मंदिर जाने वाले सैकड़ों श्रद्धालु इसी घाट से नाव द्वारा दर्शन करने जाते हैं। नाव से उतरने में हमेशा खतरा बना रहता है। अब पुल बनने से उन्हें सुविधा हो जाएगी और समय की बचत होगी। वहीं प्रधान शोएब अहमद ने बताया कि पिछले सात दशक से न जाने कितने प्रयास पुल बनने के हुए, किंतु वह आज फलीभूत हुआ है। इस कार्य के लिए विधायक की जितनी सराहना की जाय कम ही है। पुल बनने से दोनों तटों पर बसे गांवों को लाभ होगा। धन व समय की बचत होगी। उधर, मनोज पासी का कहना है कि बचपन में लोग कहते थे कि पीपे का पुल बनता है। जिससे लोग नदी पर करते है। कभी सुना था आज हम उसे बनते भी देखेंगे और उससे नदी भी पार करेंगे। हमारे पूर्वज भले ही नाव से नदी पार करते थे हम पुल से उस पार जाएंगे।

किशनी घाट पर पुल से घटेगी दूरी: जैनबगंज-किशनी मार्ग से जुड़े किशनी, मरदानपुर, अहमदपुर, टेवसी, पारा सहित पांच ग्राम पंचायतों की लगभग 30 हजार आबादी को राहत मिलेगी। अयोध्या की दूरी लगभग 10 किलोमीटर कम होगी।

कुड़वा घाट पर पुल निर्माण से कम होगी दूरी: कुड़वा घाट पर पुल बनने से मड़वा, टंडिया, मऊ अतवारा, रुदापुर, देवकली, वारिसगंज तथा रानीगंज शुकुलबाजार मार्ग का संपर्क सुदृढ़ होगा। पूरे गौहर, गडरियाडीह, मंगौली होते हुए जगदीशपुर पहुंच सुगम होगी। कुमारगंज तथा घुड़वल क्षेत्र सहित कई गांवों को पांच से 10 किलोमीटर की दूरी में कमी का लाभ मिलेगा।

वहीं इस संबंध में रवींद्र, अवर अभियंता (लोक निर्माण विभाग) का कहना है कि प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद पुल निर्माण की सारी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी है। निर्माण कार्य फरवरी माह के पहले सप्ताह से कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

30 को ग्राम पंचायत ताला में होगा किसानों का जमावड़ा

अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते संगठन पदाधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता, अमेठी

- प्रदर्शन कर किसानों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आगामी 30 जनवरी (शुक्रवार) को ग्राम पंचायत ताला के खेल मैदान में भारतीय किसान यूनियन (भानु) और किसान क्रांति दल द्वारा एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार, राजस्व विभाग की मनमानी और जनसमस्याओं के निस्तारण में हो रही देरी को लेकर संगठन ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसको लेकर सोमवार किसानों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे गांधी जी की लाठी के पूजन के साथ होगी। इस दौरान 'मेरी प्रतिभा' अभियान के तहत 'युवा भाषण प्रतियोगिता' आयोजित की जाएगी ,महापंचायत में अमेठी तहसील के राजस्व विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। आरोप है कि लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों ने निजी सहायक (प्राइवेट कारिंदे) रखे हुए हैं, जो तहसील परिसर में बैठकर सौदेबाजी करते हैं। संगठन ने मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच कर इन प्राइवेट कर्मियों का प्रवेश वर्जित किया जाए और दोषी अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाए।यूनियन ने प्रशासन को सौंपे पत्र में कई गंभीर बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग की है कि ताला, दरखा और भगनपुर जैसे गांवों में घटतौली और राशन की हेराफेरी के आरोप।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा फोन पर वार्ता के बावजूद उपजिलाधिकारी अमेठी द्वारा जनहित के मामलों का निस्तारण न करना शामिल है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग, आयोजन में 500 से अधिक कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए 25 से 30 जनवरी तक ई-रिक्शा द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

दो घरों में छत के रास्ते घुसे चोरों ने की लाखों की चोरी

शुकुल बाजार (अमेठी)

वारदात

अमृत विचार। रविवार की रात थाना क्षेत्र के दो घरों में छत के रास्ते घुसे चोरों ने दो घरों के दरवाजे के कमरे का ताला तोड़कर घर में रखी गृहस्थी व सोने चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए सुबह जब परिवार सोकर उठे तो दंग रह गए फिर मामले की सूचना प्रधान द्वारा स्थानीय पुलिस को दी है।

पहली घटना गांव निवासी राम जियावन साहू के यहां घटी इनका घर दो मंजिल का है सभी लोग घर में सो रहे थे बताया जा रहा है कि पड़ोस के झब्बू के घर का जीने का दरवाजा खुला रहता है उसी रास्ते से चोर ने उनके घर की दूसरी मंजिल में दाखिल हुए जहां कमरे में रखें बक्से को तोड़कर सोने चांदी के जेवरात व राम बरन की पत्नी पीडित कुसुम की माने तो उन्होंने धान बेचकर रखे 45000 रुपए नगदी भी रखी थी उन्होंने आकलन कर तहरीर देने को कहा है। वहीं दूसरी घटना पहली चोरी के पड़ोस के रहने वाले रामबरन के घर में घटी यहां पर जीने का ताला तोड़कर घर में घुस गए जहां कमरे की अलमारी तोड़कर उन्होंने बच्चों की करधनी वह कंगन चोरी कर ले गए गनीमत मत रही की यहां कोई सामान और नहीं रखा था सोने का यहां रामबरन की की पत्नी रहती है बाकी परिवार लखनऊ में रहता है। वहीं थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि चोरी की घटना संदिग्ध दिख रही है फिर भी जांच कराई जा रही है

चोरी के बाद टूटी पड़ी अलमारी।

मंदिर में हुई चोरी का मुकुट के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, जगदीशपुर: पुलिस ने मंदिर में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक मुकुट, एक जोड़ी खड़ाऊ (सफेद धातु) के साथ-साथ एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अभिषेक यादव उर्फ मोनू पुत्र सोनू उर्फ आनंद कुमार निवासी ग्राम नेम दुबे का पुरवा मजरे माहेमऊ, थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक, जनपद अमेठी के रूप में हुई है। अभियुक्त की उम्र करीब 21 वर्ष बताई जा रही है।पुलिस तलाशी में अभियुक्त के पास से 315 बोर का एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने 17 जनवरी 2026 की रात ग्राम बड़ागांव स्थित हनुमान मंदिर से मूर्ति का एक मुकुट व एक जोड़ी खड़ाऊ चोरी की थी, जिसे उसने अपनी मोटरसाइकिल की डिग्गी में छिपा रखा था। दूसरी ओर अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने मोटरसाइकिल की डिग्गी से चोरी गया मुकुट व खड़ाऊ बरामद कर लिया।

सात मांगों को लेकर विशाल धरना आज

संग्रामपुर (अमेठी)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष जे.एन. तिवारी के आह्वान पर आगामी आज यानी मंगलवार, 20 जनवरी लखनऊ विधानसभा में आयोजित होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए संग्रामपुर की आशा एवं आशा संगिनियों ने तैयारी तेज कर दी है।इसी क्रम में संग्रामपुर आशा बहू संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश सिंह के नेतृत्व में आशा कार्यकर्ताओं ने सीएचसी संग्रामपुर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष सिंह को लिखित प्रार्थना पत्र सौंपा है।

नहर में मिला अज्ञात युवक का शव, हड़कंप

अमेठी, अमृत विचार। जनपद के जामो थाना क्षेत्र अंतर्गत बंधवा गांव के पास शारदा सहायक खंड-49 नहर में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सोमवार सुबह नहर की ओर गए ग्रामीणों ने पानी में शव उतराता देखा, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर जामो पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। पुलिस के अनुसार मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी है। शव की हालत देखकर अंदेशा है कि मौत कुछ समय पहले हुई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर विनोद सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा पहचान के प्रयास जारी हैं।

आरआरसी सेंटर में कचरे की जगह रखी गईं सीमेंट

संग्रामपुर (अमेठी)अमृत विचार। सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग का एक मामला अमेठी जिले के विकास खंड संग्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्रामसभा पुन्नपुर से सामने आया है। यहां शीतलागंज–बड़गांव मार्ग पर पंचायत भवन पुन्नपुर के पास बने कचरा प्रबंधन केंद्र आरआरसी सेंटर में गांव के कचरे के बजाय बीते एक सप्ताह से ठेकेदार द्वारा सीमेंट की बोरियां रखी गई थीं, वहीं ठेकेदारी कार्य में लगे मजदूरों का अस्थायी निवास भी बना दिया गया था ।मामला जब खंड विकास अधिकारी संग्रामपुर आकांक्षा सिंह के संज्ञान में आया तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरआरसी सेंटर से ठेकेदार का सीमेंट हटवाया और वहां रह रहे मजदूरों को भी हटवाया ।खंड विकास अधिकारी आकांक्षा सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा लाखों रुपये की लागत से निर्मित आरआरसी सेंटर का उद्देश्य गांव से एकत्रित सूखा, गीला एवं अन्य प्रकार का कचरा संग्रहित कर उसका वैज्ञानिक निस्तारण करना है। इस भवन का किसी भी निजी कार्य या सामग्री भंडारण के लिए उपयोग किया जाना नियमों के विरुद्ध है ।उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ग्राम विकास अधिकारी को चेतावनी पत्र जारी कर दिया गया है तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चार लोगों पर एफआईआर

महराजगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बारी गोहन्ना गांव निवासी जागेश्वर की पत्नी पूजा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका गांव के ही राम सुमिरन से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। जिसका वाद न्यायालय में विचाराधीन है। सोमवार को राम सुमिरन अपने भाइयों व पत्नी के साथ पहुंचकर गाली गलौज व जबरन कब्जा करने का प्रयास करने लगे गांव के लोगों के द्वारा बीच-बचाव करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। मामले में कोतवाली पुलिस ने राम सुमिरन, राम शरन, बिन्धा, मीरा समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

करोड़ों की लागत से बना पर्यटक आवास साबित हो रहा सफेद हाथी

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। कभी पर्यटकों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाला मुंशीगंज का पर्यटक आवास गृह आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक यह भवन पिछले दो दशकों से बंद पड़ा है, जिससे सरकार की करोड़ों की संपत्ति बर्बादी की कगार पर है।

लगभग चार दशक पूर्व, क्षेत्र में पर्यटन को नई ऊंचाइयां देने और बाहर से आने वाले अतिथियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग द्वारा इस आवास गृह का निर्माण कराया गया था। शुरुआती वर्षों में यहां बड़ी संख्या में लोग आकर ठहरते थे और मुंशीगंज की एक अलग पहचान बनी हुई थी। वर्तमान स्थिति यह है कि पिछले 25 वर्षों से इस भवन का द्वार पर्यटकों के लिए बंद है। देखरेख के अभाव में पूरे परिसर में बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं।भवन की दीवारें जर्जर हो चुकी हैं और छतों से प्लास्टर गिर रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बना यह ढांचा अब केवल एक खंडहर की तरह नजर आता है।स्थानीय ग्रामीणों और क्षेत्र वासियों में इस उपेक्षा को लेकर भारी रोष है। लोगों का कहना है कि सरकार की इतनी कीमती संपत्ति बेकार पड़ी है, जबकि इसका उपयोग जनहित में हो सकता था।

सिटी डायरी

कांग्रेस की बैठक में मौजूद कार्यकर्ता। अमृत विचार

विकास के बजाय महापुरुषों के नाम बदल रही सरकार : राज नारायण

लालगंज (रायबरेली)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम न्याय पंचायत खजूर गांव के पूरे गुरु एवं रेन बसेरा गेगासों में अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह की अगुवाई में संपन्न हुआ। मंडल अध्यक्ष राज नारायण यादव ने बैठक की अध्यक्षता की। जिला सचिव कामता प्रसाद गौड़ ने कहा कि मोदी सरकार के द्वारा नरेगा को समाप्त करने का कुत्सित षड्यंत्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। उसके खिलाफ जनता के बीच जा करके आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की जन विरोधी सरकार विकास करने के बजाए महापुरुषों के नाम बदल रही है। इसे सफल नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में कामता प्रसाद गौड़, शिव प्रताप, सुशील कुमार अग्निहोत्री, शिवकिशोर बाजपेई, राम प्रकाश निषाद, ब्रज किशोर सिंह, अब्दुल हकीम, शिवप्रसाद यादव, डॉ. राकेश पटेल, शिव प्रकाश, शत्रोहन यादव, नीलू, बाबा दीन मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद प्रांत संयोजिका डॉ. मुद्रा सिंह और विहिप के जिला अध्यक्ष अजय बाबू पांडे व अन्य। अमृत विचार

पंचायत भवन में लटकता ताला।

युवतियों को संस्कारवान बनाने वाला संगठन है दुर्गा वाहिनी : डॉ. मुद्रा सिंह

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर में विश्व हिंदू परिषद की इकाई दुर्गा वाहिनी की जिला बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य वक्ता लखनऊ की डॉ. मुद्रा सिंह रही। दुर्गा वाहिनी अवध प्रांत की प्रांतीय संयोजिका ने कहा कि दुर्गा वाहिनी किशोरी, युवतियों को संस्कारवान और शक्तिशाली बनाने वाला संगठन है जिससे वह चुनौतीपूर्ण वातावरण का सामना कर सके। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि माघ मेला प्रयागराज मे इसी माह के अंत में दुर्गा वाहिनी का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। बैठक में रजनी शुक्ला, प्रतीक्षा, नंदिनी, माधुरी श्रीवास्तव, पूजा बाजपेई, अनुष्का साहू, अजय पांडे, रुपेश अवस्थी, नीरज बाजपेई, अमरेश सिंह आदि मौजूद रहे।

पंचायत भवनों पर लटके ताले

अमेठी। विकासखंड अमेठी के अधिकतर गांवों में पंचायत भवन सिर्फ नाम के रह गए हैं। कहीं पंचायत मित्र नहीं बैठते तो कहीं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी गांव छोड़कर बाहर रहते हैं। हालत ये है कि पंचायत भवनों में दिनभर ताले लटकते रहते हैं और गांव के लोगों को अपनी समस्या लेकर मजबूरी में ब्लॉक का चक्कर लगाना पड़ता है ।अमेठी विकासखंड में कुल 50 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें 42 पंचायतों में पंचायत भवन बने हुए हैं। लेकिन गिनती के कुछ गांवों को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर पंचायत भवनों पर ताला ही लटका रहता है। जिससे ग्रामीणों को दिक्कत होती है।

सखी एडीएम ने प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण, 12 घरों से जांच के लिए भेजा गया पानी का नमूना

दूषित पेयजल आपूर्ति प्रकरण में ढिलाई पर ईओ को फटकार

संवाददाता, महराजगंज, (रायबरेली)

अमृत विचार। कस्बे के दूषित पेयजल आपूर्ति प्रकरण में नगर पंचायत के जिम्मेदारों की खूब किरकिरी हो रही है। सोमवार को एडीएम प्रशासन महराजगंज पहुंचकर निरीक्षण किया। साथ ही शिकायत के बावजूद गंभीरता नहीं बरतने पर ईओ को फटकार लगाई। इस दौरान दोपहर से ही एसडीएम गौतम सिंह की अगुवाई में नगर पंचायत और जल निगम की टीम कस्बे में लीकेज खोजने और मरम्मत करने में लगी रही।

कस्बे के पैगम्बर नगर, प्रकाश नगर, रुद्र नगर में काफी दिनों से दूषित पेयजल आपूर्ति हो रही थी। इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत में की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद सम्पूर्ण समाधान दिवस में लोगों ने तहसीलदार से शिकायत की। मौके पर तहसीलदार ने पहुंचकर निरीक्षण किया। साथ ही जांच के निर्देश दिए। बताते है कि कस्बे के लोगों की शिकायत पर पहले तीन दिनों तक पानी टंकी बंद कराई गई। टंकी के हेड की सफाई हुई। उसके बाद भी शिकायत दूर नहीं हो सकी तो रविवार को पैगम्बर नगर पहुंचे। एसडीएम गौतम सिंह ने कस्बे के प्रभावित क्षेत्र के लोगों को पानी पीने पर रोक लगवा दी। नगर पंचायत के ईओ राम आशीष को निर्देश दिया कि कस्बे के प्रभावित क्षेत्र में पीने योग्य पानी की आपूर्ति की सप्लाई टैंकर से की जाए। इसके अलावा इन क्षेत्रों की पाइप लाइन चेक कराकर मरम्मत करने के निर्देश दिए।

महराजगंज कस्बे में दूषित पानी की आपूर्ति की जांच करते एडीएम प्रशासन।

सोमवार को सुबह से ही ईओ अपनी टीम के साथ पैगंबर नगर पहुंचें। वहां उन्हें मेन पाइप लाइन में लीकेज भी मिला। इसमें नाली का पानी जाने का अनुमान लगाया। दोपहर में पहुंचे एसडीएम ने दर्जनों घरों में भ्रमण कर लोगों को सप्लाई का पानी न पीने व स्वास्थ्य जांच कराने की बात कही। स्वास्थ्य टीम भी घर-घर लोगों के हाल चाल लिए। देर शाम पहुंचे एडीएम सिद्धार्थ ने मौके पर मौजूद जेई प्रियंका यादव से समस्या जानी। लोगों ने उन्हें बताया कि वर्ष 1980 में सप्लाई की पाइप लाइन बिछाई गई। पुरानी होने के कारण जगह - जगह लीकेज है। लोग करीब दो महीने से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इस पर उन्होंने शिकायत के बावजूद ईओ द्वारा गंभीरता नहीं बरतने पर नाराजगी जताई। एडीएम ने बताया कि 12 घरों से पानी के नमूना भेजे गए हैं। जल्द ही रिपोर्ट आ जाएगी। फिलहाल प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सप्लाई के पानी की पीने से रोका गया है।

पैगम्बर नगर में लगेंगे तीन टैंक टाइप स्टैंड पोस्ट

नगर पंचायत अध्यक्ष सरला साहू और अधिशाषी अधिकारी राम आशीष ने बताया कि पेयजल की समस्या से निजात दिलाने के लिए पैगम्बर नगर में तीन टैंक टाइप स्टैंड पोस्ट लगाए जाएंगे। कस्बे में लगी पाइप लाइन पुरानी हो गई। पेयजल योजना के तहत कस्बे की पुरानी लाइन बदलने के लिए जल्द ही प्रस्ताव लाया जाएगा।

प्रदर्शन करते अधिवक्ता। अमृत विचार

अधिवक्ताओं के प्रदर्शन जारी

मुसाफिरखाना (अमेठी)। तहसील परिसर में एसडीएम प्रशासनिक अभिनव कनौजिया के स्थानांतरण व एसडीएम की आय से अधिक संपत्ति की निष्पक्ष जांच कराने सहित अन्य मांगों को लेकर सोमवार को बार एसोसिएशन अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला के अगुवाई में दर्जनों अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। सोमवार को एसडीएम अभिनव कनौजिया के स्थानांतरण की मांग की। यहां अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला, महेश तिवारी, शिव कुमार शुक्ला,पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह, राजन सिंह रहे।

अमृत विचार

मंगलवार, 20 जनवरी 2026

प्रेम का मार्ग कोई उम्मीद न रखने का मार्ग है। प्यार तभी मौजूद होता है, जब पूर्ण स्वीकृति हो और कुछ भी बदलने की कोई इच्छा ना हो।

–ओशो, विचारक

महत्वाकांक्षा और चुनौतियां

उत्तर प्रदेश हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने की ओर है, मुख्यमंत्री का दावा पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में किए गए ठोस प्रयासों और ठोस नीतिगत पहलों पर आधारित है। हालांकि देश के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य के लिए यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी है। पिछले दस वर्षों में उत्तर प्रदेश ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से करोड़ों परिवारों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। एम्स और तमाम नए अस्पताल शुरू हुए, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार, टीकाकरण कवरेज का विस्तार और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण ने मृत्यु दर घटाने में मदद की है। आज नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक में राज्य का सातवें स्थान पर पहुंचना इन्हीं सुधारों को दर्शाता है। हालांकि आगे चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जनसंख्या का दबाव, डॉक्टरों व नर्सों की कमी, क्षेत्रीय असंतुलन व ग्रामीण गरीबी। इनसे निपटने के लिए मेडिकल व पैरामेडिकल शिक्षा का विस्तार, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहन, दवा व उपकरणों की सस्ती उपलब्धता और समुदाय आधारित स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को अभी और मजबूत करना होगा। संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों के दोहरे बोझ से निपटने के लिए एक उत्तरदायी, डेटा-आधारित और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली अभी निर्माणाधीन अवस्था में ही है। ऐसे में भविष्य की ओर देखें तो सरकार की योजनाएं स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल रिसर्च और तकनीक को एक साथ आगे बढ़ाने पर केंद्रित होनी चाहिए। मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग फार्मा पार्क की स्थापना से दवाइयों और मेडिकल उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, आयात पर निर्भरता घटेगी, रोजगार और निवेश के अवसर भी सृजित होंगे।

मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना, पीपीपी मॉडल पर सुपर स्पेशिएलिटी अस्पतालों को प्रोत्साहन देना और हेल्थ स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी-आईएमआरएएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से क्लीनिकल ट्रायल व मेडिकल रिसर्च से जुड़े अनुमोदनों को सरल, पारदर्शी और तेज बना है और शोधकर्ताओं और डॉक्टरों को नौकरशाही बाधाओं से राहत मिली तथा निवेशकों को समयबद्ध और भरोसेमंद प्रक्रियाएं भी। यह प्लेटफॉर्म उत्तर प्रदेश को रिसर्च-फ्रेंडली राज्य बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में भी प्रगति उल्लेखनीय है। हालांकि इनसे जुड़ी पहलों का लाभ दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों तक समान रूप से पहुंचना अभी बाकी है। सूबा अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग डेढ़ प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय करता है, यह कम है। इसे कम से कम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य व्यय भी अभी अपेक्षाकृत कम है, बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्राथमिक स्वास्थ्य पर निवेश बढ़ाकर इसे सुधारा जा सकता है। यदि प्रदेश को अपने प्रतिद्वंद्वी राज्यों से प्रतिस्पर्धा करनी है, तो गुणवत्ता और समानता विशेष ध्यान देना होगा। हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने से आम जनता को बेहतर, सस्ती और सुलभ सेवाएं मिलेंगी और यही किसी भी स्वास्थ्य नीति की अंतिम कसौटी है। फिलहाल रणनीतिक योजनाओं और मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति से सूबा इस लक्ष्य के करीब पहुंचता दिखता है।

प्रसंगवश

बेघरपन: विकास की छाया में छिपा संकट

दुनिया में बेघर लोगों की स्थिति पर रिपोर्ट जारी करने वाली ओईसीडी के अनुसार, सबसे अधिक बेघर लोगों वाला देश पाकिस्तान है, जहां लगभग 80 लाख से अधिक लोग बिना किसी स्थाई आश्रय के जीवन जी रहे हैं। इस सूची में सीरिया 53 लाख बेघर लोगों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश 50 लाख बेघर लोगों के साथ तीसरे स्थान पर है। चीन 25.79 लाख बेघर लोगों के साथ नौवें स्थान पर है और नेपाल 25 लाख बेघर लोगों के साथ दसवें स्थान पर। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों का भी इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि आवास की समस्या केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती बन चुकी है। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक होने के बावजूद बेघर लोगों की संख्या लगभग 17.70 लाख बताई गई है।

भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार भारत 17.70 लाख बेघर लोगों के साथ दुनिया में 13 वें स्थान पर हैं। इसका एक बड़ा कारण प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) है, जिसके तहत करोड़ों परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया गया है। इस योजना ने बेघरपन को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा स्थिर आर्थिक वृद्धि ने लोगों की क्रय-शक्ति बढ़ाई है, जिससे वे छोटे घर खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम हुए हैं। ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को भी काफी हद तक रोका है। साथ ही भारत की पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था भी आर्थिक संकट के समय लोगों को सहारा देती रही है।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी द्वारा राज्यसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल 17.73 लाख बेघर लोग हैं, जिनमें 9.38 लाख शहरी और 8.34 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 1.80 लाख बेघर लोग हैं, इसके बाद महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और गुजरात का स्थान आता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में बेघर लोगों की संख्या अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 2001 की जनगणना में यहां 24,966 बेघर लोग दर्ज किए गए थे, जो 2011 में बढ़कर 46,724 हो गए। गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि वर्तमान में दिल्ली में 1.50 लाख से अधिक बेघर लोग रह रहे हैं, जिनकी पूरी गिनती अब तक संभव नहीं हो पाई है।

बेघर लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय और असुरक्षित होती है। उन्हें भोजन, आश्रय, स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। पहचान पत्रों के अभाव में वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते और गरीबी के दुष्चक्र में फंसे रहते हैं। बेघर होना मूल रूप से पर्याप्त आवास के मानवाधिकार का उल्लंघन है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। किफायती आवास का निर्माण, रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रभावी बनाना आवश्यक है। साथ ही आम नागरिक भी बेघर लोगों की मदद कर सकते हैं। भोजन, कपड़े, स्वच्छता सामग्री देना, आश्रयों में सेवा करना और जागरूकता फैलाना इसमें शामिल है। स्थानीय प्रशासन और सहायता समूहों से जुड़कर सहयोग करना भी उपयोगी साबित हो सकता है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सम्मान और संवेदना के साथ की गई सहायता बेघर लोगों को गरिमापूर्ण जीवन की ओर ले जा सकती है। हमारा थोड़ा सा सहयोग उनकी सबसे बड़ी जरूरत बन सकता है और यही एक संवेदनशील समाज की पहचान है।

बैंकों में एफडीआई की नीति: अवसर और आशंकाएं

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत सरकार एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाने की तैयारी में है, जिसके तहत वह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Banks-PSBs) में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। यह प्रस्ताव न केवल बैंकिंग सेक्टर, बल्कि संपूर्ण भारतीय वित्तीय प्रणाली के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकता है।

कोविड-19 के बाद भारतीय बैंकिंग सेक्टर ने तेजी से सुधार दिखाया है। सरकारी बैंकों का NPA स्तर ऐतिहासिक न्यूनतम पर है, क्रेडिट ग्रोथ 15 प्रतिशत से ऊपर जा चुकी है और मुनाफा पिछले कई वर्षों के मुकाबले बेहतर है, लेकिन इसके बावजूद PSBs को पूंजी की कमी, कम रिटर्न ऑन इक्विटी और तकनीकी प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। निजी क्षेत्र के बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि सरकारी बैंक पूंजी जुटाने में पिछड़ जाते हैं। ऐसे में सरकार का यह फैसला विदेशी निवेश को आकर्षित करने और PSBs को मजबूत पूंजी ढांचा देने की दिशा में एक स्वाभाविक कदम माना जा रहा है।

सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है। इस कदम से विदेशी निवेशक सीधे PSBs में हिस्सेदारी ले सकेंगे, जिससे बैंक की पूंजी पर्याप्तता (Capital Adequacy Ratio) में सुधार होगा और वे बड़े ऋण देने में सक्षम बन सकेंगे। सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश से न केवल पूंजी आएगी, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अनुभव, बेहतर प्रबंधन प्रथाएं और नई तकनीकें भी आएंगी, जो सरकारी बैंकों की कार्यक्षमता को सुधारेंगी। हालांकि इस कदम पर सवाल भी उठ रहे हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाना कहीं न कहीं PSBs के सार्वजनिक स्वरूप को कमजोर कर सकता है। सरकारी बैंक सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए भी जाने जाते हैं, जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना, जनधन योजनाएं लागू करना या कृषि ऋण देना।

> सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है।

यदि विदेशी निवेशक बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं, तो वे लाभ केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएंगे, जिससे सामाजिक बैंकिंग की भावना प्रभावित हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा, भारत के बैंकिंग सेक्टर पर वैश्विक भरोसा मजबूत होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से पूंजी स्थिरता मिलेगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह अवसर है, क्योंकि भारतीय बैंकिंग सेक्टर उभरती अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली का बाजार मूल्य 700 अरब डॉलर से अधिक है और इसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। यदि इन बैंकों में विदेशी निवेशकों को 49 प्रतिशत हिस्सेदारी की अनुमति मिलती है, तो यह अरबों डॉलर के निवेश का रास्ता खोल सकता है।

निवेशकों के लिए यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। पहला, इससे बैंकों के शेयरों में दीर्घकालिक स्थिरता और वृद्धि की संभावना बनेगी। दूसरा, विदेशी निवेश आने से इन बैंकों की कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार होगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। तीसरा, यह निर्णय भारत के वित्तीय बाजारों में वैश्विक निवेशकों के भरोसे को और मजबूत करेगा। विदेशी निवेशकों की बढ़ती मांग से इन शेयरों के मूल्य में और वृद्धि हो सकती है। हालांकि कुछ जोखिम भी हैं। यदि सरकार नियंत्रण बनाए रखती है, तो विदेशी निवेशक निर्णय प्रक्रिया में सीमित भूमिका पा सकते हैं, जिससे वे उतनी उत्सुकता नहीं दिखाएंगे। वहीं, यदि नियंत्रण धीरे-धीरे कमजोर होता है, तो नीति निर्माण और बैंकिंग प्राथमिकताएं विदेशी हितों की ओर झुक सकती हैं। इसलिए सरकार को एक संतुलित नीति बनानी होगी, जहां विदेशी निवेश को आकर्षित किया जाए, पर नियंत्रण और सामाजिक बैंकिंग की भावना भी बनी रहे।

इस नीति के बाद पूंजी जुटाना आसान होगा, बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी नवाचार जैसे डिजिटल बैंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जोखिम प्रबंधन आदि में तेजी आएगी। भारत सरकार की "विकसित भारत 2047" की दृष्टि में यह कदम एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है, क्योंकि इसका उद्देश्य कम से कम दो भारतीय बैंकों को दुनिया के शीर्ष 20 बैंकों की सूची में लाना है। आम उपभोक्ताओं के लिए भी यह कदम लाभकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि विदेशी पूंजी के साथ बैंकिंग सेवाओं में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, ब्याज दरें अधिक पारदर्शी होंगी और डिजिटल सेवाएं सस्ती और तेज मिलेंगी। हालांकि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के ग्राहकों की पहुंच और सेवा गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक असर न पड़े।

कहा जा सकता है कि सरकार का यह कदम 'PSBs को बेचने' की दिशा में नहीं, बल्कि 'उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और पूंजी सशक्त बनाने' की दिशा में है। भारत की वित्तीय प्रणाली को अधिक आधुनिक व वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाएगी। परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार पारदर्शिता, नियामक संतुलन और सार्वजनिक हित के बीच सही संतुलन कैसे बनाए रखती है।

आमने

फूल सिंह बरैया ने जो बात कही, वह उनकी निजी सोच या विचार नहीं हैं। उन्होंने तो बिहार के एक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे हरि मोहन झा, जो कि ब्राह्मण हैं, उनकी पुस्तक का उल्लेख किया था। यदि कार्रवाई करनी ही है, तो पुस्तक लिखने वाले पर करनी चाहिए। प्रकाशक पर कार्रवाई करिए।

– **दिग्विजय सिंह**, वरिष्ठ नेता

सामने

यदि बरैया के शब्द उनके निजी विचार नहीं थे, तो ऐसी घृणित और महिला-विरोधी बयान देने की आवश्यकता ही क्या थी? क्या किसी पुस्तक का हवाला देकर महिलाओं की गरिमा पर प्रहार उचित हो जाता है? क्या सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान की जिम्मेदारी वक्ता की नहीं होती? यदि वे शब्द गलत थे, तो कांग्रेस ने उसी समय सार्वजनिक खंडन क्यों नहीं किया?

– **आशीष अग्रवाल**, भाजपा मीडिया प्रभारी, मप्र

ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

प्रो. आरके जैन

बड़वानी (मप्र)

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाजी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जब तक ग्रीनलैंड की 'पूर्ण और संपूर्ण खरीद' पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाजी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक "रियल एस्टेट डील" बताया था, जिसे उस समय मजाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया, लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है। यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। "कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं" जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते "यांकी गो होम" जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं।

> भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है।

ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है। इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह 'पावर पॉलिटिक्स' का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है। ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ मिनरल्स भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए बेहद अहम हैं। यदि अमेरिका इन संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, विशेषकर क्वाड और इंडो-पैसिफिक ढांचे के अंतर्गत।

फिर भी, जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत पहले भी महसूस कर चुका है। भारत के लिए यह दौर सतर्कता, दूरदर्शिता और स्मार्ट डिप्लोमेसी की मांग करता है। 2026 में दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया एक फैसला पूरी वैश्विक राजनीति की दिशा बदल सकता है। यदि भारत इस परिवर्तन को समझदारी से संभालता है, तो वह न केवल चुनौतियों से उबर पाएगा, बल्कि एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में और मजबूती से उभरेगा।

सोशल फोरम

आनंद भवन: जहां सुरक्षित है नेहरू की मूल वंशावली

पिछले 10-12 सालों से वास्तविकता के नाम पर आधुनिक इतिहास की भांति-भांति की शिक्षा हमें दी जा रही है। भ्रमित समाज के लिए इनमें सबसे रोचक जवाहर लाल नेहरू की 'आधुनिक वंशावली' लगती है, जिसे देखकर चौंकते तो सभी हैं, परंतु ऐसे

विजय सिंह

रुद्रपुर, उत्तराखंड

बहुत सारे लोग हैं, जिन्हें उसकी सच्चाई को लेकर रत्ती भर भी संदेह नही। फिर भी छद्म इतिहासकार, शंका का बीजारोपण करने में सफल होते दिखाई देते हैं। इस आधुनिक वंशावली में पंडित नेहरू को 'मुस्लिम' सिद्ध करने का प्रयास किया गया है। यद्यपि 'फैक्ट-चेक' करने वालों ने इस आधुनिक वंशावली को सिरे से नकार दिया है, परंतु वो दुष्प्रचार की ताकत ही क्या, जो शंका के बीज ना बो सके। ये है आज की सोशल मीडिया का करिश्मा। इस यूनिवर्सिटी से ज्ञान अर्जित करके लोग महाज्ञानी बन गए हैं और समाज में धड़ल्ले से ज्ञान बांटते दिख जाते हैं।

नेहरू परिवार की सच्चाई यह है कि जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू जी के दादा जी 'राजनरायन कौल' को 1713 में एक 'संस्था' ने कश्मीर से उत्तर प्रदेश बुलाया था। कश्मीरी पंडित राजनरायन कौल फारसी व संस्कृत के विद्वान थे, जिसकी वजह से संस्था को उनकी जरूरत महसूस हुई थी। राजनरायन कौल के तीन पुत्र थे, साहिब राम, टीका राम और मानिस राम। मानिस राम के पुत्र गंगाधर नेहरू (जवाहर लाल के दादा)। गंगाधर नेहरू के पुत्र मोतीलाल नेहरू (जवाहर लाल के पिता)। मोती लाल नेहरू के दो और भाई थे, नंदलाल और वंशीधर। जवाहर लाल नेहरू की दो बहनें भी थीं, विजयलक्ष्मी और कृष्णा कुमारी। उसके बाद की वंशावली तो सभी लोग के स्मरण में ताजी ही होगी। इंदिरा गांधी से होते हुए, राजीव गांधी व संजय गांधी और फिर राहुल गांधी व प्रियंका गांधी तक। इससे पहले कि आनंद भवन की दीवार पर लटके, मूल वंशावली को हटाकर कहीं आधुनिक वंशावली न लटका दिया जाए, यदि किसी को प्रयागराज जाने का अवसर मिलता है, उन्हें जवाहर लाल नेहरू के पैतृक निवास स्थल 'आनंद भवन' जाकर, जो वर्तमान में नेहरु जी व गांधीजी की स्मृतियों को संजोए, एक भव्य संग्रहालय में तब्दील हो चुका है, नेहरू परिवार की मूल वंशावली का भी अवलोकन जरूर करना चाहिए। प्रसंगवश याद दिला दें कि जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास 'आनंद भवन' को उनके परिवार ने सरकार को दान कर दिया था। उस समय इस ऐतिहासिक भवन की कीमत लगभग 200 करोड़ आंकी गई थी और आज जिसकी कीमत लगभग 49,000 करोड़ बताई जाती है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अर्थव्यवस्था को जाली करेंसी से पहुंचती चोट

देश में जाली नोटों का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है। इनमें कुछ नकली करेंसी विदेशों से आ रही है, तो कुछ भारत में ही तैयार की जा रही है। पहले तक पांच सौ, हजार और सौ रुपये के नकली नोट ही बड़ी समस्या बने हुए थे, लेकिन अब पचास, बीस और दस रुपये के नकली नोटों का भी धड़ल्ले से चलन हो रहा है। कारोबारी, पुलिस और सौदागर इन छोटे मूल्यवर्ग के नकली नोटों को ग्रामीण बाजारों में आसानी से खपा देते हैं, जिससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। बीते कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों से नकली नोटों के कई मामले सामने आए हैं। 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के सीतापुर में पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

लगभग एक लाख रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया। 1 जनवरी को हरियाणा के फरीदाबाद में नकली नोट बनाकर बाजार में चलाने के आरोप में दो युवक पकड़े गए। 17 जनवरी को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक बड़े जाली नोट नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ। इसी तरह बांदा, सूरत और भोपाल जैसे शहरों में भी नकली नोटों के रैकेट सामने आए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। हालांकि भारत डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी देशों में शामिल है और दुनिया के लगभग आधे रियल टाइम डिजिटल भुगतान भारत में होते हैं, फिर भी नकली करेंसी की मौजूदगी चिंता का विषय बनी हुई है। नकली नोटों का बढ़ता नेटवर्क देश की बैंकिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने 18 सरकारी और निजी बैंकों की शिकायत पर मामला दर्ज किया, जिसमें करीब 11 हजार नकली नोट जमा होने की बात सामने आई। यह स्थिति देश की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में नकली नोट पकड़े जाने के मामलों में तेजी आई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या में 2019 से 2023 के बीच 317 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आरबीआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में 500 रुपये के 1.18 लाख नकली नोट पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संकेत देता है कि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व लगातार नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को जटिल बना रहे हैं। नोटबंदी का उद्देश्य नकली नोटों और काले धन पर रोक लगाना था, लेकिन मौजूदा आंकड़े इसकी सीमित प्रभावशीलता की ओर इशारा करते हैं। हालांकि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर सरकार ने नकदी पर निर्भरता कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ने लेनदेन को सरल और पारदर्शी बनाया है, फिर भी डिजिटल साक्षरता की कमी और नकदी पर निर्भरता इस समस्या को बढ़ावा देती है। नकली नोटों के प्रसार में जागरूकता की कमी सबसे बड़ी बाधा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। तकनीक की मदद से जालसाज हूबहू असली जैसे नोट तैयार कर रहे हैं, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोट न केवल अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करते हैं। इससे निपटने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण, कड़ी निगरानी और व्यापक जागरूकता अभियान बेहद जरूरी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

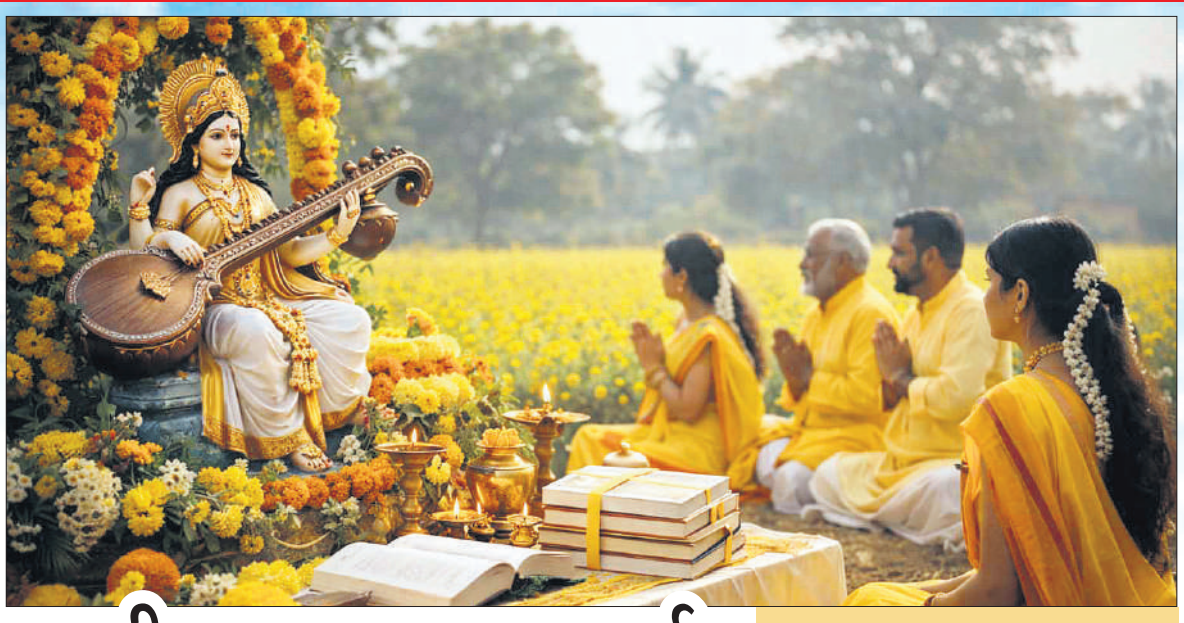

वसंत पंचमी

प्रकृति के नवोन्मेष और ज्ञान की आराधना का पर्व

वसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है, जिसमें हमारी परंपरा, भौगोलिक परिवर्तन, सामाजिक कार्य तथा आध्यात्मिक पक्ष सभी का सम्मिश्रण है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। वास्तव में भारतीय गणना के अनुसार वर्ष भर में पड़ने वाली छह ऋतुओं में वसंत को ऋतुराज अर्थात सभी ऋतुओं का राजा माना गया है और वसंत पंचमी के दिन को वसंत ऋतु का आगमन माना जाता है, इसलिए वसंत पंचमी ऋतु परिवर्तन का दिन भी है, जिस दिन से प्राकृतिक सौंदर्य निखारना शुरू हो जाता है। पेड़ों पर नई पत्तिया कोपले और कालिया खिलना शुरू हो जाती हैं, पूरी प्रकृति एक नवीन ऊर्जा से भर उठती है। साथ ही यह त्योहार मां सरस्वती की पूजा और ज्ञान, संगीत, कला एवं विद्या के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

डॉ .विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

वसंत पंचमी को विशेष रूप से सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह माता सरस्वती का प्राकट्योत्सव है, इसलिए इस दिन विशेष रूप से माता सरस्वती की पूजा उपासना कर उनसे विद्या बुद्धि प्राप्ति की कामना की जाती है। विद्यार्थियों के लिए वसंत पंचमी का त्योहार बहुत विशेष होता है। इस दिन पीले वस्त्र पहनने और खिचड़ी बनाने और बांटने की प्रथा भी प्रचलित है, तो इस दिन वसंत ऋतु के आगमन होने से कई स्थानों में आकाश में पतंगें उड़ाने की परंपरा भी दीर्घकाल से प्रचलन में है। वसंत पंचमी के दिन का एक और विशेष महत्व भी है। वसंत पंचमी को मुहूर्त शास्त्र के अनुसार एक स्वयं सिद्ध मुहूर्त और अनसूझ साया भी माना गया है अर्थात इस दिन कोई भी शुभ मंगल कार्य करने के लिए पंचांग शुद्धि की आवश्यकता नहीं होती। इस दिन नींव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना, व्यापार आरंभ करना, सगाई और विवाह आदि मंगल कार्य किए जा सकते हैं।

ज्ञान की देवी सरस्वती

माता सरस्वती को ज्ञान, संगीत, कला, विज्ञान और शिल्प-कला की देवी माना जाता है। भक्त लोग, ज्ञान प्राप्ति और सुस्ती, आलस्य एवं अज्ञानता से छुटकारा पाने के लिए, आज के दिन देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। आज के दिन शिशुओं को पहला अक्षर लिखना सिखाने का भी विधान है। दूसरे शब्दों में वसंत पंचमी का दिन विद्या आरंभ करने के लिए काफी शुभ माना जाता है, इसीलिए माता-पिता आज के दिन शिशु को माता सरस्वती के आशीर्वाद के साथ विद्या आरंभ कराते हैं। सभी विद्यालयों में वसंत के दिन सुबह के समय माता सरस्वती की पूजा की जाती है।

शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त दिन

वसंत पंचमी का दिन सनातन कैलेंडर में पंचमी तिथि को मनाया जाता है। जिस दिन पंचमी तिथि सूर्योदय और दोपहर के बीच में व्याप्त रहती है, उस दिन को सरस्वती पूजा के लिए उपयुक्त माना जाता है। सनातन कैलेंडर में सूर्योदय और दोपहर के मध्य के समय को पूर्वाह्न के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष विद्या में पारंगत व्यक्तियों के अनुसार वसंत पंचमी का दिन सभी शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसी कारण से वसंत पंचमी का दिन अबूझ मुहूर्त के नाम से प्रसिद्ध है और नवीन कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम माना जाता है। वसंत पंचमी के दिन किसी भी समय सरस्वती पूजा की जा सकती है, परंतु पूर्वाह्न का समय पूजा के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। सभी विद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों में पूर्वाह्न के समय ही सरस्वती पूजा कर माता सरस्वती का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है।

वसंत पंचमी कथा

सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा ने अपने कमंडल से जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कंपन होने लगा। इसके बाद वृक्षों के बीच से एक अद्भुत शक्ति का प्राकट्य हुआ। यह प्राकट्य एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी। ब्रह्मा ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया। पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्मा ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती कहा। सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। वसंत पंचमी के दिन को इनके जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है- प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु। अर्थात ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हम में जो आचार और मेधा है, उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से खुश होकर, उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और यूं भारत के कई हिस्सों में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी, जो कि आज तक जारी है।

पौराणिक कथा

कर्ण और धर्म का मौन उपदेश

महाभारत के विराट चरित्रों में कर्ण एक ऐसा नाम है, जो अपने त्याग और दानशीलता के कारण आज भी स्मरण किया जाता है। उन्हें दानवीर कहा गया, क्योंकि दान उनके लिए कोई विशेष कर्म नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रवृत्ति थी। प्रतिदिन प्रातः स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देने के पश्चात कर्ण के द्वार पर जो भी याचक आता, वह निराश होकर कभी नहीं लौटता था। उनके लिए दान यश, पुण्य या प्रशंसा का साधन नहीं, बल्कि धर्म का सहज पालन था।

एक दिन देवताओं के राजा इंद्र, ब्राह्मण का वेश धारण कर कर्ण के पास पहुंचे। उन्होंने कर्ण से उनके जन्मजात कवच और कुंडल दान में मांग लिए। ये कवच-कुंडल कर्ण के शरीर का अभिन्न अंग थे और उन्हें युद्ध में अजेय बनाते थे। कर्ण समझ चुके थे कि यह याचना किसी साधारण उद्देश्य से नहीं की गई है। उन्हें यह भी ज्ञात था कि यह दान उन्हें मृत्यु के मार्ग पर ले जाएगा और इसका संबंध अर्जुन की रक्षा से है। फिर भी कर्ण के मन में कोई द्वंद्व नहीं उठा। उन्होंने एक क्षण का भी विलंब नहीं किया। न किसी शर्त की बात की, न किसी प्रतिफल की अपेक्षा रखी। अपने शरीर को चीरकर उन्होंने कवच और कुंडल दान कर दिए।

यह केवल शारीरिक त्याग नहीं था, बल्कि आत्मबल और धर्मनिष्ठा की चरम अभिव्यक्ति थी। कर्ण के लिए धर्म जीवन से बड़ा था। कर्ण के इस असाधारण त्याग से इंद्रदेव भी भावविभोर हो उठे। उन्होंने कर्ण को वरदान स्वरूप शक्ति अस्त्र प्रदान किया, जो एक बार प्रयोग करने पर शत्रु का निश्चित वध कर सकता था। जाते समय इंद्रदेव ने उनसे प्रश्न किया- "कर्ण, तुम जानते थे कि यह दान तुम्हारे प्राण ले सकता है, फिर भी तुमने इसे क्यों दिया?" कर्ण का उत्तर सरल, किंतु अत्यंत गहन था- "यदि धर्म किसी लाभ या भय से बंधा हो, तो वह धर्म नहीं रहता।"

यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महाभारत में धर्म किसी पक्ष, विजय या पराजय से नहीं जुड़ा है। वह मनुष्य के आचरण, कर्तव्य और त्याग से प्रकट होता है। कर्ण का जीवन इस सत्य का मौन उपदेश है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, धर्म का मार्ग आत्मा की आवाज से तय होता है।

बोधकथा

सेवा बिना साधना अधूरी

एक बार संत ज्ञानेश्वर महाराज प्रातः काल नदी तट पर भ्रमण के लिए निकले। नदी के पास उन्होंने देखा कि एक बालक पानी में गोते लगा रहा है। कुछ दूरी पर एक संन्यासी आंखें मूंदे ध्यानमग्न बैठा था। तभी अचानक वह बालक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ज्ञानेश्वर महाराज तुरंत नदी में कूद पड़े और बालक को सुरक्षित बाहर निकाल लाए।

इसके पश्चात उन्होंने संन्यासी को पुकारा। संन्यासी ने आंखें खोलीं तो ज्ञानेश्वर महाराज ने उससे पूछा- "क्या तुम्हारा ध्यान लगता है?"

संन्यासी ने उत्तर दिया- "नहीं महाराज, मन बार-बार भटक जाता है।" ज्ञानेश्वर महाराज ने पुनः प्रश्न किया- "जब बालक डूब रहा था, तब क्या तुमने उसे देखा नहीं?" संन्यासी बोला- "देखा तो था, पर मैं ध्यान में बैठा था।" यह सुनकर ज्ञानेश्वर महाराज ने करुण भाव से कहा- "ऐसे ध्यान से सिद्धि कैसे मिलेगी? प्रभु ने तुम्हें सेवा का अवसर दिया था और सेवा ही तुम्हारा प्रथम कर्तव्य था। यदि तुम उस कर्तव्य का पालन करते, तो तुम्हारा ध्यान स्वतः स्थिर हो जाता। प्रभु की सृष्टि उनका बगीचा है। यदि बगीचा उजड़ रहा हो और हम केवल उसकी सुंदरता का ध्यान करें, तो यह भक्ति नहीं, उपेक्षा है। बगीचे का आनंद लेना है, तो उसे संवारना भी सीखना होगा।"

यह प्रसंग आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यदि हमारा पड़ोसी भूखा सो रहा है और हम पूजा-पाठ में लीन हैं, तो यह मान लेना कि हम कोई पुण्य कार्य कर रहे हैं, आत्मवंचना है। वह भूखा व्यक्ति भी उसी ईश्वर की प्रतिछवि है, जिसे हम मंदिरों में खोजते हैं। भूखे को अन्न, दुखी को सहारा और असहाय को सहायता देना भी उतना ही बड़ा धर्म है, जितना मंत्र-जप या आरती। ईश्वर ने केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए भी मनुष्य को संवेदना दी है। किसी भी जीव, प्रकृति या समाज की उपेक्षा कर की गई भक्ति प्रभु को प्रसन्न नहीं कर सकती। सच्ची साधना वही है, जिसमें मनुष्य अपने कर्म से ईश्वर की सृष्टि को संवारने का प्रयास करे। सेवा से जुड़ी साधना ही आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

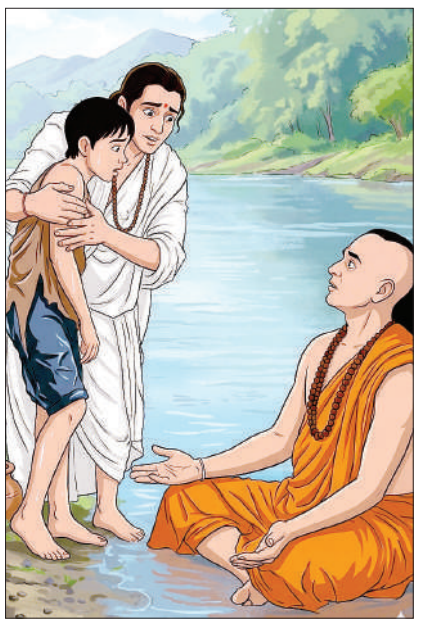

महत्वपूर्ण व्रत

रथ सप्तमी

- 25 जनवरी, रविवार 2026
- स्नान मुहूर्त - सुबह 05 :26 से 07 :13
- अवधि - 01 घंटा 47 मिनट
- अरुणोदय - 06 :48
- अवलोकनीय सूर्योदय - 07 :13

सप्तमी तिथि भगवान सूर्य को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य देव ने रथ सप्तमी के दिन से समस्त संसार को प्रकाशित करना प्रारंभ किया था, जिसे भगवान सूर्य का जन्म दिवस माना जाता था।

पूजा विधि : सुबह स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। तांबे के पात्र में जल, रोली, अक्षत और लाल फूल लें। इसके बाद सूर्य देव के मंत्रों का जप करते हुए जल उनको अर्घ्य दें, तत्पश्चात आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। सूर्य चालीसा पढ़ें। पूजा संपन्न करने के बाद अंत में गरीबों को दान दें।

पुरुषार्थ : मानव जीवन का मूल्याधारित लक्ष्य-संधान

> यह धरा कर्मभूमि के नाम से जानी जाती है, जहां मनुष्य और पशु दोनों साथ-साथ विचरण करते हुए अपने-अपने प्रयोजनों की पूर्ति के लिए कर्म करते हैं, परंतु इन दोनों के कर्म में एक मौलिक अंतर है। पशु का कर्म स्वाभाविक, प्रवृत्तिजन्य और विवेकहीन होता है, जो जीवन-रक्षा और क्षुधा-पूर्ति तक सीमित रहता है, जबकि मनुष्य का कर्म विवेकयुक्त, मूल्याधारित और लक्ष्यपरक होता है। यही विवेकसम्मत कर्म पुरुषार्थ कहलाता है।

पुरुषार्थ का सामान्य अर्थ है, अपने उद्देश्य या अपेक्षा की पूर्ति हेतु किया गया सचेत प्रयास। पशु भी कर्म करता है, परंतु उसका कर्म जैविक आवश्यकताओं से आगे नहीं बढ़ता। इसके विपरीत मनुष्य का पुरुषार्थ उसकी जिजीविषा, चेतना और आत्मिक उत्कर्ष का प्रतीक है। मानव द्वारा किया गया पुरुषार्थ लौकिक और अलौकिक, भौतिक और आध्यात्मिक, नैतिक और धार्मिक सभी आयामों को समाहित करता है। इसी कारण उसका मूल्यांकन भी नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्तर पर किया जा सकता है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

भारतीय दर्शन में पुरुषार्थ को मानव जीवन का मूल लक्ष्य माना गया है। 'पुरुषार्थ' शब्द का अर्थ है- "पुरुष का उद्देश्य" अथवा "मानव का लक्ष्य"। शास्त्रों में मानव जीवन के चार प्रमुख पुरुषार्थ बताए गए हैं-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, जिन्हें 'चतुर्वर्ग' भी कहा जाता है। ये चारों मिलकर मानव जीवन को संतुलित, मर्यादित और सार्थक बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मानव पुरुषार्थ विवेकहीन या लक्ष्यविहीन प्रयास नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने वाला सचेत उपक्रम है।

मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों की संतुष्टि के लिए जो प्रयास करता है, वही पुरुषार्थ है। इन चार पुरुषार्थों में मोक्ष को अंतिम लक्ष्य माना गया है, जबकि धर्म, अर्थ और काम उसके साधन हैं। इनका संतुलित समन्वय ही पूर्ण मानव जीवन का आदर्श प्रस्तुत करता है।

धर्म चारों पुरुषार्थों का नियामक सिद्धांत है। धर्म वह मूल्य-सिद्धांत है, जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखता है। इसका आशय नैतिक कर्तव्य, सदाचार, पवित्रता, स्वभाव और उचित आचरण से है। मनुस्मृति में धर्म के दस लक्षण बताए गए हैं-क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रिय-निग्रह, विद्या, ज्ञान, सत्य और क्रोध पर नियंत्रण। धर्म मनुष्य में अच्छे-बुरे का विवेक जगाता है और कर्मफल के सिद्धांत को स्वीकार करता है। लोकमान्यता है कि पुण्य कर्म मृत्यु के बाद भी मनुष्य का साथ देते हैं।

अर्थ दूसरा प्रमुख पुरुषार्थ है, जिसका संबंध भौतिक साधनों और आवश्यकताओं की पूर्ति से है। अर्थ का अर्थ केवल धन या संपत्ति नहीं, बल्कि वे सभी साधन हैं, जो जीवन-निर्वाह और सामाजिक दायित्वों की पूर्ति में सहायक हों। पंचमहायज्ञ, दान, अतिथि-सत्कार, संतान-पालन और समाज-कल्याण जैसे कार्यों के लिए अर्थ आवश्यक है। गृहस्थ आश्रम में अर्थ अर्जन पर विशेष बल दिया गया है, परंतु शास्त्र यह भी कहते हैं कि धन का अर्जन नैतिक और धार्मिक मर्यादाओं के भीतर होना चाहिए। आवश्यकता से अधिक धन को व्यक्ति अपना निजी स्वामित्व न मानकर समाज की अमानत समझे, यही अर्थ का आदर्श स्वरूप है।

काम तीसरा पुरुषार्थ है, जिसे प्रायः केवल भोग या यौन-इच्छा से जोड़ दिया जाता है, जबकि इसका अर्थ कहीं व्यापक है। काम मनुष्य की सभी इच्छाओं, अभिलाषाओं, भावनाओं और सौंदर्यबोध का प्रतिनिधित्व करता है। यह जीवन के आनंद का प्रतीक है- शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक सभी स्तरों पर। साहित्य, संगीत, कला, नृत्य और प्रेम ये सभी काम के ही विस्तार हैं। काम व्यक्ति को मानसिक संतुलन प्रदान करता है और गृहस्थ जीवन में समाज की निरंतरता बनाए रखने में सहायक होता है। इच्छाओं की संतुष्टि के बाद ही व्यक्ति उनमें विरक्ति प्राप्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। मोक्ष चौथा और अंतिम पुरुषार्थ है। धर्म, अर्थ और काम के समन्वय से जब व्यक्ति आत्म-ज्ञान प्राप्त करता है और अज्ञान के बंधनों से मुक्त हो जाता है, तब मोक्ष की अवस्था आती है। मोक्ष का अर्थ जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति और आत्मा का परम सत्य से एकाकार होना है। यह अवस्था स्थायी आनंद, शांति और पूर्णता की अनुभूति कराती है।

शास्त्रों के अनुसार मोक्ष की प्राप्ति के तीन मार्ग हैं- कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग। कर्मयोग निष्काम कर्म पर बल देता है, ज्ञानयोग आत्म-बोध और विवेक पर आधारित है और भक्तियोग प्रेम, श्रद्धा और समर्पण के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। इनमें भक्तियोग को सर्वसुलभ और सरल माना गया है, जबकि ज्ञानयोग कठिन और कर्मयोग जीवन को परिष्कृत करते हुए भक्ति की ओर ले जाता है। पुरुषार्थ का महत्व इस बात में निहित है कि यह स्वार्थ और परमार्थ के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह मनुष्य को न केवल व्यक्तिगत विकास की ओर ले जाता है, बल्कि सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्वों का बोध भी कराता है। धर्म जीवन को अनुशासित करता है, अर्थ आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, काम जीवन में आनंद भरता है और मोक्ष जीवन को परम लक्ष्य प्रदान करता है। इस प्रकार पुरुषार्थ मानव जीवन की वह सार्थक शक्ति है, जो सांसारिक सुखों के बीच भी धर्म के पालन द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग दिखाती है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संतुलित समन्वय ही मानव जीवन को पूर्ण, मूल्ययुक्त और अर्थवान बनाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,246 .18	25,585 .50
गिरावट	324 .17	108 .85
प्रतिशत में	0 .39	0 .42

सोना 1,48,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,02,600 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 5% पर

बीजिंग। चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्क के बावजूद मजबूत निर्यात के दम पर 2025 में 5% बढ़कर 2001 अरब डॉलर पहुंच गई। वहीं इसकी सबसे बड़ी कमजोरी घरेलू खपत सुस्त बनी रही। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 में चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वार्षिक आधार पर 5% की वृद्धि दर्ज की गई। यह देश के 5% के वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप है। एनबीएस के अनुसार, जीडीपी 2001 अरब डॉलर (140,187 .9 अरब युआन) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। घरेलू चुनौतियों की शृंखला से अंतिम तिमाही में वृद्धि दर तीन साल के निचले स्तर 4 .5% पर आ गई।

डीजीसीए ने इंडिगो पर की मामूली कार्रवाई

मुंबई। पायलट संगठन एफआईपी ने बड़े पैमाने पर उड़ानें बाधित होने के मामले में इंडिगो पर विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा लगाए 22 .20 करोड़ जुर्माने को मामूली करार देते हुए सोमवार को इसकी कड़ी आलोचना की। भारतीय पायलट महासंघ (एफपीआई) ने कहा कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जा सकता है। उसने उड़ानों को रद्द करने की अवधि पर डीजीसीए की जांच को लेकर भी सवाल उठाए। डीजीसीए ने शनिवार को विस्तृत जांच के बाद दिसंबर के शुरुआती दिनों में हजारों उड़ानें रद्द करने के लिए इंडिगो पर कुल 22 .20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

बीसीसीएल 96.5% चढ़कर हुआ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। कोल इंडिया की इकाई भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) का शेयर अपने निर्गम मूल्य 23 रुपये से 96 .5 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 45 .21 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 96 .56% अधिक था। एनएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 95 .65% की बढ़त के साथ 45 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 19,456 .95 करोड़ रहा। बीसीसीएल ने 1,071 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 21-23 रुपये तक का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ कोल इंडिया की तरफ से 46 .57 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश पर आधारित था।

मुद्राकोष ने भारतीय वृद्धि दर किया 7.3%

तीसरी तिमाही में बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार होगा आधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3% कर दिया जो अक्टूबर में जारी अनुमान से 0.7% अंक अधिक है। वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय वित्तीय संस्था ने अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4% कर दिया गया है, जो पहले 6.2% था।

आईएमएफ ने कहा कि भारत में 2025 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए वृद्धि अनुमान को 0.7% अंक बढ़ाकर 7.3% कर दिया गया है। इसका कारण तीसरी तिमाही में अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार है। मुद्राकोष ने कहा कि आने वाले समय में भारत की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में भारत की वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान है, क्योंकि चक्रीय एवं अस्थायी कारकों का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8% रही। जुलाई-सितंबर तिमाही में यह वृद्धि 8.2% दर्ज की गई थी। सांख्यिकी मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.4% की दर से बढ़ने की संभावना है। 2024-25 में वृद्धि दर 6.5% थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर आईएमएफ ने कहा कि 2025 में खाद्य कीमतों में नरमी आने से महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है और आगे चलकर इसके निर्धारित लक्ष्य के करीब लौटने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति 2% घट-बढ़ के साथ 4% पर सीमित रखने का लक्ष्य मिला हुआ है।

- विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, 2026-27 में जीडीपी 6.4% रहने का लगाया अनुमान

वैश्विक अर्थव्यवस्था के वृद्धि को किया 3.3%

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को कहा कि अप्रत्याशित रूप से मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के असर से बाहर निकल सकती है। आईएमएफ ने एक रिपोर्ट में कहा कि ऐसा कुछ हद तक उत्तरी अमेरिका और एशिया में कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश बढ़ाने से संभव होगा। इस बहुपक्षीय निकाय को उम्मीद है कि इस साल वैश्विक वृद्धि दर 3 .3% रहेगी। यह आंकड़ा 2025 के समान ही है, लेकिन पिछले अक्टूबर में जारी 2026 के लिए 3 .1% के अनुमान से अधिक है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचास और उनके सहयोगी टोबियास एड्रियन ने मुद्राकोष के ''विश्व आर्थिक परिदृश्य'' पर रिपोर्ट के साथ जारी ब्लॉग पोस्ट में लिखा, अमेरिका के नेतृत्व वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक व्यवधानों और बढ़ी हुई अनिश्चितता के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय मजबूती दिखाना जारी रखे हुए है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 2001 के बाद से तकनीकी निवेश की सबसे तेज रफ्तार का लाभ मिल रहा है। इसके इस साल 2.4% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो मुद्रा कोष के अक्टूबर के पूर्वानुमान और 2025 की अनुमानित वृद्धि दर (दोनों 2 .1%) से अधिक है। इसमें अनुमान जताया गया है कि चीन की वृद्धि दर 4 .5% रहेगी।

- रिपोर्ट अनुसार, उत्तरी अमेरिका और एशिया में एआई में निवेश बढ़ाने से ऐसा होना संभव

विप्रो ने 250 चयनित युवाओं को काम पर नहीं रखा : एनआईटीईएस

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की संस्था एनआईटीईएस ने सोमवार को श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखित शिकायत दर्ज कर विप्रो लिमिटेड पर 250 से अधिक नव-चयनित कर्मचारियों को कई महीने बाद भी काम पर नहीं रखने का आरोप लगाया। इस संबंध में विप्रो से फिलहाल जवाब नहीं मिला है।

आईटी कर्मचारियों के निकाय ने कहा कि केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और विप्रो से जवाब मांगने का आग्रह किया गया है। कंपनी को सभी प्रभावित उम्मीदवारों को स्पष्ट लिखित जानकारी देनी चाहिए, चाहे वह नियुक्ति की तय तारीख की पुष्टि हो या कारण सहित समापन। एनआईटीईएस की शिकायत में कहा गया है कि प्रभावित उम्मीदवार विभिन्न राज्यों में विप्रो की तरफ से संचालित टर्बो और नेक्स्टजेन टैलेंट हायरिंग कार्यक्रम के तहत चयनित किए गए थे। इन उम्मीदवारों को मई, 2025 में चयन की पुष्टि करने वाले आशय पत्र जारी किए गए थे जिनमें पद, वेतन और नौकरी शुरू करने से संबंधित प्रक्रिया का विवरण था।

पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे और उससे संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी है। निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ये आंशिक ढील तीन साल के बाद दी गई है। केंद्र सरकार ने साल 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत इस जिंस का प्रमुख उत्पादक देश है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात प्रतिबंधित रहेगा। मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त, पांच लाख टन तक गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है। डीजीएफटी ने कहा कि जो आवेदक इस उत्पाद का निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए आवेदन करना होगा। पहले चरण के तहत आवेदन 21 से 31 जनवरी, 2026 तक दिए जा सकते हैं। इसके बाद जब तक निर्यात की निर्धारित मात्रा उपलब्ध रहेगी, तब तक हर महीने के अंतिम दस दिनों के दौरान आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। निर्यात का यह अधिकार जारी होने की तारीख से छह महीने के लिए वैध होगा। निर्यातक, आटा मिलें या प्रसंस्करण इकाइयां इसके लिए आवेदन कर सकती हैं, हालांकि उनके पास वैध आईईसी (आयात निर्यात कोड) और एफएसएसएआई (एफएसएसएआई) लाइसेंस होना चाहिए। निर्यात प्रसंस्करण इकाइयों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों के अलावा, ऐसे व्यापारी निर्यातक भी आवेदन कर सकते हैं जिनके पास वैध आईईसी और एफएसएसएआई लाइसेंस है, साथ ही उनका सहायक विनिर्माताओं के रूप में काम करने वाली आटा मिलों के साथ वैध अनुबंध या आपूर्ति समझौता है।

- तीन साल के बाद निर्यात पर लगे प्रतिबंध में दी गई आंशिक ढील

डिजिटल ऋण मॉडल के तहत 52,300 करोड़ रुपये के एमएसएमई ऋण मंजूर

- सार्वजनिक बैंकों ने 3.96 लाख से ज्यादा आवेदन किए स्वीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि डिजिटल ऋण मूल्यांकन कार्यक्रमों के तहत सार्वजनिक बैंकों ने 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच 52,300 करोड़ से अधिक के 3.96 लाख से ज्यादा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) ऋण आवेदनों को मंजूरी दी है। सार्वजनिक बैंकों (पीएसबी) ने 2025 में एमएसएमई के लिए डिजिटल गतिविधियों के रिकॉर्ड पर आधारित ऋण मूल्यांकन मॉडल (सीएएम) की शुरुआत की थी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह ऋण मूल्यांकन मॉडल उपलब्ध डिजिटल और सत्यापन योग्य डेटा का लाभ उठाता है। यह ऋण आवेदनों के लिए निष्पक्ष निर्णय प्रक्रिया से एमएसएमई ऋण मूल्यांकन को स्वचालित मार्ग तैयार करता है। यह मॉडल बैंक के मौजूदा ग्राहकों (ईटीबी) के साथ ही नए एमएसएमई उधारकर्ताओं (एनटीबी) दोनों के लिए मॉडल आधारित ऋण सीमा का आकलन करता है। मंत्रालय ने कहा कि 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा डिजिटल ऋण मूल्यांकन कार्यक्रमों के तहत 52,300 करोड़ की राशि के 3.96 लाख से अधिक एमएसएमई ऋण आवेदनों को स्वीकृति दी गई है। इस मॉडल द्वारा केवाईसी प्रमाणीकरण, मोबाइल और ईमेल सत्यापन, जीएसटी डेटा विश्लेषण, बैंक स्टेटमेंट विश्लेषण, आयकर रिटर्न (आईटीआर) सत्यापन और क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) के डेटा का उपयोग करके जांच, धोखाधड़ी की पहचान आदि के लिए डिजिटल फुटप्रिंट्स का उपयोग किया जाता है।

आईएफएससीए ने भारत को बनाया पुनर्बीमा का केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन को किया संबोधित
- स्विस री की रिपोर्ट पर बोले- दुनिया का 10वां बीमा बाजार भारत, वैश्विक हिस्सेदारी 1.8%

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) भारत को वैश्विक पुनर्बीमा केंद्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है और भारतीय बीमाकर्ताओं एवं पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के जरिये वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। नागराजू ने मुंबई में आयोजित आईएफएससी-आईआरडीएआई-गिफ्ट सिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक नागराजू ने कहा कि भारत का पुनर्बीमा क्षेत्र रूपांतरकारी वृद्धि के दौर में है और यह देश की समग्र आर्थिक आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेगा। बीमा एवं पुनर्बीमा क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभाने में मददगार हैं क्योंकि ये जोखिम प्रबंधन के साथ दीर्घकालिक पूंजी भी उपलब्ध कराते हैं। वित्तीय सेवा सचिव ने स्विस री की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2024 में भारत कुल प्रीमियम मात्रा के आधार पर दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार बना रहा और उसकी वैश्विक हिस्सेदारी 1.8 प्रतिशत रही। देश की 3.7 प्रतिशत जनसंख्या ही बीमा दायरे में है जिसमें जीवन बीमा 2.7 प्रतिशत और गैर-जीवन बीमा एक प्रतिशत है। बीमा घनत्व बढ़कर 97 डॉलर हो गया जो यह दर्शाता है कि बाजार में अभी भी व्यापक अवसर मौजूद हैं।

सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा नियामक ने क्षेत्र के विस्तार और बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दी गई है और पिछले वर्ष एक नया पुनर्बीमाकर्ता भी पंजीकृत किया गया। उन्होंने सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) अधिनियम, 2025 का भी उल्लेख किया, जिसके तहत पॉलिसीधारकों के शिक्षा एवं संरक्षण कोष का गठन, डेटा संरक्षण कानून के साथ तालमेल और बीमा नियामक की शक्तियों को मजबूत किया गया है। नागराजू ने कहा कि आईएफएससीए के तहत गिफ्ट सिटी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप काम कर रही और विदेशी पुनर्बीमाकर्ताओं को भारत में परिचालन के लिए आकर्षक मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों के सहयोग से 2047 तक बीमा का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय

न्यायिक सुधारों से जुड़ी याचिका से कोर्ट नाराज

सीजेआई सूर्यकांत बोले - कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में अदालत का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने व्यापक न्यायिक सुधारों के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर नाराजगी जताते हुए सोमवार को इसे प्रचार याचिका करार देते हुए असंतोष व्यक्त किया और याचिका खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि इस अदालत को बाहर कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि भारत की हर अदालत में किसी भी मामले का निपटारा एक वर्ष की समय-सीमा में किया जाए। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल उठाया कि वह ऐसा निर्देश कैसे जारी कर सकती है, जिसमें सभी मामलों का एक वर्ष में निपटारा अनिवार्य किया जाए। यह जनहित याचिका कमलेश त्रिपाठी ने दायर की थी, जो

स्वयं पेश होकर मामले की पैरवी कर रहे थे। सुनवाई के दौरान त्रिपाठी ने दलीलें हिंदी में रखने की अनुमति मांगी। देश में बदलाव लाने के लिए उनकी अर्जी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी आकांक्षाओं के लिए औपचारिक याचिका उपयुक्त माध्यम नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप देश में बदलाव चाहते हैं न? इसके लिए ऐसी याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। आप मुझे एक पत्र लिखकर भेज दीजिए। पीठ ने प्रचार याचिका दायर करने के मकसद की विशेष रूप से आलोचना की।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप लोग बाहर खड़े कैमरामैनों के सामने बोलने के लिए याचिका मत डालिये। याचिकाकर्ता के अनुरोध की व्यवहारिकता पर सवाल उठाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि आप कह रहे हैं कि एक साल में हर कोर्ट फैसला करे? ऐसी कितनी कोर्ट चाहिए आपको? पीठ ने आदेश में कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहे तो न्यायिक सुधारों के लिए प्रशासनिक पक्ष से संबंधित पत्र प्रधान न्यायाधीश को प्रस्तुत कर सकता है, जिसमें यदि कोई सुझाव हों तो वे दे सकते हैं। यह स्पष्ट है कि ऐसे सभी सुझावों का हमेशा स्वागत है।

पांच लाख का जुर्माना लगाने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को लखनऊ के वकील की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि एक निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए अक्टूबर 2023 में खुली अदालत में उन्हें 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया गया था, लेकिन उन पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 13 अक्टूबर 2023 को वकील अशोक पांडे की जनहित याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध था कि न्यायमूर्ति देवेंद्र उपाध्याय को बंबई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में फिर से शपथ दिलाई जाए क्योंकि संविधान के तहत तय तरीके से शपथ नहीं ली गई थी। न्यायमूर्ति उपाध्याय अब दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। पांडे के अनुसार, पीठ ने खुली अदालत में उन पर निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हम आदेश का पालन करेंगे और इसमें पांच लाख रुपये का जिक्र है।

राजमार्ग से 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें हटाने के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राज्य सरकार को राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से 500 मीटर के दायरे में आने वाली सभी शराब की दुकानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शराब विक्रेताओं और राजस्थान सरकार की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट की चिंता वाजिब थी और सरकार भविष्य में आबकारी नीति बनाते समय इस पर विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि नोटिस जारी किया जाए। चुनौती दिए आदेश पर रोक लगाई जाती है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले निर्देश दिया था कि राजमार्गों से 500 मीटर के भीतर शराब की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन समस्या वहां पैदा हुई जहां ये सड़कें शहरों से गुजरती हैं। बाद में आदेश में स्पष्ट था कि नगर निकाय की सीमा के भीतर शराब की दुकानों पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

2016 में प्रणय और राधिका रॉय को भेजे आयकर नोटिस रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एनडीटीवी के संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय को भेजे 2016 के आयकर नोटिस को रद्द कर दिया और विभाग को सांकेतिक लागत के रूप में उनमें से प्रत्येक को एक लाख का भुगतान करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनोद कुमार की पीठ ने टिप्पणी की कि अधिकारियों द्वारा प्रणय और राधिका को उसी मुद्दे के लिए दूसरी बार पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के अधीन करना मनमाना और अधिकार क्षेत्र से बाहर था।

पीठ ने रॉय परिवार की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले के तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि कार्यवाही मनमानी और वैधानिक प्रावधानों के विपरीत होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। याचिकाकर्ताओं को जारी नोटिसों और इसके परिणामस्वरूप जारी किए आदेश या कार्यवाही रद्द की जाती हैं। हर्जाना पर्याप्त नहीं माना जा सकता, फिर भी हम बिना हर्जाना लगाए नहीं छोड़ सकते।

प्राथमिकी रद्द करने वाली लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

जमीन के बदले नौकरी देने का मामला

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने सीबीआई की ओर से जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया है। लालू प्रसाद के अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सीबीआई की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा के समक्ष दलीलें पूरी कीं।

प्रसाद ने याचिका में प्राथमिकी के साथ 2022-23 और 2024 में दायर तीन आरोपपत्रों और संज्ञान संबंधी आदेशों को भी रद्द करने का अनुरोध किया है। राजद सुप्रीमो ने दलील दी कि इस मामले में जांच, प्राथमिकी, छानबीन और उसके बाद दायर आरोपपत्र कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं हैं, क्योंकि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-17ए के तहत अनिवार्य पूर्व स्वीकृति नहीं ली। सिब्बल ने सोमवार को कहा कि सीबीआई का कहना है कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री के रूप में अपनी आधिकारिक क्षमता में काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रसाद पर आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान कथित रूप से किए गए कृत्यों के लिए मुकदमा चलाने के वास्ते मंजूरी की आवश्यकता है। राजू ने सिब्बल की दलीलों का विरोध किया।

बजट में पेश होगा बिजली संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि बिजली संशोधन विधेयक संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना है। मंत्री ने आईआईटी दिल्ली-सीईआरसी-ग्रिड इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन पर यह बात कही।

विद्युत मंत्रालय ने रविवार को बताया था कि कई वर्षों तक घाटे में रहने के बाद विद्युत वितरण कंपनियों ने 2024-25 में संयुक्त रूप से 2,701 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। मंत्रालय ने कहा कि 50 वितरण कंपनियां अब भी घाटे में हैं। सभी वितरण कंपनियों को लाभप्रद बनाने की रणनीतियों पर लाल ने कहा कि अगले बजट सत्र में हम विद्युत अधिनियम में संशोधन करने जा रहे हैं ताकि वितरण कंपनियों को घाटा न हो और उन्हें समय पर भुगतान हो सके।

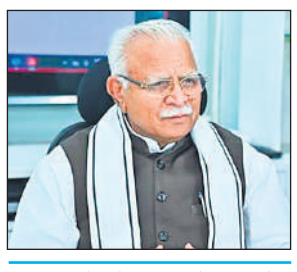

- विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना उद्देश्य
- एआईपीईएफ के चेयरमैन ने कहा- विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विद्युत अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा करने के लिए राज्य प्रतिनिधियों के साथ परामर्श बैठक भी आयोजित की है। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने इसका विरोध करते हुए तर्क दिया कि विधेयक में कई वितरण लाइसेंसधारियों को सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के मौजूदा नेटवर्क का उपयोग करने का प्रस्ताव है। एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा कि यह विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है। केंद्र सरकार विद्युत (संशोधन) नियमों के माध्यम से अपने निजीकरण एजेंडे को आगे बढ़ा रही है।

भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण के प्रयास में : राहुल गांधी

कोच्चि। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर सत्ता को केंद्रीकृत करने के प्रयास का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है। कांग्रेस नेता ने स्थानीय निकाय चुनाव में निर्वाचित हुए कांग्रेस सदस्यों की महापंचायत में कहा कि कांग्रेस त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 73वां और 74वां संवैधानिक संशोधन लेकर आई।

- निकाय चुनाव में निर्वाचित सदस्यों की महापंचायत में कांग्रेस नेता ने की टिप्पणी

राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान की रक्षा का मतलब जमीनी स्तर पर विकेंद्रीकृत शासन की रक्षा करना है। प्रसिद्ध मलयालम लेखिका एम लीलावती ने उन्हें देश भर में फैल रही चुप्पी की बढ़ती संस्कृति के बारे में आगाह किया था। भाजपा चाहती है कि लोग चुप रहें ताकि कुछ कॉरपोरेट समूह देश की संपत्ति पर नियंत्रण कर सकें। कांग्रेस नेता ने कहा कि केरल के लोगों को चुप नहीं कराया जा सकता है और वे चुनाव के माध्यम से बात रखेंगे।

कोर्ट के फैसले तक नहीं होंगे एनपीए के खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत बैंक निरीक्षण रिपोर्टों और ऋण चूककर्ताओं की सूचियों को जारी करने पर रोक लगा दी है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके व्यापक प्रभावों को समझते हुए, पारदर्शिता निगरानी संस्था ने फैसला सुनाया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा बैंकों की लंबित याचिकाओं पर मंगलवार को निर्णय होने तक किसी भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का आंकड़ा या जुर्माने का खुलासा नहीं किया जाएगा।

आरबीआई निरीक्षण रिपोर्टों के खुलासे पर ऐतिहासिक जयंतीलाल एन मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की मांग वाली लंबित याचिकाओं को देखते हुए, सीआईसी ने रजिस्ट्री को उच्चतम न्यायालय की सुनवाई के बाद

- सीआईसी ने अंतिम फैसला आने तक आरटीआई के तहत जारी होने वाली जानकारी पर लगाई रोक

मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने कहा कि शीर्ष न्यायालय के निर्देशों का इंतजार करना उचित होगा, क्योंकि उच्चत न्यायालय को मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करनी है। सीआईसी ने भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस बैंक, आरबीएल बैंक, यस बैंक, सिटीबैंक एनए और अहमदनगर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक की अपीलों पर अंतरिम आदेश जारी किए। इस मामले से जुड़े सवालों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ेगा और इनमें स्पष्टता के लिए शीर्ष अदालत का फैसला जरूरी है, खासकर आरबीआई की निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने से जुड़े जयंतिलाल एन. मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की याचिकाएं लंबित होने के कारण।

सीआईसी ने कहा कि आयोग ने रामामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश का लाभ लेना उचित होगा। साथ ही अंतिम निर्णय तक कोई भी जानकारी प्रकट न करने का निर्देश दिया। ये मामले रिजर्व बैंक के निरीक्षण और जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) और जानबूझकर चूक करने वालों की सूची, कारण बताओ नोटिस, वैधानिक निरीक्षणों के बाद लगाए दंड और संबंधित प्रवर्तन कार्रवाइयों जैसी जानकारी का खुलासा करने के निर्णयों पर बैंकों द्वारा उठाई गई आपत्तियों से संबंधित हैं।

पलटवार: अमेरिका पर 93 अरब यूरो का शुल्क लगा सकता है यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स, एजेंसी

- ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकियों के बीच तैयार कर रहा मसौदा

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बयानों और धमकियों के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) अमेरिका पर 93 अरब यूरो (107.68 अरब डॉलर) का आयात शुल्क लगाने या अमेरिकी कंपनियों को यूरोपीय ब्लॉक में व्यापार करने से रोकने पर विचार कर रहा है।

सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से कहा गया कि अगले हफ्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) पर होने वाली बैठक से पहले इस शुल्क का मसौदा तैयार किया जा रहा है, ताकि ट्रंप पर यूरोपीय नेताओं को थोड़ी बढ़त मिल सके।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोपीय यूनियन ने पिछले साल ही आयात शुल्क की सूची बना ली थी लेकिन व्यापार युद्ध रोकने के लिए उसे छह फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया था। ग्रीनलैंड पर अमेरिका-यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के कारण ईयू नेताओं ने रविवार को इसे दोबारा लागू करने पर विचार किया। इसके अलावा यूरोपीय नेताओं ने दबाव-विरोधी मसौदे पर भी बातचीत की, जिसके लागू होने पर अमेरिकी कंपनियां यूरोप में अपना सामान नहीं बेच पाएंगी।

ट्रंप ने की है 10 फीसदी टैरिफ लेने की घोषणा

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि जो देश ग्रीनलैंड खरीदने के मुद्दे पर अमेरिका का समर्थन नहीं करेंगे, वह उन पर आयात शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा भी की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर हालात नहीं बदलते तो एक जून से यह बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा। जिसके बाद आठों देशों ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लिए पूर्ण समर्थन का एलान किया था।

मध्य पूर्व के नक्शे को बदलने की कोशिश

ट्रंप का गाजा शांति प्लान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गाजा शांति प्लान केवल एक युद्धविराम समझौता नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक मानचित्र को बदलने की एक महत्वाकांक्षी कोशिश है। ट्रंप का मानना है कि जो बाइडन प्रशासन की नीतियां अनिर्णायक थीं, जिससे युद्ध लंबा खिंचा। ट्रंप की रणनीति का मुख्य स्तंभ अब्राहम समझौते का विस्तार है, जिसके तहत वे सऊदी अरब और इजराइल के बीच ऐतिहासिक राजनयिक संबंध स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण व्यावहारिक और व्यापारिक है। उनका तर्क है कि गाजा में युद्ध इजराइल की अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहा है, जबकि अमेरिका पर भी इसका भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है। उनके प्लान का केंद्र एक शांति समिति का गठन है, जो गाजा के पुनर्निर्माण और शासन को नियंत्रित करेगी।

इजराइल के लिए सुरक्षा गारंटी

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस महत्वाकांक्षी योजना में फलस्तीनी संगठन हमास के लिए कोई जगह नहीं रखी गई है। ट्रंप गाजा को एक विसैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में देखते हैं, जिसका प्रबंधन अरब देशों के सहयोग से किया जाएगा। यह योजना इजराइल के लिए एक सुरक्षा गारंटी और अरब देशों के लिए आर्थिक अवसर लेकर आई है। हालांकि, इसमें दो-राष्ट्र समाधान की तुलना में इजराइल की सुरक्षा और क्षेत्रीय एकीकरण पर अधिक जोर दिया गया है। ट्रंप का लक्ष्य 2026 के अंत तक गाजा को एक युद्ध क्षेत्र से निर्माण क्षेत्र में बदलना है, ताकि अमेरिकी संसाधन चीन और रूस जैसी बड़ी चुनौतियों पर केंद्रित किए जा सकें। गाजा के भविष्य के लिए घोषित बहुराष्ट्रीय गाजा पुनर्निर्माण एवं शांति परिषद में कई देशों और उनके नेताओं को शामिल किया जा रहा है। इसके लिए ट्रंप की ओर से तमाम नेताओं से आग्रह भी किया जा रहा है।

समिति में ये शामिल

- अमेरिका : मुख्य मध्यस्थ और सुरक्षा गारंटर के रूप में।
- इजराइल : सुरक्षा मानकों और सीमा नियंत्रण की निगरानी के लिए।
- सऊदी अरब और यूएई : मुख्य वित्तपोषक और प्रशासनिक सलाहकार।
- मिस्र : गाजा-मिस्र सीमा (फिलाडेल्फी कॉरिडोर) के प्रबंधन के लिए।
- तकनोक्रेट्स : गाजा के नागरिक।

समिति के कार्य

- पुनर्निर्माण फंड : अरब देशों के निवेश से गाजा में बुनियादी ढांचे का विकास।
- शिक्षा सुधार : गाजा के स्कूलों में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देने वाला नया शैक्षणिक ढांचा बनाना।
- सुरक्षा प्रबंधन : नई स्थानीय पुलिस बल तैयार करना जिसे अरब देशों की सेनाओं द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

फिर भी इजराइल नाराज

- युद्ध रोकने की समय सीमा : ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे युद्ध को अनिश्चितकाल तक नहीं खींचने देंगे। इजराइल का कट्टरपंथी खेमा (जैसे बेन-ग्वीर और स्मोट्रिच) पूरी सैन्य जीत तक युद्ध जारी रखना चाहता है।
- सऊदी अरब की शर्तें : ट्रंप ने सऊदी-इजराइल शांति के बदले फिलिस्तीनी राज्य की दिशा में 'अपरिवर्तनीय' कदम उठाने का दबाव डाला है, जो वर्तमान इजराइली सरकार को स्वीकार नहीं है।
- बफर जोन पर नियंत्रण : ट्रंप चाहते हैं कि सुरक्षा की जिम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय समिति की हो, जबकि इजराइल गाजा के भीतर पूर्ण सैन्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। इसको लेकर इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू अपनी नाराजगी भी जता चुके हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्वाटेमाला हिंसा में 7 पुलिसकर्मियों की मौत

एस्कुइंटला। ग्वाटेमाला की राजधानी में रविवार को सुरक्षा बलों और एक गिरोह के सदस्यों के बीच हुई झड़पों में सात पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इससे पहले देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित तीन उच्च सुरक्षा वाली जेलों में से एक पर पुलिस ने दोबारा नियंत्रण हासिल कर लिया, जहां एक रात पहले कैदियों ने उपद्रव कर सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया था। ग्वाटेमाला सिटी और उसके आसपास पुलिस पर हमले उस समय हुए, जब सैकड़ों दंगा-निरोधक पुलिसकर्मियों ने राजधानी से करीब 76 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में एस्कुइंटला स्थित रेनोवेसियोन जेल पर धावा बोला और वहां बंधक बनाए गए नौ जेलकर्मियों को मुक्त कराया।

पाकिस्तान में लगे भूकंप के तेज झटके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गयी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार ग्रीनविच मिड टाइम के मुताबिक सुबह छह बजकर 21 मिनट पर पाकिस्तान के बारिशाल से 50 किलोमीटर उत्तर और उत्तर-पश्चिम में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र 36.72 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.44 डिग्री पूर्वी देशांतर पर जमीन की सतह से 35.0 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप से किसी तरह की जनहानि का कोई समाचार फिलहाल सामने नहीं आया है।

चेक गणराज्य में गोली लगने से एक की मौत

प्राग। उत्तरी चेक गणराज्य के एक कस्बे के टाउन हॉल में सोमवार को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक पुलिस अधिकारी सहित चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध की भी गोली लगने से मौत हो गई है और अब किसी तरह का खतरा नहीं है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी क्रिब्स्का कस्बे के टाउन हॉल में हुई। घटना का मकसद तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है।

नेपाली खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने आगामी पांच मार्च को होने वाला आम चुनाव लड़ने के लिए सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से जुड़े सूत्रों ने बताया कि युवा एवं खेल मंत्री गुप्ता वर्तमान में धनुषा जिले के जनकपुर में आरएसपी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हैं और पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि मैं आगामी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के उद्देश्य से सिराहा पहुंच गया हूं। मैंने अपना इस्तीफा ईमेल के जरिए प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को भेज दिया है। इसके अलावा, फोन करके भी अपने इस्तीफे की जानकारी दे दी है।

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर

विदेश मंत्री ने पोलैंड के अपने समकक्षी रादोस्लाव सिकोरस्की को दिया स्पष्ट संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की को एक तीखा संदेश देते हुए कहा कि उनके देश को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट रूप से अक्टूबर में पोलैंड-पाकिस्तान के संयुक्त बयान में कश्मीर के उल्लेख के संदर्भ में था।

सिकोरस्की के साथ एक बैठक में जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित और अन्यायपूर्ण तरीके से चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। इसे रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर नई दिल्ली की पश्चिमी देशों द्वारा की गई आलोचना के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में हुई बैठक में विदेश मंत्री ने ये टिप्पणी की। सिकोरस्की पोलैंड के उपप्रधानमंत्री भी हैं। वहीं, पोलैंड के विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर लगाए गए शुल्क के संदर्भ में अन्याय और चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने के बारे में जयशंकर से पूरी तरह सहमत हैं।

सिकोरस्की भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। जयशंकर ने कहा कि आप हमारे क्षेत्र से अपरिचित नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की दीर्घकालिक चुनौती से निश्चित रूप से परिचित हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बैठक में हम क्षेत्र की आपकी हालिया यात्राओं पर चर्चा करेंगे। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। अक्टूबर के अंत में, सिकोरस्की ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ व्यापक वार्ता की थी जिसके बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे को प्रमुखता दी।

द्विपक्षीय संबंधों को संभालने की जरूरत

विदेश मंत्री ने कहा, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भी लगातार प्रगति हुई है, लेकिन फिर भी, इसे निरंतर संभालने की आवश्यकता है। वार्ता में दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जाना अनुचित और अन्यायपूर्ण

विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष पर भारत के लगातार रुख का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि हाल के दिनों में, पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क और इस जनवरी में पेरिस में, मैंने यूक्रेन संघर्ष और इसके निहितार्थों पर अपने विचार खुलकर आपके साथ साझा किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। मैं आज फिर से यही बात दोहराता हूं। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-पोलैंड संबंधों में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया में काफी उथल-पुथल मची हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित दो राष्ट्रों के रूप में, जिनमें से प्रत्येक के समक्ष अपनी चुनौतियां और अवसर हैं, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना स्पष्ट रूप से उपयोगी है।

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर, 39 लोगों की मौत

- दोनों ट्रेनों में 500 यात्री थे सवार बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

आदमुज (स्पेन), एजेंसी

रेल हादसे के बाद मैड्रिड रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की प्रतीक्षा करते यात्री।

स्पेन में रविवार शाम को दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में कम से कम 39 यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में 39 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

रेल संचालक एडिफ के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। जिसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां बेपटरी हो गईं।

यात्रियों ने बताया कि वे टूटी हुई खिड़कियों से बाहर निकले, जबकि कुछ लोगों ने आपातकालीन हथौड़ों से शीशे तोड़कर खुद को स्पेनिश पुलिस के अनुसार, इस हादसे में 159 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा 24 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर मैड्रिड से 370 किमी दक्षिण में कॉर्डोबा प्रांत के एक कस्बे आदमुज के पास हुई। परिवहन मंत्री पुएंते ने कहा कि दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चला है।

द. अफ्रीका में हादसा, 13 स्कूली बच्चों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में एक ट्रक और स्कूल मिनी बस की टक्कर में कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को सुबह करीब सात बजे यह घटना तब हुई जब बस जोहानिसबर्ग में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के छात्रों को ले जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बच्चों को ले जा रही मिनी बस अन्य वाहनों से आगे निकलने का प्रयास कर रही थी तभी वह सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और ट्रक चालक से पूछताछ की जाएगी। गौतेंग आपातकालीन सेवा ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में बस चालक भी शामिल है।

करूर भगदड़ केस : सीबीआई ने अभिनेता विजय से की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसयूवी के काफिले में लोधी रोड में एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे विजय

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख एवं अभिनेता विजय से सोमवार को यहां एजेंसी मुख्यालय में दूसरे दौर की पूछताछ शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता आज सुबह लग्जरी एसयूवी के काफिले में लोधी रोड स्थित एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनसे एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई से चुने गए एक उप अधीक्षक रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम द्वारा आज पूछताछ की जा रही है।

विजय से 12 जनवरी को यहां सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। उन्हें पिछले मंगलवार को फिर से आने के लिए कहा गया था, लेकिन अभिनेता ने पोंगल का हवाला देते हुए दूसरी तारीख मांगी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने अभिनेता की मांग स्वीकार करते हुए उन्हें सोमवार की तारीख दी थी। अधिकारियों ने बताया कि विजय से रैली से जुड़े फैसलों, उनके देर से पहुंचने, भाषण जारी रखने के कारणों, मौके पर मची अफरा-तफरी की जानकारी होने, भीड़ की संख्या और भीड़ प्रबंधन में हुई चूक से संबंधित कई सवाल पूछे गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय एजेंसी ने एसआईटी से जांच ली थी।

चिली में जंगल की आग से 18 की मौत, 50 हजार बेघर

पेंको। मध्य और दक्षिणी चिली में जंगलों में लगी भीषण आग में रविवार को कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गए तथा सैकड़ों मकान भी जल गए। दक्षिण अमेरिका का यह देश भीषण गर्मी की चपेट में है। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने देश के मध्य बायोबियो क्षेत्र और राजधानी सैंटियागो से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में स्थित नुब्ले क्षेत्र में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो के अनुसार, आपातकाल की घोषणा से सेना के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी ताकि अब तक 8,500 हेक्टेयर में फैली जंगल की आग पर काबू पाया जा सके, जिसके कारण 50,000 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। बोरिक ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी संसाधन उपलब्ध हैं। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हर तरफ तबाही थी और केंद्र सरकार की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची। छोटे तटीय कस्बे पेंको के मेयर रोड्रिगो वेरा ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति बोरिक, दिल की गहराइयों से कह रहा हूं कि मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, एक पूरा क्षेत्र जल रहा है।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा में 3919 मौतें

दुबई, एजेंसी

- अमेरिकी मानवाधिकार एजेंसी ने दी जानकारी

अमेरिका की एक मानवाधिकार एजेंसी ने रविवार को कहा कि ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसक कार्रवाई में कम से कम 3,919 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है और उसे आशंका है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने मृतकों का संशोधित आंकड़ा जारी किया, जो पहले 3,308 था। यह आंकड़ा दशकों में ईरान में हुए किसी भी अन्य विरोध प्रदर्शन या अशांति के दौरान हुई मौतों से अधिक है और 1979 की क्रांति के समय की अराजकता की याद दिलाता है। बहरहाल, इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। ईरानी अधिकारियों ने अब तक मृतकों की स्पष्ट संख्या जारी नहीं की है, लेकिन शनिवार को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि इन प्रदर्शनों में कई हजार लोग मारे गए हैं और उन्होंने इसके लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। यह किसी ईरानी नेता की ओर से पहली बार संकेत था कि 28 दिसंबर को शुरू हुए प्रदर्शनों में जानमाल का नुकसान बड़े पैमाने पर हुआ। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स के अनुसार, प्रदर्शनों को कुचलने के अभियान में 24,669 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह माओवादियों को मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच दो दिन तक चली मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए हैं, जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं। सोमवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार मारे गए माओवादियों में इंद्रावती नेशनल पार्क एरिया कमेटी का इंचार्ज और आठ लाख रुपये इनामी दिलीप बेंडजा भी शामिल है। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से स्वचालित हथियार, विस्फोटक और माओवादी साहित्य भी बरामद किया है। शनिवार सुबह से शुरू हुई मुठभेड़ अलग-अलग जगहों पर रविवार तक चली थी। पुलिस को मुठभेड़ के बाद छह नक्सलियों के शव बरामद किए। इस दौरान जंगल में भालू और भैंस के हमले में दो जवान नीरज शर्मा और कृष्णा नेताम भालू घायल हो गए हैं। मुठभेड़ में कुल छह माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए, जिनमें नेशनल पार्क एरिया कमेटी इंचार्ज डीवीसीएम दिलीप बेंडजा भी शामिल है, जिस पर आठ लाख रुपये का ईनाम था। मुठभेड़ स्थल पर खोजबीन के दौरान दो एके-47 रायफल, एक इंसास, दो .303 रायफल और एक कार्बाइन सहित छह हथियार बरामद किए गए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 21 जनवरी 02.42 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

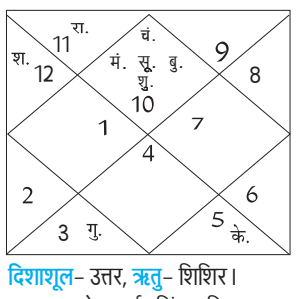

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 13.06 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज किसी धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। पिता के ऊपर गर्व होगा। कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से आपको अत्यधिक समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी।

वृष — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आईटी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विदेश से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं।

मिथुन — आज नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। माइग्रेन का दर्द उभर सकता है। घूमने-फिरने में समय बर्बाद न करें। वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है।

कर्क — आज कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है।

सिंह — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा। प्रेमीजन से झगड़ा हो सकता है। कुटीर उद्योगों से उत्तम धन लाभ होगा। तीखा भोजन करने से बचें।

कन्या — आज सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पाएगा। आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। विरोधी आपके सामने दोबारा सक्रिय हो सकते हैं।

तुला — आज अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाए रखेंगे। जमीन के कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले पेपर्स वगैरह को ध्यान से रख लें। आप लोगों की मदद के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा है। मार्केटिंग संबंधित कार्यों से बेहतरीन लाभ होगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। परिवार में लोग आपकी बातों को अनसुना कर सकते हैं। घर में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे।

धनु — आज आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण सर्द-बुखार हो सकता है।

मकर — आज नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठाएंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात से संबंधित व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा।

कुंभ — आज लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। मन अप्रसन्न रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मीन — आज आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें।

सुडोकू-37

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		8	5			9		
	2			7	3	1	8	
6				8			4	
	5			2				3
		2				8		
7				9			6	
	1			5				2
	6	9	4	3			7	
		3			8	4		1

सुडोकू - 36 का हल

2	8	5	3	7	9	4	6	1
3	4	1	8	6	5	7	2	9
9	7	6	4	2	1	5	8	3
6	2	9	7	4	3	1	5	8
4	1	8	6	5	2	3	9	7
5	3	7	1	9	8	6	4	2
1	9	2	5	3	4	8	7	6
7	5	3	2	8	6	9	1	4
8	6	4	9	1	7	2	3	5

मुझे यह सुनकर अच्छा लगा। सेंचुरी बनाना बहुत अच्छा है। मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं, और जितना हो सके उतना लंबा करियर बनाऊं।
–नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इंडोनेशिया मास्टर्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर भारतीयों की निगाहें

जकार्ता। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को कड़ा ड्रॉ मिला है और उन्हें अपने से अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अभियान की शुरुआत करनी होगी।

पहली कबड्डी चैंपियंस लीग 25 जनवरी से

नई दिल्ली। पहली कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) का आयोजन 25 जनवरी से सात फरवरी तक हरियाणा के राय स्थित खेल विश्वविद्यालय में किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। केसीएल ने आधिकारिक तौर पर पहले सत्र के लिए मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह प्रतियोगिता 12 दिन तक चलेगी जिसमें आठ फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इन टीम में सोनीपत स्टार्स, गुरुग्राम गुरुज, हिसार हीरोज, भिवानी बुल्स, रोहतक रॉयल्स, करनाल किंग्स, पानीपत पैंथर्स और फरीदाबाद फाइटर्स शामिल हैं। इस प्रतियोगिता का आयोजन लीग प्रारूप में किया जाएगा जिसमें सभी टीम एक दूसरे का सामना करेंगी।

प्रमोद भगत, सुकांत कदम ने जीते स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने काहिरा में मिस्र पैरा बैडमिंटन आमंत्रण टूर्नामेंट 2026 में अपने अपने एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया। भगत ने एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में उमेश विक्रम कुमार को हराकर पीला तमगा हासिल किया। उन्होंने यह मुकाबला 19-21, 21-15, 21-13 से जीता। एसएल 4 पुरुष एकल में सुकांत ने भारत के सूर्यकांत यादव को 27-25, 21-18 से मात दी। दोनों ने पुरुष युगल में उमेश और सूर्यकांत को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

प्रज्ञानानंदा की एक और हार

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)। गत चैंपियन आर प्रज्ञाननंदा का टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसातोरोव से हार गए। विश्व चैंपियन गुकेश को एक और कड़े मुकाबले में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने ड्रॉ पर रोक दिया। लगातार दूसरे ड्रॉ के साथ गुकेश का कुल अंक एक हो गया है। प्रज्ञाननंदा पहले दौर में हमवतन अर्जुन एरिगैसी से हार गए थे।

अच्छी शुरुआत को बदलना होगा बड़े स्कोर में

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद कप्तान गिल निराश, बोले- कैचिंग में सुधार की जरूरत

इंदौर, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की द्विपक्षीय वनडे शृंखला में पहली हार न केवल आंकड़ों के लिहाज से एक झटका थी, बल्कि इससे एक असहज स्पष्टता भी उजागर हुई और कप्तान शुभमन गिल ने हार के अंतर या कुछ खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी का बहाना नहीं बनाया। शृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में भारतीय टीम की पराजय के बाद गिल ने एक ऐसे पैटर्न का खुलासा किया, जिसने उनके शब्दों में दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया।

गिल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा ऐसा नहीं है कि हमने खराब बल्लेबाजी की। बात यह थी कि हम पर्याप्त देर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए। जब बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाते तो स्थिति बहुत मुश्किल हो जाती है। हमारे कम से कम दो बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी चाहिए थी। यही उनके और हमारे बीच का अंतर रहा। भारत पूरी शृंखला में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाया जिसमें इंदौर में खेला गया मैच भी शामिल है। इस मैच में विराट कोहली के शतक ने कुछ समय के लिए मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगाई थी।

गिल बार-बार न्यूजीलैंड के दृष्टिकोण के साथ तुलना का मुद्दा उठाते रहे। उन्होंने कहा जब भी उनके बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की तो वह बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहे। शृंखला में इसी ने मुख्य अंतर पैदा किया। पहले दो मैचों में मैं भी जम गया था, लेकिन मैं उसे 100, 120 या 130 रन में नहीं बदल पाया। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें इसमें सुधार करने की जरूरत है।

रविंद्र जडेजा पिछले कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन गिल ने कहा कि हार के लिए सभी खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा जड्डू भाई बल्ले से अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन बात सिर्फ उनकी नहीं थी। मुझे नहीं लगता कि हमारे किसी भी बल्लेबाज ने अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में कामयाबी हासिल की। ऐसी पिचों पर अगर आप अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाते तो आपको हमेशा मैच में पिछड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की है, वह हमेशा हमारे लिए पर मुख्य विकल्प थे।

गिल को विश्राम नहीं, खेलेंगे रणजी ट्रॉफी में

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को समाप्त हुई वनडे शृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है और वह पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला के तीनों मैच खेले थे। उन्होंने विश्राम करने के बजाय तुरंत ही लाल गेंद के क्रिकेट में लौटने का विकल्प चुना है क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य पंजाब को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचाना होगा। पंजाब टीम के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई से कहा शुभमन ने वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। उन्हें इंदौर से राजकोट पहुंचने में आठ घंटे का समय लगा क्योंकि वहां से कोई सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं है। पंजाब फिलहाल ग्रुप बी में पांच मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। उसे अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल की वापसी से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले टेस्ट में चोटिल होने के बाद गिल पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलेंगे।

युवा खिलाड़ियों को विराट कोहली से सीख लेने की जरूरत : गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने के कारण भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला में हार का सामना करना पड़ा और टीम के बल्लेबाजों को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय पारी को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। भारत को इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से 41 रन से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पहली बार वन डे शृंखला में हार गया। भारत के प्रमुख बल्लेबाजों में केवल कोहली ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने 108 गेंद पर 124 रन बनाए। गावस्कर ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस शृंखला में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरुआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरुआत का मतलब आधा काम हो गया। उन्होंने बताया भारत की शुरुआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था। भारत के आधे बल्लेबाज 159 रन तक पवेलियन लौट गए थे जिससे टीम की जीत की संभावना को गंभीर झटका लगा था। गावस्कर ने कहा जब आप केएल राहुल जैसे शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को खो देते हैं और आपके पास नीतीश कुमार रेड्डी हैं, जिन्होंने 53 रन की इस पारी से पहले अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं किया था, और फिर हर्षित राणा हैं, जिनसे आप कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे तो लक्ष्य तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाती है।

न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक जीत पर गर्व : मिचेल

इंदौर। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में ऐतिहासिक जीत दबाव में शांति के साथ फैसले लेने और एक दूसरे पर विश्वास करने के कारण मिली। न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में 41 रन से जीत दर्ज करके भारतीय धरती पर पहली द्विपक्षीय वनडे शृंखला जीती।

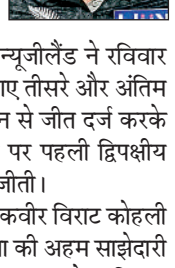

भारत ने शतकवीर विराट कोहली और हर्षित राणा की अहम साझेदारी के दम पर 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया। मिचेल ने स्वीकार किया कि तब उनकी टीम दबाव में थी, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की जिन्होंने संयम बनाए रखा। तीसरे मैच में 137 रन बनाने वाले मिचेल ने कहा उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी निभाई और तब इस मैदान की प्रकृति, विकेट और छोटे आकार के कारण हम पर काफी दबाव था। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारे खिलाड़ियों ने शांति से काम लिया और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। उन्होंने कहा यह शानदार मैच था जो रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

विदर्भ की जीत आपस में भरोसे का नतीजा : कोच

बेंगलुरु। विदर्भ के मुख्य कोच उस्मान गनी का मानना है कि विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी टीम की शानदार जीत खिलाड़ियों के एक-दूसरे पर भरोसे का नतीजा है, जिससे उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से सफलतापूर्वक उबरने में मदद मिली।

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा चैंपियन विदर्भ ने रविवार को यहां सौराष्ट्र को 38 रन से हराकर घरेलू एक दिवसीय टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। गनी ने पीटीआई से कहा हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। हमारे पास सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए भी मजबूत टीम है लेकिन इससे पहले हम सफेद गेंद के प्रारूप में ट्रॉफी नहीं जीत पाए थे। इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी हम कुछ करीबी मैच में हार गए थे और सुपर लीग तक भी नहीं पहुंच पाए थे।

उन्होंने कहा लेकिन इस बार हम आत्मविश्वास से भरे थे और हमने एक-दूसरे का साथ दिया ताकि हम सीमित ओवरों की ट्रॉफी जीत सकें। टीम ने सकारात्मक क्रिकेट खेलकर चुनौती का बखूबी सामना किया। गनी ने अपनी टीम की जीत के रहस्य का खुलासा करते हुए कहा कि वह सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहते हैं। उन्होंने कहा हमें प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करना होगा, चाहे परिस्थिति कितनी भी मुश्किल क्यों न हो। हमें उनके साथ खड़े रहना होगा। गनी ने कहा यह अब टीम की मानसिकता बन गई है और अगर आप पिछले कुछ मैचों को देखें तो हमें इस तरह की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा है। यह सब एक टीम के रूप में सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने से जुड़ा है।

अब टी-20 की तैयारी

नागपुर स्थित विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में अभ्यास करते भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन और रिंकू सिंह। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला का पहला मुकाबला 21 जनवरी को शाम 7 से बजे होगा। वनडे सीरीज हारने के बाद क्रिकेट प्रेमियों को इस प्रतियोगिता से बहुत उम्मीद है। ● एजसी

बेंगलुरु ने गुजरात को दिया 179 रनों का लक्ष्य

महिला प्रीमियर लीग

वडोदरा, एजेंसी

गौतमी नाईक के जुझारू अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात जाइंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग के मैच में सोमवार को छह विकेट पर 178 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। अब तक चारों मैच जीतकर शीर्ष पर काबिज आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही।

पहले ओवर में ग्रेस हैरिस और दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल पवेलियन लौट गए जब स्कोर नौ रन ही था। पहला विकेट तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने और दूसरा आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने वाली काशवी गौतम ने चटकाया। पिछले मैच में 96 रन बनाने वाली कप्तान स्मृति मंधाना (23 गेंद में 26 रन) ने नाईक के साथ तीसरे विकेट के लिये 60 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। गुजरात की कप्तान एशले गार्डनर ने हालांकि मंधाना को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

भारत ने रिव्यू लिया लेकिन तीसरे अंपायर का फैसला गेंदबाज के पक्ष में रहा। नाईक ने 55 गेंद की अपनी पारी में सात चौकों और एक छक्के के साथ 73 रन बनाये।

उन्होंने रिचा घोष के साथ चौथे विकेट के लिये 69 रन जोड़े। रिचा ने 20 गेंद में 27 रन का योगदान दिया जिसमें तीन छक्के शामिल थे। नाईक को 18वें ओवर में गार्डनर ने बोल्ड किया। राधा यादव ने आखिर में आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के के साथ 17 रन बनाये। गुजरात जाइंट्स के लिए काशवी गौतम और गार्डनर ने दो दो विकेट लिए।

शॉट लगातीं आरसीबी की बल्लेबाज रिचा घोष। एजेंसी

...तो बाहर रहने को तैयार रहे बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईसीसी ने चेतावनी देते हुए कहा-कल तक लें फैसला
- भारत से मैच स्थानांतरित करने के लिए अड़ा है बांग्लादेश

आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कहा है कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे।

आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद मसले का कोई हल नहीं निकल पाया है। यह संकट बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ।

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा बीसीबी अधिकारियों को 21 जनवरी तक फैसला लेने के लिये कहा गया है। अगर वे भारत आने से इनकार करते हैं तो रैंकिंग के आधार पर किसी दूसरी टीम को चुन लिया जाएगा। सुरक्षा चिंताओं और राष्ट्रीय गौरव का हवाला देकर बीसीबी ने कहा है कि उसकी टीम कोलकाता और मुंबई में विश्व कप के लीग मैच खेलने भारत नहीं जाएगी। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है लिहाजा आईसीसी बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में स्थानांतरित नहीं करेगी।

स्कॉटलैंड को मिल सकता मौका

बांग्लादेश अगर आने से इनकार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है।

सेनेगल ने मोरक्को को हराकर जीता अफ्रीका कप

रबात (मोरक्को)। सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे।

फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे।

इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में पराजित किया

कोको गॉफ, अनिसिमोवा और मेडवेदेव दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेडवेदेव के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।

गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा।

दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था। महिला वर्ग के अन्य महत्वपूर्ण मैचों में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी और पिछले दो ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया ज़खारोवा को 6-2, 6-1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6-3, 6-3 से हराया। इस बीच 27वीं वरीयता प्राप्त और 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से 6-3, 6-2 से हार गईं। स्टर्न्स का अगला मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्किको से होगा। एम्मा नवारो भी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेटों में हार गईं। पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3-6, 6-4, 6-4 से आगे चल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था।

जोकोविच ने 100वीं जीत दर्ज की

मेलबर्न। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को हराकर अपने करियर की 100वीं जीत दर्ज की। आज यहां पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने पेड्रो मार्टिनेज को 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए मेलबर्न पार्क में अपनी 100वीं करियर जीत हासिल की। रिकॉर्ड 10 बार के ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन जोकोविच की अब टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के 102 मैच जीतने के ऑल-टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने पर नजर हैं। मैच के बाद जोकोविच ने कहा मैं क्या कहूं। सेंचुरी बनाना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया और गाइड किया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं।